मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	36.0	34.1
जमशेदपुर	37.2	26.8
डाल्टनगंज	34.4	29.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in सोमवार 08 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 14 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 349 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

THE PATHSHALA

The PathShala
JEE MAIN / JEE ADVANCED, OLYMPIAD, NTSE

Bio शाला
For NEET/Medical

Every Child Matters ! The PathShala Cares !!

Our Best Result In JEE-Main (Session-I) 2024

Santosh Rawani
Percentile - 99.71
JEE Main

Piyush
Percentile - 99.13
JEE Main

Dhairya Pandey
Percentile - 98.58
JEE Main

Nisha Lakshmi
Percentile - 98.14
JEE Main

Dhairya Singh
Qualified RMO

Total 13 Students above 98 Percentile | Total 63 Students above 95 Percentile | Total 131 Students above 90 Percentile

Our Star Performer In 2022

Samridhi Sahay
Percentile - 99.90
AIR-995
JEE Main
AIR - 1901
JEE Advanced

Class Commencement Dates For New Session

- Class 11th New Batch | 20 April (Saturday) 2024
- Class 12th | 09 April (Tuesday) 2024
- Class 8th, 9th, & 10th | 09 April (Tuesday) 2024

Class 12th Pass

- 12th Pass JEE 20 April (Saturday) 2024
- 12th Pass NEET 21 May (Tuesday) 2024

ADMISSION ANNOUNCEMENT

For New Session 2024-2025

Admission Open for
Jee Main, Jee Advanced, NEET
Foundation, Olympiad, NTSE
VIII, IX, X, XI, XII, & XII Pass

To Register For Scholarship
- Scan QR code and Download APP My Scholarship.ThePathShala
- Register at website scholarship.thepathshala.net

Admission cum Scholarship Test (Every Sunday)

For Student in Class VII, VIII, IX, X, XI
Get Upto 100% Scholarship and Cash Reward Upto ₹ 2 Lakhs

5th Floor, Akash Complex, Doranda, 9771655056 | 408, 4th Floor, Hari Om Tower, Lalpur, 9771654536

ब्रीफ खबरें

मुख्य सचिव का बनाया फेक व्हाट्सएप अकाउंट

रांची। झारखंड पुलिस साइबर अपराध को रोकने का लगातार प्रयासरत है, लेकिन इस पर लगाम नहीं लग पा रही है. साइबर गिरोह के लोग ठगी करने के लिए एक से बढ़कर एक तरीके निकाल रहे हैं. हद तो उस वक्त हो गयी जब साइबर अपराधियों ने झारखंड के मुख्य सचिव एल. खियांग्ते का फेक व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर ठगी करने का प्रयास किया. साइबर अपराधियों ने 8604244052 नंबर से मुख्य सचिव एल. खियांग्ते के नाम से फेक व्हाट्सएप अकाउंट बना कर आम लोगों से ठगी का प्रयास किया. फेसबुक और व्हाट्सऐप अकाउंट से फोटो चोरी कर साइबर अपराधी फेक प्रोफाइल बनाते हैं. इस फर्जी प्रोफाइल के जरिए वो यूजर्स के जानने वालों से पैसों की मांग करते हैं. कई बार अपराधी फेसबुक को हैक कर भी यूजर के प्रोफाइल को इस्तेमाल कर लेते हैं और यूजर को इसकी भनक भी नहीं लगती है. सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी विदेशी या किसी अनजान नंबर से व्हाट्सऐप पर फेक प्रोफाइल तैयार कर जानने वालों से राशि की मांग करते हैं.

40 एमएमटी कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा

रांची। भारत की नवरत्न कंपनियों में शुमार एकीकृत बिजली कंपनी नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए कैप्टिव खदानों से 40 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है. नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन को यह लक्ष्य पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कैप्टिव कोयला उत्पादन में 17 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल करने में मदद करेगा. ऐसे में एनटीपीसी वित्त वर्ष 2024-2025 में कैप्टिव खदानों के माध्यम से कोयले की 15 प्रतिशत से अधिक आवश्यकता पूरी हो जाएगी, जिससे बिजली उत्पादन के लिए ईंधन की सुरक्षा मजबूत होगी. कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 31 मार्च तक 34.15 एमएमटी कोयला प्रेषण का लक्ष्य हासिल कर लिया है और कोयला उत्पादन 34.38 एमएमटी रहा. यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रतिबद्धता दर्शाता है.

ललटू महतो, आस्तिक महतो, सुनील महतो, स्नेहा महतो हैं रेस में, पार्टी नेतृत्व को लेना है फैसला

जमशेदपुर सीट : कुरमी की काट कुरमी से करने की तैयारी में है झामुमो

कौशल आनंद।रांची

जमशेदपुर लोकसभा सीट एक बार फिर से हॉट सीट बनती जा रही है. इंडिया गठबंधन के तहत यह सीट झामुमो के खाते में आयी है. जमशेदपुर से दो बार के सांसद विद्युत वरण महतो की काट निकालने में झामुमो जुटा है. मिली जानकारी के अनुसार पार्टी कुरमी की काट कुरमी से ही करने की तैयारी में है. कुरमी जाति पिछले एक वर्ष से भाजपा से नाराज चल रही है. कुरमी का गुस्सा भाजपा के साथ-साथ केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा से भी है, जिन्होंने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में खुद कुरमी को एसटी बनाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था. मगर अब वह कह रहे हैं कि ऐसा कोई प्रस्ताव केंद्र के पास लंबित नहीं है. इस बात से कुरमी समाज मुंडा के प्रति जबरदस्त रोष है. इस बात को समझते हुए झामुमो इसका चुनावी लाभ उठाना चाहता है. वैसे तो जमशेदपुर से झामुमो के लिए एक नहीं चार-चार नेता रेस में हैं. मगर पार्टी किस अपना दांव खेलती है, यह देखना दिलचस्प होगा.

ये हैं रेस में

लालटू महतो : लालटू महतो मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के करीबी में माने जाते हैं. इस सिलसिले में विगत कई दिनों से रांची-धनबाद एक किए हुए हैं. न केवल मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं बल्कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं. लालटू महतो के पिता स्व. अजीत महतो झामुमो के संस्थापक सदस्य थे. इनका राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यो में काफी योगदान रहा है.लालटू महतो कुडमी समाज के मांगो को लेकर हमेशा मुखर रहे हैं.

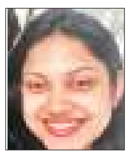

स्नेहा महतो : स्नेहा महतो झारखंड आंदोलकारी और झामुमो के संस्थापक स्व. निर्मल महतो की भतीजी, पूर्व डिप्टी सीएम और झामुमो के दिग्गज नेता रहे स्व. सुधीर महतो एवं ईचागढ़ की विधायक सविता महतो की पुत्री हैं. युवा चेहरा होने के साथ-साथ उनकी राजनीतिक परिवार की पृष्ठभूमि रही है. पढ़ी लिखी होने के कारण ये भी प्रमुख दावेदार के रूप में सामने आ रही हैं.

सुनील महतो : पूर्वी सिंहभूम के जिला सचिव रहे सुनील महतो भी झामुमो के टिकट के दावेदारी कर रहे हैं. ये पार्टी में कोल्हान से एक वरिष्ठ नेता के रूप में शुमार रहे हैं. सुनील महतो कोल्हान के कई विधायकों से संपर्क बनाए हुए हैं और अपनी लांबिंग करवा रहे हैं. अब पार्टी इन पर कितना भरोसा कर पाती है. यह भी देखना दिलचस्प होगा.

आस्तिक महतो : आस्तिक महतो झामुमो के वरिष्ठ नेता हैं. बीच में वे झामुमो छोड़ कर आजसू में चले गए थे और आजसू के टिकट पर जमशेदपुर से चुनाव लड़ चुके हैं. 2011 के उपचुनाव में जब झाविमो के टिकट पर डॉ अजय कुमार सांसद बने, उस समय वे 99 हजार मत लाए थे. ये भी अपनी मजबूत दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर का निर्देश

मैनिफेस्टो का सभी भाषाओं में अनुवाद कर लोगों तक पहुंचाएं

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मीडिया, वार रूम और सोशल मीडिया के पदाधिकारियों के साथ रविवार को बैठक की. प्रभारी ने मीडिया विभाग के कार्यों की जानकारी हासिल की और आवश्यक दिशानिर्देश भी दिये. कहा कि पांच न्याय 25 गारंटी और कांग्रेस के मैनिफेस्टो को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाएं. झारखंड में बोली और लिखी जानेवाली सभी भाषाओं में मैनिफेस्टो का अनुवाद करें. चुनाव के दौरान विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में व्यापक प्रचार- प्रसार के लिए प्रदेश स्तर के प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रभारी के रूप में जिला व लोकसभा स्तर पर की जाए, ताकि जिला और लोकसभा स्तर के प्रवक्ताओं से समन्वय स्थापित किया जा सके.

बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिन्हा, अमूल्य नीरज खलखो, मानस सिन्हा, सोनाल शांति, निरंजन पासवान, आभा सिन्हा, डॉ संजय सिंह, कमल ठाकुर, शांतनु मिश्रा, रियाज अहमद, खुर्शीद हसन रूमी, जेबा खान, शकील अहमद अंसारी, ऋषिकेश, सोशल मीडिया चेयरमैन गजेंद्र सिंह, अग्रणी संगठन चेयरमैन गुंजन सिंह, नेली नाथन, अमीर हासमी, भानु प्रताप बड़ाईक, केदार पासवान, सुनीत शर्मा, ओंकार नाथ पांडे, हृदयानंद यादव, वार रूम प्रभारी पूर्णिमा सिंह, अजय सिंह, गुलजार अहमद के अलावा अन्य उपस्थित थे.

मीडिया विभाग के सदस्यों की भूमिका है काफी महत्वपूर्ण

झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी

अपनी बातें जनता तक पहुंचाने के लिए मीडिया सशक्त माध्यम

प्रभारी मीर ने कहा कि लोकसभा चुनाव काफी महत्वपूर्ण है. मीडिया विभाग के सदस्यों की भूमिका चुनाव के दौरान तो महत्वपूर्ण है ही, लेकिन चुनाव के पहले की तैयारी मीडिया विभाग से जुड़े नेताओं पर ही होती है. आज के दौर में अपनी बातों को जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम मीडिया ही है. जनता से सीधा संवाद इसी माध्यम से होता है. यही कारण है कि मोदी सरकार के खास नुमाइंदों ने पिछले एक दशक के दौरान येन केन- प्रकारेण विभिन्न माध्यमों से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर कब्जा करने की कोशिश की, इसमें वह काफी हद तक सफल भी रहे. लेकिन आम जनता की आवाज को कांग्रेस उठाती रही और यही कारण है कि मोदी सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद मीडिया हमारी बातें जनता के समक्ष रख रही है.

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सहयोग बेहतरीन ढंग से लें: राजेश ठाकुर

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि चुनावी जंग का मैदान तैयार है. जंग जीतने के लिए हर हथियार का इस्तेमाल किया जाता है, परंतु लोकतंत्र में जनता की आवाज को हुकूमत तक पहुंचाने का बेहतरीन और सशक्त हथियार मीडिया ही है. हम अपनी बातें और कांग्रेस के मैनिफेस्टो पांच न्याय 25 गारंटी को जितने बेहतर तरीके से मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचा सकते हैं, उससे बेहतर माध्यम और कोई नहीं हो सकता. यह जरूरी है कि संविधान बचाने की इस लड़ाई में हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सहयोग बेहतरीन ढंग से लें. मोदी सरकार की कारगुजारियों से न सिर्फ जनता बल्कि लोकतंत्र का हर स्तंभ परेशान व नाराज है और शायद यही वजह है कि भाजपा लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर सशंकित है.

भाजपा ने बैठक कर बनाई चुनाव की रणनीति

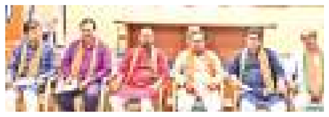

रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मीडिया प्रबंधन और संपर्क विभाग की बैठक हुई. प्रदेश मीडिया प्रबंधन एवं मीडिया संपर्क विभाग द्वारा लोकसभावार बनाये गये संयोजक, सह-संयोजक और प्रदेश मीडिया प्रबंधन के कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए. इसमें चुनाव कार्य में लगाये गये कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा हुई और लोकसभा चुनाव में 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने में मीडिया प्रबंधन की भूमिका पर जोर दिया गया. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि चुनाव कार्य में लगाये गये कार्यकर्ताओं की सजगता एवं तत्परता से ही हम पार्टी के 400 पार सीटों के लक्ष्य को हासिल करने में अपना योगदान दे सकते हैं. उन्होंने सभी से अपनी-अपनी जिम्मेवारी के प्रति तत्पर रहने की अपील की.बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और प्रदीप सिन्हा ने भी कार्यकर्ताओं को मीडिया प्रबंधन के कई तकनीकी बिंदुओं के टिप्स दिये.

विधि व्यवस्था के लिए गृह विभाग ने राशि आवंटित की

संवाददाता।रांची

झारखंड के सभी जिलों में विधि-व्यवस्था के लिए गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 2.15 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की है. इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि राशि की निकासी संबंधित जिला कोषागार से की जाएगी.

जानें किस जिले के लिए कितनी राशि आवंटित

देवघर	15 लाख	पलामू	04 लाख
दुमका	15 लाख	गढ़वा	04 लाख
पाकुड	04 लाख	लातेहार	04 लाख
गोड्डा	20 लाख	चतरा	04 लाख
साहिबगंज	04 लाख	जमशेदपुर	05 लाख
जामताड़ा	04 लाख	चाईबासा	15 लाख
रांची	20 लाख	सिमडेगा	05 लाख
खूंटी	05 लाख	धनबाद	15 लाख
लोहरदगा	04 लाख	सरायकेला	10 लाख
रामगढ़	10 लाख	गुमला	04 लाख
बोकारो	15 लाख	गिरिडीह	04 लाख
हजारीबाग	20 लाख	कुल	2.15 करोड़
कोडरमा	05 लाख		

किताबें नहीं मिलने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

एनसीईआरटी की किताबें नहीं मिलने से बढ़ी बच्चों की परेशानी

पियूष गौतम।रांची

राजधानी सहित राज्य के अन्य जिलों के स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 की शुरुआत होते ही पठन-पाठन का काम भी सुचारू रूप से शुरू हो गया है. लेकिन आलम यह है कि बाजार में एनसीईआरटी की किताबें नदारद हैं. बच्चों को नई किताबें नहीं मिल सकी हैं. बिना किताबों के ही पढ़ाई शुरू कर दी गयी है.शहर में एनसीईआरटी किताबों के डिस्ट्रीब्यूटर ग्रंथ भारती, पुस्तक मंदिर और 'जयश्री बुक हाउस' के संचालक ने बताया कि रांची में एनसीईआरटी किताबों की आपूर्ति कोलकाता से होती है. अब तक की स्थिति यह है कि नई किताबों के स्टॉक उपलब्ध ही नहीं हैं, जबकि पुराने वर्ष की किताबों का स्टॉक केवल 30 से 40 प्रतिशत ही है. लेकिन पुरानी किताबों को छात्र प्रथमिकता नहीं दे रहे हैं. वे पुरानी किताबें नहीं खरीदना चाहते हैं.

किताबें नहीं मिलने से बढ़ती है कालाबाजारी : जयश्री बुक हाउस के ऑनर संजय मिश्रा ने बताया कि हमें हमारी डिमांड के मुताबिक किताबों की आपूर्ति नहीं होती है और यह कोई नई बात नहीं है. पिछले कुछ वर्षों से अब तक यही होता आ रहा है. इसलिए अक्सर किताबों की कमी बनी रहती है. इससे एनसीईआरटी की पाइरेटेड किताबों की कालाबाजारी भी बढ़ती है. कई बार न चाहते हुए भी पाइरेटेड किताबें खरीदना छात्रों के लिए मजबूरी होती है. फिलहाल स्टॉक में कक्षा एक और दो की पर्याप्त किताबें हैं. जबकि तीसरी से 12वीं कक्षा तक की किताबें स्टॉक में नहीं हैं. उम्मीद है जल्द ही मांग के अनुरूप किताबों की आपूर्ति होगी.

राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी और ई-पाठशाला ऐप पर किताबें उपलब्ध : किताबों की अनुपलब्धता के कारण छात्रों का पढ़ाई प्रभावित होना लाजिमी है. ऐसे में ऑनलाइन उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर छात्र अपनी कक्षा के पाठ्यपुस्तकों को पढ़ सकते हैं. सभी एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें एनसीईआरटी वेबसाइट के साथ-साथ बहुत सारी डिजिटल एप पर उपलब्ध है.

नए सत्र में सिर्फ कक्षा 3 और 6 के लिए ही पुस्तकें जारी होंगी

बता दें कि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 (एनसीएफ-23) के अनुरूप एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकें विकसित करने की प्रक्रिया में है. इस शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एनसीईआरटी केवल कक्षा 3 और 6 के लिए ही नई पाठ्य पुस्तकेंही प्रकाशित करेगा. कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तकें अप्रैल 2024 के अंतिम सप्ताह तक और कक्षा 6 की पाठ्य पुस्तकें मई 2024 के मध्य तक मुद्रित संस्करण में उपलब्ध होंगी.

31 मई तक किताबों की 1.03 करोड़ प्रतियां उपलब्ध होने की उम्मीद

एनसीईआरटी ने बताया कि कक्षा 1, 2, 7, 8, 10 और 12 के लिए पाठ्यपुस्तकों के 2023-2024 संस्करणों की 1.21 करोड़ प्रतियां पूरे देश में जारी की गई हैं. इसके अलावा कक्षा 4, 5, 9 और 11 के लिए 27.58 लाख पुस्तकों का बफर स्टॉक भी जारी किया गया है, जबकि नए प्रिंट ऑर्डर के अनुसार इन कक्षाओं के लिए 1.03 करोड़ प्रतियां 31 मई 2024 तक उपलब्ध होने की उम्मीद है.

शीर्ष नक्सली अनिल यादव से एनआईए कर रही पूछताछ

संवाददाता।रांची

भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा के सहयोगी नक्सली अनिल यादव से एनआईए पूछताछ कर रही है. अनिल यादव मूल रूप से बिहार के गया जिले के लुटुआ गांव का रहने वाला है. बता दें कि बिहार पुलिस ने रितेश विद्यार्थी के भाई रोहित विद्यार्थी को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी. इस दौरान रोहित विद्यार्थी ने पुलिस को बताया था कि प्रमोद मिश्रा गया जिले का लुटुआ गांव आने वाला है. सूचना के आधार पर बिहार पुलिस ने 9 अगस्त 2023 को पोलित ब्यूरो सदस्य और एनआरबी (उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो) के प्रभारी प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को गिरफ्तार कर लिया था. प्रमोद मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद बिहार पुलिस ने हथियार, गोला-बारूद और एक बंदूक फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया था. जिसे बिहार और यूपी में हथियारों की सप्लाई करने और देसी हथियारों को इकट्ठा करने के लिए स्थापित किया गया था.

खास बातें

- भाकपा माओवादी प्रमोद मिश्रा के सहयोगी हैं अनिल
- बिहार के गया जिले के लुटुआ गांव का रहनेवाला है

भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने में जुटे थे प्रमोद : एनआईए जांच से संकेत मिले हैं कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंगों को भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से कैडरों को प्रेरित करने, भर्ती करने और माओवादी की विचारधारा का प्रचार करने का काम सौंपा गया था. वे इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आतंक और हिंसा की साजिश रच रहे थे. जांच से यह भी पता चला है कि प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में माओवादी के कैडरों व समर्थकों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स का नेतृत्व कर रहे थे.

बड़ा सवाल : कल्पना को सहानुभूति मिलेगी या सीता को

परिस्थितियां खींच लायी दोनों गोतनी को राजनीति में

रवि भारती।रांची

झारखंड इन दिनों में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की दोनों बहुएं काफी चर्चा में हैं. दोनों में समानता यह है कि परिस्थिति ने उन्हें राजनीति में कदम रखने को विवश कर दिया. कल्पना सोरेन को ठीक उसी तरह राजनीति में आना पड़ा, जैसे सीता सोरेन ने राजनीति में कदम रखा. फर्क सिर्फ इतना है कि 21 मई 2009 को दुर्गा सोरेन के असामयिक निधन की वजह से सीता सोरेन को राजनीति में कदम रखना पड़ा. उन्हें पिछले तीन चुनावों से जामा की जनता का आशीर्वाद मिलता आ रहा है. वहीं कल्पना सोरेन को 31 जनवरी को पति हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद राजनीति के मैदान में उतरना पड़ा.

विधायक से ऊपर नहीं उठ सकीं सीता : दुर्गा सोरेन के निधन के महज कुछ दिन बाद हेमंत सोरेन 24 जून 2009 को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे, लेकिन सही मायने में राजनीति की शुरुआत 2009 के विस चुनाव से हुई. 2005 में दुमका सीट हारने के बाद 2009 में हेमंत ने वापसी की और इसके बाद कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा. अर्जुन मुंडा सरकार में उप सीएम बने. बाद में कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना कर सीएम बन गये. 2014 में रघुवर दास की सरकार बनी, तो नेता प्रतिपक्ष रहे और 2019 में फिर सत्ता पर काबिज हो गये. लेकिन इस दौरान चुनाव जीतने के बावजूद सीता विधायक के पद से ऊपर नहीं उठ सकीं.

दोनों के नारों में भी झलकता है साम्य

सीता सोरेन दुमका से बीजेपी की उम्मीदवार हैं. उनका नारा है झारखंड को झुकाना नहीं बल्कि झारखंड को बचाना है. वहीं कल्पना सोरेन का एक ही नारा है... झारखंड झुकेगा नहीं. दोनों के नारों में भी साम्य झलकता है. देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा सीता सोरेन को क्या टास्क देती है, इस पर पिक्चर क्लीयर नहीं है. कल्पना सोरेन का विजन क्लियर है. गांडेय सीट पर 20 मई को उपचुनाव होना है. कल्पना सोरेन लगातार जनसभाएं कर रहीं हैं. वहीं सीता सोरेन भी कैंपेनिंग कर रही हैं. अब चुनाव परिणाम ही बताएगा कि किसके पाले में गेंद रही.

सीता के पास एकमात्र जमा पूंजी दुर्गा सोरेन का नाम

सीता सोरेन के पास एकमात्र जमापूंजी है दुर्गा सोरेन का नाम. वहीं कल्पना सोरेन के साथ पार्टी खड़ी है. यह भी समझना होगा कि सीता सोरेन को आखिर परिवार क्यों छोड़ना पड़ा. इसकी सबसे बड़ी वजह हो सकती है राहुल की न्याय समापन यात्रा में कल्पना सोरेन का शामिल होना. सीएम चंपाई सोरेन न सिर्फ कल्पना सोरेन को साथ लेकर गये बल्कि मंच पर उन्हें बोलने का भी मौका दिया गया. इसी से साफ हो गया था कि झामुमो का नेतृत्व किसके हाथ में हैं. यह जानते हुए भी कि कल्पना का पार्टी में कोई ओहदा नहीं है, जबकि सीता केंद्रीय महासचिव थीं.

बड़ी सफलता हटिया डिवीजन की फ्लाइंग टीम ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

हटिया स्टेशन से सात नाबालिग रेस्क्यू, तीन गिरफ्तार

संवाददाता।रांची

हटिया स्टेशन से पुलिस ने रविवार को सात नाबालिगों को बरामद किया है. साथ ही तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है. आरपीएफ पोस्ट हटिया की एएचटीयू, नन्हे फरिश्ते और रांची डिवीजन की फ्लाइंग टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है. जानकारी के अनुसार, हटिया स्टेशन पर बाल और मानव तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. सुबह करीब पांच बजे चेकिंग के क्रम में सात नाबालिग और तीन व्यक्ति प्लेटफार्म नंबर एक पर एस्केलेटर के नीचे ट्रेन का इंतजार कर रहे थे. संदेह होने पर सभी से पूछताछ की गयी. पूछताछ में पता चला कि सात नाबालिगों के साथ तीनों लोग विजयवाड़ा जाने वाली ट्रेन (ट्रेन नंबर 18637 एक्सप्रेस) पकड़ने के लिए बस से हटिया रेलवे स्टेशन आये थे.

विजयवाड़ा ले जाने की थी तैयारी

पुलिस की पूछताछ में पकड़े गये तीन में से एक व्यक्ति सुनेश कच्छप ने बताया कि उसके गांव में ठेकेदार रियाज अंसारी का ट्रैक्टर का काम चल रहा था. वहां वह (सुनेश कच्छप) भी काम कर रहा था. बताया कि रियाज अंसारी को छह माह पहले विजयवाड़ा स्थित इलेक्ट्रिक बोर्ड बनाने वाली वायरस कंपनी में ले जाया गया. दो माह पहले वह गांव आया था. छह अप्रैल 2024 को ठेकेदार रियाज अंसारी ने उसको डाल्टेनगंज बस स्टैंड में बुलाया और इन सातों नाबालिग से परिचय कराया. सुनेश कच्छप ने बताया कि रियाज अंसारी ने उसको पांच हजार और सभी का फर्जी आधार कार्ड दिया.बताया कि रियाज ने उसको कहा कि वहां पहुंचाने के बाद वह उसे और पांच हजार रुपये देगा. बताया कि उसके कहने पर ही सभी नाबालिग को वह डाल्टेनगंज से बस से हटिया स्टेशन लेकर आया. स्टेशन से जेनरल टिकट लेकर विजयवाड़ा जाने वाली ट्रेन का प्लेटफार्म नंबर एक पर इंतजार कर रहे थे.

चित्रपट झारखंड के आठ विभागों के समन्वयक की घोषणा की गई

संवाददाता।रांची

चित्रपट झारखंड की वार्षिक योजना को लेकर रविवार को विश्व संवाद केंद्र कांके रोड सभागार में बैठक कर वित्तीय वर्ष की योजनाओं की रूपरेखा पर चर्चा की गयी. नए सचिव के रूप में पुलिन मित्र को मनोनीत किया गया.अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह की अध्यक्षता में 2023-2024 की कार्ययोजना एवं बजट की घोषणा की गई. साथ ही साथ झारखंड को आठ विभागों में बांटा गया. संथालपरगना का समन्वयक डॉ दीपक प्रसाद, धनबाद का योगेंद्र तुलस्यान , पलामू का नवीन कुमार सहाय को बनाया गया. राकेश रमण को हजारीबाग व गुमला, सुमित मित्तल को रांची का विभाग समन्वयक बनाया गया. इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत संघ चालक अशोक कुमार श्रीवास्तव को चित्रपट झारखंड द्वारा प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया.

मुंबई इंडियंस का खाता खुला

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 12

चुनावी समर 2024

सोमवार 08 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 14 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 349

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नवादा की रैली में मोदी ने भरी हुंकार

रामनवमी आ रही, पाप करने वालों को भूलना मत

नवादा। पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार के नवादा में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि यहां गठबंधन एक उम्मीदवार खड़ा करता है, तो दूसरा दल कहता है कि असली उम्मीदवार कोई और है. ये मजबूरी में एक साथ आए हैं, इंडिया गठबंधन मतलब देश विरोधी नफरती ताकतों का ठिकाना. इसके साथ ही मोदी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए कामों को गिनाया. पीएम मोदी ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि वे कहते हैं कि मोदी का गारंटी देना ठीक नहीं है और इसपर बैन लगना चाहिए. उन्होंने कहा कि मोदी का गारंटी देना गैरकानूनी है. पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता के कथित बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी गारंटी देता है क्योंकि मोदी की नीयत साफ है. मोदी इसलिए गारंटी देता है क्योंकि वो गारंटी पूरी करने के लिए मेहनत करता है. पिछले दिनों आयोध्या में बने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, जिसमें विपक्ष के कई दलों ने हिस्सा नहीं लिया. ऐसे नेताओं पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि मोदी ने गारंटी दी थी कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनेगा, मंदिर का शिखर आसमान छू रहा है. दुनिया देख रही है.

नीतीश कुमार की फिसली जुबान

चार हजार से ज्यादा एमपी रहेंगे पीएम मोदी के पक्ष में इस बार

नवादा। पीएम नरेंद्र मोदी की रविवार को नवादा की सभा में बिहार के सीएम नीतीश कुमार की जुबान फिसल गयी. इस को लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर जम कर ट्रोल किया जा रहा. उन्होंने सबसे पहले बिहार सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ को याद कराया. इसी बीच नीतीश की जुबान भी फिसली. उन्होंने कहा- आदरणीय प्रधानमंत्री जी का दसवां साल चल रहा है. फिर तो आगे रहबे करेंगे. पांच साल में कोई दिक्कत नहीं. हमको पूरी उम्मीद है कि चार... चार हजार से ज्यादा एमपी रहेंगे इनके पक्ष में. हम यही अनुरोध करने आएं हैं. पूरा दीजिए. देश में 543 संसदीय क्षेत्र हैं और इतने ही सांसद चुने जाते हैं. बिहार में 40 सीटें हैं. पीएम मोदी ने इस बार 400 पार का लक्ष्य रखा है, लेकिन मुख्यमंत्री 400 की जगह चार हजार बोल गए. सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले बिजली और शौचालय की क्या स्थिति थी? इसके बाद हमलोग आए तो सब ठीक करवाए. लोगों को नौकरी नहीं मिलती थी. हमलोग आए तो कितना नौकरी दिए. 20 लाख रोजगार का वादा निभाने का काम कर रहे हैं. अभी तक पांच लाख लोगों को रोजगार मिल गया . 10 लाख नौकरी का भी वादा हमलोग निभाने जा रहे.

तेजस्वी यादव का मोदी पर पलटवार

भाजपा के लोग खुद को ही भगवान राम न समझ लें

पटना। बिहार के नवादा में पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में इंडिया एलायंस और राजद पर सनातन धर्म के अपमान का आरोप लगाते हुए जम कर हमला बोला और उन्हें सनातन विरोधी बताया. इस पर पूर्व डिप्टी सीएम और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया दी है. तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम के पास और कुछ नहीं है, उनके पास क्या सबूत है इस बात का, हम और आप हिंदू नहीं हैं क्या? तेजस्वी यादव ने कहा, मेरे घर में मंदिर है, हमलोग पूजा नहीं करते हैं क्या ? ये दिखाने वाली बात है क्या, हम क्या विरोधी हैं. जितने भाजपा के नेता हैं वो अपने आपको भगवान राम समझ रहे हैं क्या? उनका विरोध कर रहे हैं तो ये भगवान राम का विरोध कैसे हुआ. भाजपा के लोग अपनी तुलना भगवान राम से न करें. भगवान राम सब देख रहे हैं और सबको वहीं जाना है. भगवान राम जब न्याय करेंगे तो इन लोगों को पता चल जाएगा. अपने आपकी भगवान राम से तुलना न करें. बता दें कि नवादा से भाजपा विवेक ठाकुर उम्मीदवार हैं और उन्हीं के प्रचार के लिए पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को नवादा रैली करने पहुंचे हुए थे.

राहुल गांधी ने किया एक और वादा

हम लोग सत्ता में आये तो संपत्ति बंटवारे का भी सर्वेक्षण करवाएंगे

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पार्टी के ''जितनी आबादी उतना हक'' नारे का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो यह पता लगाने के लिए एक वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएगी कि देश की अधिकतर संपत्ति पर किसका नियंत्रण है. कांग्रेस का घोषणापत्र जारी करने के बाद हैदराबाद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के अलावा वेल्थ सर्वे (संपत्ति के बंटवारे का सर्वेक्षण) कराया जाएगा, यह हमारा वादा है. उन्होंने कहा, हम पहले यह निर्धारित करने के लिए एक जाति जनगणना करेंगे कि कितने लोग अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), एससी, एसटी और अल्पसंख्यक समुदाय से हैं. उसके बाद, धन के समान वितरण को पक्का करने के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत हम एक वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएंगे. यह रेखांकित करते हुए कि पार्टी सभी क्षेत्रों में सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व तय करेगी, राहुल ने कहा कि कांग्रेस यह पक्का करेगी कि लोगों को उनका उचित शेयर दिलाया जा सके.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,400
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

फिल्म 'इंडियन 2' जून में होगी रिलीज

नयी दिल्ली। अभिनेता कमल हासन की फिल्म ''इंडियन 2'' जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. तमिल फिल्म इंडियन 2 का निर्देशन शंकर ने किया है. यह 1996 में आई जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म इंडियन का दूसरा भाग है. इंडियन 2 का निर्माण करने वाली कंपनी लाइका प्रोडक्शंस ने एक्स पर फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी साझा की.

आप नेताओं ने किया सामूहिक अनशन

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी के प्रमुख नेता रविवार को यहां जंतर-मंतर पर एक दिवसीय अनशन पर बैठे. इस मौके पर सभी ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाये.

टीएमसी नेताओं को मिल रही धमकी: ममता

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं से या तो भाजपा में शामिल होने या कार्रवाई का सामना करने के लिए कह रही हैं. यह घोर आपत्तिजनक है. चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए.

तो राहुल को ब्रेक ले लेना चाहिए: प्रशांत

नयी दिल्ली। जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि यदि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं, तो राहुल गांधी को अपने कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए. उन्होंने कहा कि राहुल के साथ उनकी सहानुभूति है, लेकिन जनता के मन में क्या है, यह तो चुनाव के बाद मालूम होगा.

24 हजार विस्थापित शिविरों से डालेंगे वोट

इंफाल। मणिपुर में 11 महीनों से जारी संघर्ष, 50000 से अधिक लोगों के विस्थापित होने तथा कुछ लोगों में चुनाव विरोधी भावना होने के बीच निर्वाचन आयोग राज्य में लोकसभा चुनाव कराने के चुनौतीपूर्ण काम के लिए जुट गया है. राज्य में चुनाव सरगर्मियां फीकी नजर आ रही हैं.

बंगाल में गुंडों का कई इलाकों पर नियंत्रण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं है और राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका कारण अतीत की विरासत हो सकता है.

250 से 300 मेगावाट बिजली की कमी राज्य में

10 से 12 घंटे ही मिल रही बिजली ग्रामीण क्षेत्रों में

19 से 21 घंटे ही मिल रही बिजली शहरी क्षेत्रों में

2500 से 3000 मेगावाट होने की संभावना गर्मी में बिजली की डिमांड, होगी बड़ी परेशानी

बेचैन करेगी बिजली

रवि भारती। रांची

इस साल भी गर्मी में बिजली रुलाएगी. अभी गर्मी शुरू होते ही 250 से 300 मेगावाट बिजली की कमी होने लगी है. ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल रही है. जबकि शहरी क्षेत्रों में 19 से 21 घंटे ही बिजली मिल रही है. गर्मी में बिजली की डिमांड बढ़ कर 2500 से 3000 मेगावाट होने की संभावना जताई गई है. वित्तीय वर्ष 2014-15 में पीक ऑवर में (शाम छह बजे से रात 10 बजे तक) 86 मेगावाट कमी थी. जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में यही कमी बढ़ कर 535 मेगावाट हो गई है. झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने केंद्र सरकार के पावर एक्सचेंज से 300 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की मांग की है. इसके लिए पत्राचार भी किया गया है. पावर एक्सचेंज से बिजली नहीं मिल पा रही है. बिजली न मिलने की वजह से सुबह व शाम के समय रांची, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, चाईबासा आदि जगहों पर प्रतिदिन बिजली की कटौती की जा रही है.

पतरातू पावर प्लांट से अब तक उत्पादन शुरू नहीं हुआ : बता दें कि पतरातू पावर प्लांट से अब तक उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है. 2019 में ही पतरातू प्लांट से उत्पादन शुरू होना था, लेकिन 2024 अप्रैल में भी उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है. जानकारी के अनुसार अब जुलाई से उत्पादन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है.

पतरातू पावर प्लांट 4000 मेगावाट का है. इस पावर प्लांट से 85 फीसदी बिजली मिलेगी. वहीं नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट के दो यूनिट से बिजली मिलनी शुरू हो गयी है. वहीं गोड्डा स्थित अडाणी पावर से 1600 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है. इससे उत्पादित सारी बिजली बांग्लादेश भेज दी जाती है. हालांकि शर्तों के अनुसार, अडाणी झारखंड को 400 मेगावाट बिजली देने पर सहमत हैं. इसके लिए भी पीपीए की प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है.

शहरों के साथ गांवों में बिजली की कटौती जारी आगे और बड़ी चुनौती है

नहीं शुरू हो पाया पतरातू थर्मल पावर प्लांट

झारखंड के पावर प्लांट से कितनी मिलती है बिजली

पावर प्लांट	कितनी मिलती है बिजली
टीवीएनएल	380 मेगावाट
इनलैंड पावर	63 मेगावाट
सिकिदिरी हाइडल	130 मेगावाट
आधुनिक पावर	180 मेगावाट
केटीपीएस(डीवीसी)	600 (डीवीसी कमांड एरिया)
एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा	170 मेगावाट
पंचेत हाइडल(डीवीसी)	00

यहां से मिलती है इतनी बिजली

पावर प्लांट	प्लांट क्षमता	कितनी बिजली
सीटीपीएस (डीवीसी)	500	00 मेगावाट
बीटीपीएस(डीवीसी)	500	00 मेगावाट
एमपीएल धनबाद	1050	150 मेगावाट
अडाणी पावर गोड्डा	1600	00 मेगावाट
सोलर	80	80 मेगावाट

झारखंड के पावर प्लांट की क्षमता 6200 मेगावाट, पर बिजली 1300 मेगावाट

झारखंड में में स्थापित पावर प्लांटों की क्षमता 6200 मेगावाट है. जबकि इन प्लांटों से 1300 मेगावाट बिजली ही मिल पाती है. बरसात के मौसम में ही 1600 मेगावाट बिजली मिल पाती है. इसका कारण है कि पूरी क्षमता से पावर प्लांटों से उत्पादन नहीं होता है. गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ कर 2500 से तीन हजार मेगावाट तक हो जाती है. इस मांग की पूर्ति के लिए बिजली खरीदनी पड़ती है.

> *बिजली कटौती करने के एवज में झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वर्तमान टैरिफ में दो फीसदी का पेनॉल्टी लगायी है. शहरी क्षेत्र में 23 घंटा और ग्रामीण क्षेत्र में 22 घंटा बिजली देना अनिवार्य है. जितना घंटा कम बिजली मिलेगी, उतना उपभोक्ता के फिक्स चार्ज कम लिए जाने का प्रावधान है. वितरण निगम को हर हाल में नियमों का पालन करना अनिवार्य है.*
>
> *–**अतुल कुमार**, सदस्य तकनीक, झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग*

टाटा पावर कमांड एरिया के लिए जोजेबेड़ा 469 टाटा स्टील से जमशेदपुर को मिलती है बिजली

कितनी खरीदी जाएगी बिजली

एनटीपीसी	
प्लांट का नाम	मेगावाट
फरक्का वन और टू	119.35
फरक्का थ्री	59.71
कहलगांव वन	18.34
तालचर	66.68
कहलगांव टू	10.21
बाढ़ वन	84.72
बाढ़ टू	18.97
कोरबा	50.00
दारीपल्ली वन	151.43
नॉर्थ कर्णपुरा	177.46
नॉर्थ कर्णपुरा न्यू	150.00
कांटी	16.10
नबीनगर	33.96
एनएचपीसी	
रंगीत	7.42
तीस्ता	48.34
पीटीसी	
चुक्का	27.99
ताला	116.89
कुरिचू	0.55
मांगडे	9.44
डीवीसी	
केटीपीएस	600
टीटीपीएस	420
आधुनिक	189
सोलर	
सेकी वन	450
सेकी टू	10
स्टेट आइपीपी	16
विंड एनर्जी	
पीटीसी	200
सेकी	100
इंलैंड पावर	63
सिकिदिरी	130

कल्पना सोरेन ने 21 की रैली को ले गठबंधन के नेताओं के साथ की बैठक, सबको खुद न्योता देने की ली जिम्मेदारी

उलगुलान रैली में आएंगे इंडिया के शीर्ष नेता, जुटेंगे लाखों लोग

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मुर्मू 21 अप्रैल को प्रभात तारा मैदान में आयोजित न्याय उलगुलान महारैली की सफलता के लिए रेस हो गयी है. रविवार को कल्पना सोरेन ने अपने निवास स्थान पर गठबंधन नेताओं के साथ बैठक की. जिसमें महारैली की सफलता के लिए रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पीसीसी अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, महासचिव कैलाश यादव, माले विधायक विनोद सिंह, झामुमो महासचिव विनोद पांडेय और केंद्रीय सचिव सुनील श्रीवास्तव आदि शामिल हुए. बैठक में तय हुआ कि उलगुलान रैली में इंडिया गठबंधन के सभी शीर्ष नेता बुलाए जाएंगे. उन्हें न्यौता देने की जिम्मेदारी खुद कल्पना सोरेन ने ली है. वह जल्द ही न्यौता देने का काम शुरू कर देंगी.

पांच लाख भीड़ जुटाने और चुनाव को लेकर बनी रणनीति : बैठक में झामुमो द्वारा आयोजित महारैली में पूरे राज्य से 5 लाख भीड़ जुटाने की रणनीति बनी. इसमें कल्पना सोरेन ने सभी गठबंधन के सहयोगियों से सहयोग मांगा. बैठक में न केवल रैली बल्कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन का साझा प्रचार अभियान को लेकर भी चर्चा हुई. यह तय किया गया कि 21 के बाद चरणबद्ध तरीके से होने वाले चुनाव के हिसाब से चुनावी अभियान चलाया जाएगा.

इन केंद्रीय नेताओं को दिया जाएगा निमंत्रण

महारैली में इंडिया गठबंधन के राष्ट्रीय नेता पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका गांधी बढेरा, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, सांसद संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालीन, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, एनीसीपी प्रमुख शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, वाम नेता सीताराम येचुरी, डी राजा सहित गठबंधन के अन्य नेताओं को बुलाया जाएगा. इसकी जिम्मेवारी खुद कल्पना सोरेन लेंगी. ये खुद आला नेताओं को आमंत्रित करेंगी.

- बैठक में कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राजेश ठाकुर, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, माले विधायक विनोद, झामुमो महासचिव विनोद पांडेय हुए शामिल
- कल्पना सोरेन ने सहयोगी दलों से भी भारी भीड़ जुटाने की अपील की, बोलीं–रांची में ऐतिहासिक होगी इंडिया गठबंधन की उलगुलान रैली, लोग करेंगे वर्षों तक याद

पार्टी कार्यालय में हुई जिलाध्यक्षों की बैठक

इधर पार्टी कार्यालय हरमू में विभिन्न जिलाध्यक्षों की बैठक हुई. जिसमें 21 की उलगुलान महारैली की तैयारी को लेकर चर्चा हुई. बैठक में पार्टी नेताओं ने जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि समय काफी कम है. इसलिए सभी को अपने-अपने जिले में तैयारी शुरू कर दें. अधिक से अधिक संख्या में अपने-अपने जिले से कार्यकर्ताओं और लोगों को लाना है. बैठक में पार्टी महासचिव विनोद पांडेय सहित हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो, गढ़वा, पलामू, कोडरमा, गिरिडीह, प. सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए. बतातें चलें कि गत दिवस भी सिमडेगा, लातेहार, खूंटी, चतरा, रांची, धनबाद, गुमला जिला की जिला इकाई से जुड़े पार्टी पदाधिकारियों की बैठक हुई थी.

झारखंड का हाल

राजमहल में 33%, गोड्डा में 21%, कोडरमा में 20% हैं मुस्लिम मतदाता

11 सीटों पर मुस्लिम वोटर्स बहुसंख्यक, फिर भी दरकिनार

सत्य शरण मिश्रा। रांची

चुनावी मौसम में देश के सभी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय की बात कर रहे हैं. सभी जातियों को समाज में उनके संख्या बल के आधार पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर देने की बात जा रहा है। लोकसभा क्षेत्रों में महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दलित, पिछड़ों और सवर्णों के आंकड़ों का गणित समझने के बाद राजनीति दलों ने उम्मीदवार को टिकट दिया है, लेकिन झारखंड में राजनीतिक दलों ने मुस्लिम समुदाय के साथ न्याय नहीं किया. एनडीए ने झारखंड के सभी 14 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है. वहीं इंडिया गठबंधन ने भी 5 सीटों में प्रत्याशी उतार दिये हैं, लेकिन इन 19 प्रत्याशियों में से एक भी उम्मीदवार मुस्लिम समुदाय से नहीं है.

झारखंड के 11 लोकसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता मुस्लिम समुदाय की है. राजमहल में 33 फीसदी और गोड्डा में 18 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं. आबादी के मामले में खूंटी, लोहरदगा और पलामू लोकसभा क्षेत्र में भी दूसरे नंबर पर मुस्लिम वोटर्स आते हैं. भाजपा ने 14 लोकसभा सीट पर तीन महिला प्रत्याशियों को उतारा है. पांच आदिवासी प्रत्याशियों को टिकट दिये गये हैं. अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और सवर्ण प्रत्याशियों को भी टिकट मिले हैं, लेकिन मुस्लिम समुदाय के नेताओं को दरकिनार कर दिया गया. वहीं इंडिया गठबंधन ने भी अबतक जिन 5 उम्मीदवारों की घोषणा की है, उनमें भी तीन आदिवासी और दो पिछड़ी जाति के हैं.

किस लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की कितनी आबादी

लोकसभा	आबादी	प्रतिशत	लोकसभा	आबादी	प्रतिशत
चतरा	198400	13.5%	पलामू	285222	14.7%
धनबाद	337017	15.9%	राजमहल	493860	33.3%
दुमका	249084	17.4%	रांची	303109	15.1%
गिरिडीह	286800	17%	सिंहभूम	85405	6.6%
गोड्डा	371320	21.1%			
हजारीबाग	307131	18%			
जमशेदपुर	203150	11.7%			
खूंटी	88569	7.2%			
कोडरमा	381195	20.4%			
लोहरदगा	182150	14.4%			

- वहीं इंडिया गठबंधन ने भी 5 सीटों में प्रत्याशी उतार दिये हैं

- भाजपा ने 14 लोकसभा सीट पर तीन महिला प्रत्याशियों को उतारा है.

रांची समेत पांच जिलों में खुलेंगे नॉरकोटिक्स थाने

सौरभ सिंह। रांची

रांची समेत राज्य के पांच जिलों में नॉरकोटिक्स थाने खुलेंगे. इसे लेकर सीआईडी ने तैयारी शुरू कर दी है. जिन जिलों में नॉरकोटिक्स थाने खोले जाएंगे उनमें रांची, चतरा, हजारीबाग, खूंटी और जमशेदपुर शामिल हैं. इसी साल झारखंड के सभी पांचों जिलों में नॉरकोटिक्स थाना काम करना शुरू कर देगा. सीआईडी मुख्यालय की तरफ से सभी संबंधित जिलों के आईजी और डीआईजी को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों के एसपी को निर्देश दें कि वे नॉरकोटिक्स थाना खोलने के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर यथाशीघ्र भेजें, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके. सीआईडी के अधिकारियों के अनुसार, झारखंड के इन पांच जिलों में सबसे अधिक ड्रग्स का कारोबार होता है. इस कारण इन जिलों के विभिन्न थानों में सबसे अधिक एनडीपीएस अधिनियम के केस दर्ज होते हैं. झारखंड में अभी नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का जोनल ऑफिस कार्य कर रहा है, जो सीधे एमएचए को रिपोर्ट करता है. अगर पांच नॉरकोटिक्स थाने खुल जाते हैं, तो नशे के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का ग्राफ तो बढ़ेगा ही, साथ ही साथ दोषियों को सजा दिलवाने के ग्राफ में भी इजाफा होगा.

यहां खुलेंगे

- रांची, चतरा, हजारीबाग, खूंटी और जमशेदपुर
- सीआईडी मुख्यालय ने जारी किया निर्देश

महिलाओं पर ये क्या बोल गये भाजपा प्रभारी **लक्ष्मीकांत वाजपेयी...**

झामुमो और भारतीय जनतंत्र महिला मोर्चा ने लिया निशाने पर, कहा-लगता है

पं. दीनदयाल की पार्टी के कार्यालय में इसी तरह से बात होती है

विशेष संवाददाता। रांची/ जमशेदपुर

प्रदेश भाजपा प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी जमशेदपुर में पत्रकारों द्वारा ढुल्लू महतो को धनबाद से प्रत्याशी बनाने पर पूछे गये सवाल पर बिफर गए. आपा खो बैठे, खुद पर नियंत्रण नहीं रख सके. उन्होंने मां-बहन पर आपत्तिजनक बातें कह दीं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया और मीडिया पर न सिर्फ वायरल हो रहा है, बल्कि ट्रॉल भी हो रहा है. उन पर व उनकी पार्टी पर महिला विरोधी होने का आरोप लगना शुरू हो गया है. झामुमो ने एक्स हैंडल के जरिए कहा है कि मां-बहन के प्रति अपार श्रद्धा रखते हुए भाजपा पार्टी के झारखंड प्रभारी जी... लगता है पार्टी के कार्यालय में हर दिन शुरुआत ही इन्हीं शब्दों से होती है. तभी इनके नेता और लोकसभा के इनके प्रत्याशी उसी शिक्षा में निपुण होते हैं.

सड़क छाप गुंडे की तरह बात कर रहे वाजपेयी, दुनिया में मां-बहन के रिश्ते काफी अहम होते हैं : सरयू राय की पार्टी भारतीय जनतंत्र मोर्चा की महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मंजु सिंह व महामंत्री काकोली मुखर्जी ने वाजपेयी के बयान पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है. इन्होंने कहा कि "भाजपा प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी की भाषा गुंडों व अपराधियों जैसी है. माता-बहनों का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे. गैंगस्टर प्रिंस खान जैसी भाषाई आचरण अपनाकर वाजपेयी ने पंडित दिनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचारधारा की तिलांजलि दे दी है. संयुक्त बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा के धनबाद प्रत्याशी ढुल्लु महतो के समर्थन में महिलाओं का अपमान करते हुए प्रभारी ने तैश में कहा कि हम मां- बहन किया करते थे. उनका ऐसा बयान निंदनीय है. हम उसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं. दोनों महिला नेत्रियों ने आरोप लगाया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता सह झारखंड प्रभारी एक आपराधिक छवि के धनबाद लोकसभा के प्रत्याशी ढुल्लु महतो के समर्थन में इस तरह दृष्टिहीन हो गये कि उन्होंने भाषा व सभ्यता की सारी मर्यादाओं को लांघते हुए माताओं व बहनों का भाषाई चीरहरण कर दिया. महिला नेत्रियों ने कहा कि भाजपा के प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचारधारा को तिलांजलि देते हुए अपराधी व सड़क छाप गुंडे प्रिंस खान के आचरण को परिलक्षित कर दिया. वाजपेयी जी को यह भी याद नहीं रहा कि जिस वक्त वे इस प्रकार महिलाओं- बहनों के लिए घृणित शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे, उनके बगल में महिलाएं भी बैठी हुईं थीं, जो किसी की मां-बहन ही थीं. मां और बहन का रिश्ता दुनिया का सबसे बड़ा रिश्ता होता है. एक आपको इस दुनिया में लाती हैं और दूसरी आपकी रक्षा के लिए हमेशा खड़ी रहती हैं. उनका इस तरह से घृणित अपमान करना वाजपेयी जैसे अनुभवी नेता के लिए शोभनीय नहीं है. आबादी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी रखनेवाली महिलाएं अब इस तरह के बयान को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगी और इनका मुंहतोड़ जवाब बहुत जल्द दिया जाएगा.

कहा कहा था वाजेपेयी ने...

बता दें कि ढुल्लू महतो को टिकट दिए जाने के सवाल पर अपना संक्षिप्त परिचय देते-देते लक्ष्मीकांत वाजपेयी अचानक मां-बहन पर उतर आये थे. उन्होंने कहा- मैंने स्कूटर से काम किया है. जब उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तब भाजपा कार्यकर्ताओं से अफसर ज्यादती किया करते थे. स्कूटर से जितनी देर वहां पहुंचने में लगती थी, बस वही समय लगता था. फिर अपने कार्यकर्ताओं को बेदाग साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ता था. यह बोलते-बोलते उनकी जुबान उस समय फिसल गई, जब उन्होंने कहा कि मां की पेट से जन्म लिया हूं. जब नंबर आएगा, तब देखा जाएगा. उसकी तो मां-बहन... कर देनी है. मैं किसी से नहीं डरता हूं. भगवान ने जो लिखा है, वही होगा.

रिम्स ओपीडी

विभाग **डॉक्टर का नाम**

- मेडिसिनः डॉ विद्यापति
- सर्जरीः डॉ शीतल मलुआ
- कार्डियोलॉजीः डॉ प्रकाश कुमार
- ऑर्थोपेडिकः डॉ विनय प्रभात
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- ऑब्स गायनीः डॉ एसबी सिंह
- सीटीवीएसः डॉ अंशुल कुमार
- न्यूरोलीजीः डॉ सुरेंद्र कुमार
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- प्लास्टिक सर्जरीः डॉ विक्रांत
- पीएमआरः डॉ अमित चैतन्य
- रेडिशन ऑन्कोलॉजीः डॉ अनूप
- सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
- यूरोलॉजीः डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मोहम्मद इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

मतदाता जागरुकता कार्यशाला आयोजित, 25 तक मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं नाम

वोट से पहले अपना बूथ जरूर देखें

संवाददाता। रांची

स्वीप के तहत मतदाता जागरुकता को लेकर रविवार को रांची के मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, प्रशासक नगर निगम अमित कुमार, नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमण्डल पदाधिकारी रांची सदर उत्कर्ष कुमार एवं रांची जिला के विभिन्न रेसीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव उपस्थित थे. कार्यशाला में डीडीसी दिनेश कुमार यादव ने चुनाव प्रक्रिया से संबंधित कई आवश्यक जानकारियां दीं. मताधिकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर पेड लीव की सुविधा है. सभी लोग पोलिंग डे पर बूथ पर पहुंचें, इसे लेकर मतदाताओं को जागरुक करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें.

डीसी ने कहा-वोटर स्लिप मिलने के बाद अपना बूथ अवश्य देख लें : कार्यशाला में डीसी ने उपस्थित लोगों को मतदान से संबंधित कई जानकारियां दीं. कहा कि 25 मई 2024 को रांची लोकसभा क्षेत्र में वोट डाले जायेंगे. मतदान से पहले संबंधित बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण किया जाएगा. उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम एग्जाम के एक दिन पहले परीक्षा केंद्र देखने जाते हैं, उसी तरह मतदाता सूची मिलने के बाद मतदान से पहले अपनी सहूलियत के लिए अपना बूथ जरूर देख लें.

शहरी क्षेत्र में कम मतदान का जिक्र करते हुए डीसी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में भी अच्छी संख्या में मतदाता बूथ तक पहुंचते हैं, लेकिन शहरी क्षेत्र में सुविधाओं और जानकारी होने के बावजूद लोग मतदान के दिन पर घरों से कम निकलते हैं. उन्होंने आरडब्ल्यूए के सदस्यों से कहा कि पोलिंग डे पर अपने परिवार और आस-पास के लोगों को लेकर मतदान केंद्र तक आयें.

सवाल-जवाब और उपहार का सिलसिला जारी : कार्यशाला के दौरान वरीय पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों से चुनाव से संबंधित सवाल भी पूछे गये, सही जवाब देनेवालों को उपहार भी दिया गया. कार्यशाला के अंत में उपस्थित सभी लोगों को मतदान की शपथ भी दिलायी गयी. साथ ही सभी को मतदान और चुनावी प्रक्रिया की जानकारी के लिए वोटर गाइड भी उपलब्ध कराया गया.

खास बातें

- डीडीसी ने चुनाव प्रक्रिया से संबंधित जानकारी दी
- मतदान दिवस पर पेड लीव की सुविधा दी गई है

कार्यशाला में बोले-

ऊंची इमारत और छोटी सोच नहीं होनी चाहिए : अमित कुमार

कार्यशाला में नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार ने मतदाता जागरूकता से संबंधित आवश्यक जानकारी दी. कहा कि लोकतंत्र में एक-एक वोट बहुमूल्य है, लोग अच्छी संख्या में वोटिंग डे पर बूथ तक पहुंचें, इसके लिए सभी को जागरूक करें. उन्होंने बताया कि मतदान के लिए वोटर लिस्ट में नाम होना जरूरी है. रांची लोकसभा क्षेत्र में योग्य नागरिक 25 अप्रैल 2024 तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं. इसके लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन दिया जा सकता है. प्रशासक ने कहा कि बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक के साथ सफाई मित्र एवं सुपरवाइजर घर-घर पहुंच रहे हैं, छूटे हुए लोग अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें. मतदान का दिन छुट्टी का दिन होता है. यह न सोचे, मतदान अवश्य करें, ऊंची इमारत और छोटी सोच नहीं होनी चाहिए.

मृत युवकों के परिजनों से डालसा की टीम ने की मुलाकात, मदद की

संवाददाता। रांची

रांची प्रेस क्लब के पास शनिवार की रात सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत हो गई थी. इस घटना को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय के जस्टिस सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया है. उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार को यह आदेश दिया है, कि वह तत्काल मृतक के परिवार से मिल कर आवश्यक सहायता प्रदान करें. जिसके बाद डालसा के अध्यक्ष न्यायुक्त दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को आदेश दिया कि अविलंब एक टीम गठित कर पीड़ित परिवार को विधिक सहायता उपलब्ध कराएं. डालसा सचिव ने एक टीम गठित की जिसमें राकेश रंजन सचिव डालसा, राजेश कुमार सिन्हा डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल, पीएलबी अनिता देवी मृतक के परिवार से रिम्स अस्पताल में मुलाकात कर उन्हें दी जानेवाली विधिक सहायता एवं सरकारी योजनाओं के लाभ के संबंध में संपूर्ण जानकारी दी और विधिक सहायता एवं एमएसीटी एक्ट के तहत मुकदमा दाखिल करने के लिए विधिक सहायता की भी जानकारी दिया गया. डालसा के पीएलवी अनिता देवी के द्वारा मृतक के पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को सहायता किया गया. पोस्टमार्टम कार्य जल्द कराने की प्रक्रिया के लिए सचिव डलासा ने रिम्स अधीक्षक से बात की और लालपुर थाना प्रभारी से बात कर एफआईआर दर्ज कराई गई.

पूर्व सांसद जोरावर राम के पुत्र राकेश पासवान बसपा में शामिल हुए

रांची। बसपा झारखंड में लोकसभा की सभी 14 सीटों पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी. राज्य में सामंतवादी व पूंजीवादी ताकतों का मुकाबला केवल बसपा ही कर सकती है. यह बात बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय राज्य प्रभारी जीसी दिनकर ने कही. श्री दिनकर रविवार को बसपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे. समारोह में पलामू के पूर्व सांसद स्वर्गीय जोरावर राम के पुत्र राकेश पासवान और धनबाद से मोहन सिंह यादव ने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. इनके साथ सदस्यता ग्रहण करनेवालों में वीरेंद्र कुमार, महेश कुमार, रंभा देवी, जय प्रकाश पासवान, ललन कुमार, गौतम कुमार, युगल भुईंया, संजय कुमार गौतम, वीरेंद्र चंद्रवंशी, कमलेश राम और लव कुमार राम शामिल थे. प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता व रामबाबू चिरगैया ने पार्टी में शामिल होनेवाले सभी नेताओं का स्वागत किया. कार्यक्रम में सुनील कुमार गौतम, अशोक राम, राजेंद्र राम और अरुण कुमार समेत कई लोग मौजूद थे.

प्रोफेशनल्स कांग्रेस का चुटिया में जनसंपर्क अभियान, बांटे 5 न्याय- 25 गारंटी कार्ड

जुमला नहीं, कांग्रेस की है असलियत वाली गारंटी: आदित्य विक्रम जायसवाल

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आदित्य विक्रम जायसवाल ने रविवार को कांग्रेस पार्टी की 5 न्याय-25 गारंटी, घर-घर गारंटी अभियान की शुरुआत चुटिया से की. इस दौरान जायसवाल व पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चुटिया वार्ड 14 के सरदार गली, भट्टी टोला, साहू टोली में पदयात्रा कर आमलोगों की समस्याएं सुनते हुए गारंटी कार्ड भरा. मौके पर जायसवाल ने कहा कि इस अभियान के तहत मैं और पार्टी का हर कार्यकर्ता 5 न्याय- 25 गारंटी वाला कार्ड घर-घर जाकर भरेंगे और वितरित करेंगे.

उन्होंने कहा कि यह जुमला वाली गारंटी नहीं, यह धरातल और असलियत वाली गारंटी है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो-जो वादे कर सत्ता में आये थे, उसे पूरा नहीं किया. यही वजह है कि वे इन सवालों को लेकर मीडिया के सामने नहीं आते और उनके सवालों का जवाब नहीं देते. हमारे नेता राहुल गांधी ने जनता को दी गयी कांग्रेस की गारंटी को घर-घर पहुंचाने को कहा है. इसे झारखंड में पूरा किया जाएगा. हम वोट मांगने नहीं बल्कि लोगों को उनके हक की गारंटी देने के लिए घर-घर जायेंगे. आदित्य विक्रम ने बताया कि युवाओं को न्याय, नारी को न्याय, किसानों को न्याय, श्रमिकों को न्याय और हिस्सेदारी की न्याय, इन पांच न्याय को 25 गारंटी में बांटने का काम किया है. जनसंपर्क अभियान में कृष्णा सहाय, संजीव महतो, अनिल सिंह, मनोज राम, अंशुमाला टोप्पो, उर्मिला देवी, रजनी लिंडा, रेणु कच्छप, रवि सिंह, विवेक धान, प्रद्युम्न यादव, पप्पू सिंह आदि लोग मौजूद थे.

खास बातें

- प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से किए वादे नहीं किए पूरे
- हम कांग्रेस की गारंटी घर-घर पहुंचाने का काम कर रहे

आयोजन

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की इफ्तार पार्टी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा

रोजा रखने से गरीबों के दुख-दर्द का होता है अहसास

संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से शाम को प्रदेश कांग्रेस भवन में 27 वीं रमजान पर दावते इफ्तार का आयोजन किया गया. मौके पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष मंजूर अंसारी, रांची महानगर अध्यक्ष हुसैन खान शामिल हुए. इफ्तार पार्टी में शहर के रोजेदार भी शामिल हुए. प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि पवित्र रमजान माह चल रहा है, मुस्लिम भाइयों द्वारा भूखे-प्यासे रहकर रोजा रखकर खुदा की इबादत कर रहे हैं, रोजा रखने में इंसान को इंसान की तकलीफों का अंदाजा हो जाता है. गरीबों के दुख-दर्द का एहसास होता है, मैं सभी रोजेदारों का इस्तेकबाल करते हुए पुनः शुभकामनाएं देता हूं. अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने सभी रोजेदारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इफ्तार पार्टी सर्वधर्म का अच्छा मेल-मिलाप है, क्योंकि यहां कांग्रेस कार्यालय में सभी धर्म के लोग एक साथ मिलकर इफ्तार पार्टी कर रहे हैं. मौके पर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अरसदुल कादरी, संगठन महासचिव अख्तर अली, मो साफर आदि उपस्थित थे.

त्योहारों को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक

रांची। ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर लोअर बाजार थाना में शांति समिति की बैठक रविवार को थाना इंचार्ज दयानंद कुमार की अध्यक्षता में हुई. सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी त्योहार आपस में मिलजुल कर मनाएं और एक दूसरे के त्योहार का सम्मान करें. अमन शांति, एकता भाईचारा, प्यार मोहब्बत को सभी बनाएं रखे. कर्बला चौक में जो ईद के शुभ अवसर पर मेला लगता है एक दिन सरहुल के दिन मेला नहीं लगाए बाकी दिन आप मेला लगाए. थाना प्रभारी ने कहा कि सरहुल व रामनवमी के जो रूट हैं, उसी रूट पर अपने जुलूस को लेकर जाएं. फिर अपने रूट से वापस आये. असामाजिक तत्व, नशेड़ी लोगों पर पुलिस सख्त नजर रखेगी. सभी से अपील है कि अमन शांति के साथ त्यौहार को संपन्न करें. मौके पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा, रजी अहमद, अकील उर रहमान, मो इस्लाम, भीम सिंह, हाजी मासूक, उज्ज्वल कुमार, गोपाल प्रसाद, गुड्डू, मो फैजान, पवन कुमार, रिंकू सिंह, गणेश राम, शिलांग कश्यप, एलिस कश्यप आदि शामिल थे.

जिले के 194 गांवों में रामोत्सव मनाएगी विहिप

रांची। विहिप व बजरंग दल रांची ग्रामीण जिला की बैठक रविवार को विंध्यवासिनी नगर में हुई. बैठक में रामोत्सव कार्यक्रम के लिए बैनर वितरण कर जिला के 194 पंचायतों में धूमधाम से रामोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया. मुख्य अतिथि विहिप प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो ने कहा कि पंचायत स्तर पर 500 स्थानों पर रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन होगा. त्रेतायुग में जो कार्य रामजी ने किया था, वही कार्य आज विहिप के कार्यकर्ता कर रहे हैं. बैठक में संगठन मंत्री कल्याण श्यामल, जिलाध्यक्ष रामेश्वर दयाल सिंह, रामवृक्ष महतो, रोबिन कुमार, लाल लोकनाथ शाहदेव, रोशन चौधरी, विनोद विश्वकर्मा, गुलाब सिंह, अनिल यादव, अजीत सिंह, ज्योति कुमार आदि उपस्थित रहे.

न्यूज अपडेट

समर्पण शाखा के हेल्थ कैंप में 70 ने कराई जांच

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने वर्ल्ड हेल्थ डे के अवसर पर रविवार को मोरहाबादी के ऑक्सीजन पार्क मैदान के समीप हेल्थ चेकअप कैंप लगाया. यह आयोजन डॉ लालपैथ लैब के सौजन्य से किया गया. कैंप 9 बजे तक चला.कैंप में ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड एवं थायराइड की निःशुल्क जांच की गई. स्वास्थ्य प्रभारी कोमल झुनझुनावाला और संयोजिका आशा सर्राफ़ थीं. उन्होंने बताया कि 70 से अधिक लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया. जांच कराई.कार्यक्रम में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, किरण खेतान, रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार, आशा संथोलिया उपस्थित थीं.

रिम्स के 43 अज्ञात शवों का हुआ अंतिम संस्कार

रांची। मुक्ति संस्था ने रविवार को राजधानी के जुमार नदी के तट पर 43 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया . मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गए. इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी. संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था द्वारा अबतक कुल 1723 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है. अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया. मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल,रतन अग्रवाल,आशीष भाटिया,हरीश नागपाल,आदित्य राजगढ़िया,केवल किशोर,राजेश विजयवर्गीय,सुनील अग्रवाल,सुदर्शन अग्रवाल,सौरभ बथवाल,उज्ज्वल जैन,पंकज खिरवाल ,संदीप कुमार,संजय सिंह,अरुण कुतरियार,राहुल जयसवाल,विकाश सिंघानिया,नवीन गाड़ोदिया और सुमित अग्रवाल मौजूद थे.

श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का वितरण

रांची। 143वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का वितरण ब्रह्मलीन स्व मधु छावनिका की स्मृति में उनके पति निर्मल छावनिका पुत्र पुत्रवधु निलेश ट्विंकल छावनिका एवं परिवार के सौजन्य से की गई. संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, नन्दु चौधरी एव ओमप्रकाश सरावगी ने श्री राज श्यामा जी एव प्रणामी समाज के गुरु महाराज की तस्वीर के सामने दीपक प्रज्वलित कर भजन संकीर्तन का कार्यक्रम शुरु किया.अन्नापूर्णा सेवा में संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान, सचिव मनोज कुमार चौधरी, कार्यक्रम सह संयोजक ओम प्रकाश सरावगी,पवन पोद्दार (ताउ),बिष्णु सोनी,पुर्णमल सर्राफ,नन्द किशोर चौधरी, सज्जन पाडिया, ज्ञान प्रकाश शर्मा, शंकरलाल मोदी, सुरेश अग्रवाल,पवन पोद्दार,ओम प्रकाश सरावगी, पवन अग्रवाल, सुरेश भगत, चिरंजीलाल खणडेलवाल, शिव भगवान अग्रवाल,धीरज गुप्ता, चन्द्रदिप साहु, परमेश्वर साहु, महेश वर्मा, बंसत वर्मा आदि उपस्थित थे.

मोदी की गारंटी पर देश की जनता को भरोसा : संजय सेठ

राची। रांची से भाजपा प्रत्याशी सांसद संजय सेठ ने रविवार को सुखदेव नगर मंडल के विभिन्न अपार्टमेंट में बैठक कर भाजपा के पक्ष में वोट मांगा. उन्होंने कहा कि देश में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास बढ़ा है. देश के लोग प्रधानमंत्री को एक अभिभावक और भाई के तौर पर मानने लगे हैं. देश की जनता को मोदी की गारंटी पर भरोसा है. पिछले 70 सालों में जो नहीं हुआ, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों में करने का काम किया है. उन्होंने कहा कि जब मैं सांसद बना, तो सबसे पहले मेरी प्राथमिकता रातू रोड को जाम मुक्त करना था. आज रातू रोड में 451 करोड़ की लागत से एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है. विधायक सीपी सिंह ने कहा कि चुनाव के दिन सब काम छोड़ कर मतदान अवश्य करें. मौके पर अमित सिंह, ओम प्रकाश पांडेय, वरुण साहू, हरेंद्र सिंह, राकेश चौधरी, राज श्रीवास्तव और अशोक यादव समेत कई लोग शामिल थे.

सेवा सदन के शिविर में 351 लोगों ने कराई जांच

रांची। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर नागरमल मोदी सेवा सदन में रविवार को निःशुल्क बृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया गया. शिविर में 22 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने निःशुल्क जांच की. शिविर का 351 लोगों ने लाभ उठाया.शिविर में यूरोलोजिस्ट डॉ. अरविन्द अग्रवाल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अविषेक अग्रवाल, आंख रोग विशेषज्ञ डॉ. नन्दिता अग्रवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजु कुमार, डॉ. क्षमा टिबड़ेवाल, डॉ. माया नारंग, फिजिशियन डॉ. कुमार शीलमणी एवं डॉ. अरविन्द सिंह, सर्जन डॉ. वी.के. माहेश्वरी एवं डॉ. राजेश मारू, न्यूरो सर्जन डॉ. तरूण अड़ुकिया एवं डॉ. डीएम प्रसाद, हड्डी रोग डॉ. ए.के. वर्मा एवं डॉ. जय पलक, दंत रोग डॉ. रमेश बजाज, डॉ. निधि, डॉ. रोहित एवं डॉ. शुभांगी, चर्म रोग विशेषज्ञ-डॉ. रीतू, किडनी रोग विशेषज्ञ-डॉ. पीबी सिंह, इन्डोस्कोपिस्ट डॉ. पी.के. चौधरी, इएनटी-डॉ. अरूण कुमार इत्यारी ने अपनी सेवाएं दी.सदन के नवनिर्मित हार्ट सेन्टर द्वारा ह्रदय रोग की जांच की गई. निःशुल्क ईसीजी इत्यादि की गई. शिविर में डॉ. पी.जी. सरकार एवं डॉ. आशुतोष कुमार ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी.

शिविर लगाएगी चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति

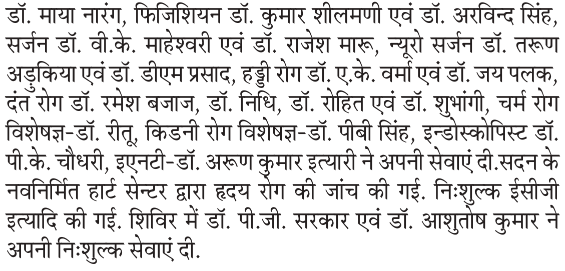

रांची। चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति सरहुल और रामनवमी पर स्वागत शिविर लगायेगी. शिविर में चना, गुड़, शरबत आदि का वितरण किया जायेगा. साथ ही श्रीराम जन्मोत्सव पर मर्यादा पुरुषोत्तम राम से जुड़े विभिन्न झांकियों का अवलोकन कराएगा. अध्यक्ष रमेश सिंह ने बताया कि राम दरबार, महाबली हनुमान जी का प्रारूप आकर्षण का केंद्र रहेगा. दिल्ली और हरिद्वार से आए कलाकारों के द्वारा नृत्य नाटिका का मंचन मनभावन होगा. उन्होंने समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

तापमान
33.8⁰ अधिकतम | 23.2⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

सोमवार 08 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 14 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 349

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 10

गोड्डा से प्रदीप यादव, धनबाद से ददई दुबे, चतरा से भी कांग्रेस ही उतारेगी प्रत्याशी, कई हैं रेस में

सुबोधकांत रांची और प्रदीप यादव गोड्डा से होंगे प्रत्याशी, मैदान में उतरे

कौशल आनंद। रांची

झारखंड की राजधानी रांची की सीट एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए प्रतिष्ठा की सीट बन गयी है. वर्तमान में भाजपा के संजय सेठ का इस सीट पर कब्जा है. भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस मजबूत प्रत्याशी ही देगी. जिसमें पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय का ही एकमात्र नाम और चेहरा कांग्रेस के पास है. आलाकमान ने सहाय को बिना किसी टेंशन के चुनाव तैयारी में जुटने का निर्देश दे दिया है. इनके नाम का औचापरिक एलान जल्द कर दिया जाएगा. इधर सहाय आलाकमान के संदेश के बाद तैयारी में जुट गए हैं. संसदीय क्षेत्र में वे एक्टिव हो गए हैं. मीटिंग और मिलने-जुलने का सिलसिला शुरू हो चुका है. शनिवार को कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर के साथ रांची पहुंचे. उन्होंने सुबोध कांत सहाय से चुनावी तैयारी शुरू करने को कहा है. सुबोध ने भी अपने सहयोगियों और कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्र में चुनावी कार्य में लग जाने को कहा है. इसी तरह गोड्डा से प्रदीप यादव का नाम फाइनल हो चुका है. उन्हें भी तैयारी शुरू कर देने का संदेश मिल चुका है. इसके बाद से प्रदीप यादव मैदान में उतर चुके हैं.

12 तक कांग्रेस अपनी शेष बची सीट से प्रत्याशी की घोषणा कर देगी

केंद्र की चार सरकार में सुबोधकांत सहाय रहे चुके हैं मंत्री

रांची संसदीय सीट से सुबोधकांत सहाय तीन बार, एक बार 1989 में जनता दल के टिकट और दो बार 2004 और 2009 में कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गये. तीनों बार संयोग रहा कि सुबोधकांत सहाय केंद्र सरकार में मंत्री बने.

मोदी लहर और डबल इंजन की सरकार में भी सुबोध को मिले थे 4.23 लाख वोट

कांग्रेस का एक गुट रामटहल चौधरी को कांग्रेस में शामिल कराकर बतौर प्रत्याशी उन्हें रांची के लिए प्रोजेक्ट कर रहा है. मगर सच्चाई इससे इतर है. दरअसल वे अपने पुत्र की राजनीतिक जमीन तैयार करने में जुटे हैं. रामटहल चौधरी भले ही पांच बार सांसद और दो बार विधायक रहे. मगर गत लोकसभा चुनाव में वो बतौर निर्दलीय मैदान में उतरे तो उन्हें महज 29,597 मत मिले. जबकि गत चुनाव में मोदी लहर और डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद सहाय को 4,23,803 लाख मत प्राप्त हुए थे. इसलिए कांग्रेस नेतृत्व फिलहाल रांची को लेकर कोई बड़ा बदलाव करने के मूड में नहीं है .अगर नेतृत्व रांची को लेकर कोई नया प्रयोग करता है, तो उसे भितरघात से जूझना पड़ेगा. हां इतना तय है कि अगर सहाय यह चुनाव हारे, तो यह उनकी अंतिम पारी होगी. यह दोनों ओर से एक- दूसरे को (सहाय ने नेतृत्व को और नेतृत्व ने सहाय) अवगत करा दिया है.

तीन सीट घोषित कर चुकी है कांग्रेस

कांग्रेस ने खूंटी से कालीचरण मुंडा, लोहरदगा से सुखदेव भगत और हजारीबाग से विधायक जेपी पटेल को कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है. कांग्रेस पार्टी की चुनावी प्रक्रिया के अनुसार पहले स्क्रीनिंग कमेटी और फिर इसके बाद कांग्रेस चुनाव समिति ने रांची सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय का नाम तय किया है. कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को कांग्रेस की ओर से रांची, धनबाद, गोड्डा और चतरा में से एक सीट के लिए प्रत्याशी की घोषणा की जा सकती है. धनबाद से ददई दूबे का नाम सबसे ऊपर चल रहा है, वहीं गोड्डा से प्रदीप यादव का. चतरा से कौन होगा, इस पर से अभी पर्दा नहीं उठा है.

अनेदखी : झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल में बंद नहीं हुआ प्लास्टिक का यूज

रिम्स परोस रहा मरीजों को जहर!

समीर चक्रवर्ती। रांची

देश में एक तरफ सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध है, वहीं राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में भर्ती मरीजों को इसी सिंगल यूज प्लास्टिक में लपेट कर प्रतिदिन खाना परोसा जा रहा है. रिम्स में मरीजों को बेहतर डाइट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रबंधन ने एजेंसी को टेंडर के माध्यम से काम दिया था. इसके बाद एजेंसी ने मरीजों को खाना उनके बेड तक पहुंचाने की शुरुआत की, जिसमें मरीजों को भोजन तो विटामिन प्रोटीन वाला दिया जा रहा है, लेकिन खाना पैक करने के लिए प्लास्टिक का यूज किया जा रहा है. जो जहर से कम नहीं है. सीधे कहा जाए, तो रिम्स प्रबंधन मरीजों को अच्छे भोजन के साथ जहर परोस रहा है. इससे साफ है कि मरीज अपनी बीमारी का तो इलाज करा लेंगे. लेकिन लगातार प्लास्टिक में पैक खाना खाने से उन्हें दूसरी बीमारी चपेट में ले लेगी.अनुमानतः रिम्स में करीब अलग -अलग विभागों में कुल आठ सौ के करीब मरीजों को हर रोज भोजन परोसा जाता है.

प्लास्टिक में पैक खाना को हटाने को लेकर तत्कालीन डायरेक्टर डॉ. डीके सिंह ने भी एजेंसी को आदेश दिया था, पर उनके जाते ही यह आदेश भी ठंडे बस्ते में चला गया. बताते चलें कि प्लास्टिक के इस्तेमाल पर सरकार ने कड़ाई से बैन लगा रखा है.

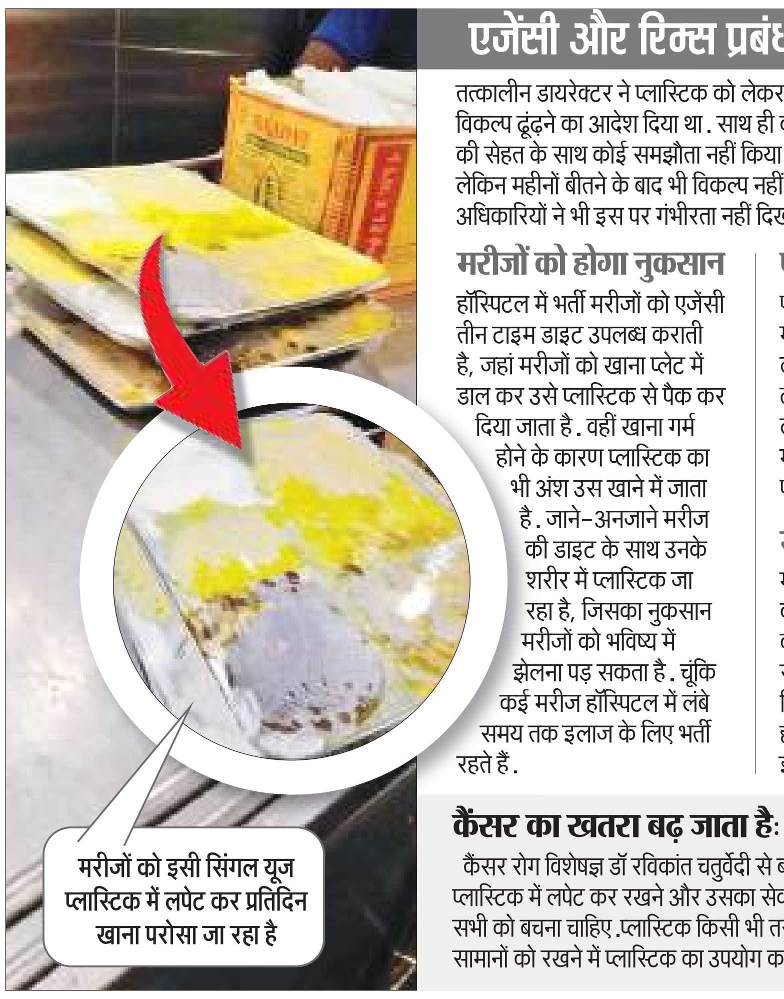

एजेंसी और रिम्स प्रबंधन नहीं ढूंढ़ पाया विकल्प

तत्कालीन डायरेक्टर ने प्लास्टिक को लेकर मिली शिकायत के बाद एजेंसी को प्लास्टिक का विकल्प ढूंढ़ने का आदेश दिया था. साथ ही कहा था कि इसे तत्काल बदला जाए. चूंकि मरीजों की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा. इसके बाद एजेंसी ने हामी भर दी थी. लेकिन महीनों बीतने के बाद भी विकल्प नहीं मिला. वहीं मरीजों की डाइट का ध्यान रखने वाले अधिकारियों ने भी इस पर गंभीरता नहीं दिखाई.

मरीजों को होगा नुकसान

हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों को एजेंसी तीन टाइम डाइट उपलब्ध कराती है, जहां मरीजों को खाना प्लेट में डाल कर उसे प्लास्टिक से पैक कर दिया जाता है. वहीं खाना गर्म होने के कारण प्लास्टिक का भी अंश उस खाने में जाता है. जाने-अनजाने मरीज की डाइट के साथ उनके शरीर में प्लास्टिक जा रहा है, जिसका नुकसान मरीजों को भविष्य में झेलना पड़ सकता है. चूंकि कई मरीज हॉस्पिटल में लंबे समय तक इलाज के लिए भर्ती रहते हैं.

पहले ढक्कन वाले प्लेट में खाना

एजेंसी ने जब रिम्स में शुरुआत की, तो उस समय मरीजों को ढक्कन वाले प्लेट में खाना दिया जाता था. लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया एजेंसी ने प्लेट के ढक्कन हटा दिए. उसकी जगह पैकिंग प्लास्टिक ने ले ली. अब लंबे समय से प्लास्टिक में पैक कर खाना ही मरीजों को परोसा जा रहा है. वहीं कोरोना मरीजों को तो प्लास्टिक के डिस्पोजेबल बर्तन में खाना दिया जा रहा है.

मॉनिटरिंग कमेटी का भी ध्यान नहीं

मरीजों की डाइट की प्रापर मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी का गठन किया गया था, जिसका उद्देश्य मरीजों की डाइट की निगरानी करना है. वहीं क्वालिटी की भी समय-समय पर जांच की जाएगी और प्रबंधन को रिपोर्ट भी सौंपी जाएगी. लेकिन समय बीतने के साथ ही कमेटी भी सुस्त पड़ गई, जिसका खामियाजा इलाज करा रहे मरीजों को भुगतना पड़ सकता है.

कैंसर का खतरा बढ़ जाता है: डॉ रविकांत

कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ रविकांत चतुर्वेदी से बात करने पर उन्होंने कहा कि लगातार गरम खाना प्लास्टिक में लपेट कर रखने और उसका सेवन करने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. इससे सभी को बचना चाहिए .प्लास्टिक किसी भी तरह से शरीर के लिए हानिकारक है. भोजन के सामानों को रखने में प्लास्टिक का उपयोग करने से बचना चाहिए.

सदस्यता न मिलने से आहत सदस्यों ने कहा

चुनाव की घोषणा... तुगलकी फरमान

- गोशाला के गौरवशाली इतिहास पर न लगायें बट्टा

राजन बॉबी। रांची

गोशाला न्यास समिति की कार्यकारिणी का चुनाव 14 अप्रैल को कराने के फैसले से सदस्य हैरान हैं. मान्यता नहीं दिए जाने से आहत 110 सदस्य इसे तुगलकी फरमान बता रहे हैं. नाराज सदस्यों ने माननीयों पर जमकर भड़ास निकाली. सदस्यों का कहना है कि राजधानी में गोशाला का गौरवशाली इतिहास रहा है, लेकिन नई कार्यकारिणी के कुछ ट्रस्टी और पदाधिकारियों की कारगुजारियों के कारण इस पर बट्टा लगने लगा है. गोशाला राजनीत का अखाड़ा बनता जा रहा है. पीड़ितों का कहना है कि बाढ़ू मौजा की गोशाला की 15.95 एकड़ जमीन गुपचुप तरीके से बेच देना, सुकुरहुटू गोशाला की लगभग सात एकड़ भूमि कम किराये पर 99 साल के लिए स्कूल को लीज पर देना, वर्तमान और पूर्व ट्रस्टी चेयरमैन की मानमानी, आराजकता को दर्शाता ही है, साथ ही 110 सदस्यों का 25 से 30 लाख रुपये सालो दबाये रखने के बाद भी उनकी सदस्याता को मान्यता नहीं देना, ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान और उनकी हां में हां मिलाने वाले माननीयों की हिटलरशाही की भी पोल खोलता है. गोशाला न्यास के उच्च पद पर बैठे कुछ लोग गोलबंद होकर अपना वर्चस्व बनाये रखने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं. 110 सदस्यों को मान्यता नहीं देना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है. लेकिन हम भी मानने वाले नहीं हैं. अंतमि दम तक लड़ाई लड़ेंगे.

सब तो हैं ट्रस्टी चेयरमैन जालान के हैं चट्टे- बट्टे : एक ट्रस्टी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि चुनाव को लेकर बुलायी गयी कार्यकारिणी की बैठक में शुक्रवार की शाम कुछ लोग ही शामिल हुए. जो लोग शामिल भी हुए, वे सब के सब ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान के चट्टे- बट्टे ही थे. ट्रस्टी बताते हैं कि सतीश तुलस्यान को ट्रस्टी बनवा कर रतन ने उपकृत किया है, तो राजकुमार केडिया को कौड़ी के भाव गोशाला की जमीन दिलवा कर और ट्रस्टी बनवा कर नेमत बरती है.

राजकुमार टिबड़ेवाल से कुछ फासला है, इस कारण उन्होंने बैठक में आहत 110 सदस्यों के पक्ष में थोड़ा बहुत बोला भी. उन्होंने बताया कि सचिव प्रदीप राजगढ़िया तो रतन जालान के ही लग्गू-भग्गू हैं. पिछलग्गू हैं, इस कारण वे भी मौनी बाबा बने हुए हैं. सुरेश जैन राजनीति में नहीं पड़ना चाहते इस कारण वे भी खामोश ही रहना पसंद करते हैं. अन्य लोगों की भी कमोबेश वैसी ही दशा और दिशा है. ट्रस्टी चेयरमैन के वर्चस्व के आगे किसी की नहीं चलती. सभी हां में हां मिलाते हैं. सिर डोलाते हैं. चेयरमैन ने कहा- बोलों हां, तो बोलेंगे हां, कहेंगे ना- तो सभी बोलेंगे ना.

सदस्यों ने कहा

गलत कर रहे, मुंहतोड़ जवाब मिले ही : प्रकाश बजाज

ट्रस्टी चेयरमैन की मनमानी से आहत प्रकाश बजाज कहते हैं कि सदस्य बनाना या न बनाना अलग बात है, लेकिन गोशाला के गौरवशाली इतिहास पर बट्टा लगाना एकदम ठीक बात नहीं है. माननीय गलत कर रहे हैं. इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए. बजाज का कहना है कि पूर्व ट्रस्टी जो स्वर्गवासी हो गये, उनके फैसले की खिलाफत करना कही से जायज नहीं है. एक तरह से यह पूर्वजों की आत्मा को ठेस पहुंचाने जैसा है. वर्चस्व बनाये रखने के लिए इस तरह की मनमानी करना सिर्फ कुंठित मानसिकता को दर्शाता है. पदाधिकारियों को लगता है कि सदस्यों की संख्या ज्यादा हो जाएगी, तो पता नहीं उनका पद रहेगा या नहीं, इसी कारण सारा कांड किया जा रहा है. प्रकाश ने अन्य ट्रस्टियों के मौनी बाबा बने रहने पर भी सवाल खड़े करते हुए खेद जताया. कहा यह बहुत ही दुर्भाग्यजनक स्थिति है.

बिन मांगे सदस्यता शुल्क लौटा रहे तो डोनेशन का पैसा क्यों रखा?

प्रकाश बजाज का कहना है कि बिना मांगे सदस्यता शुल्क का चेक पत्र के साथ भेजा था, हमने लौटा दिया. उन्होंने बताया कि ट्रस्टी चेयरमैन ने पत्र में लिखा है कि डोनेशन का पैसा गो सेवा में खर्च हो गया, वापस चाहिए तो दान का ब्योरा पत्र की मार्फत हमे भेज दें, ताकि उसे भी वापस किया जा सके. यह बात समझ से परे और हास्यास्पद. भाई साहब सदस्यता शुल्क भी तो हमने वापस नहीं मांगा था, अपनी मर्जी से 11 सौ रुपये का चेक भेज दिया, उसे भी गो सेवा में खर्च कर देते, किसने मांगा है .आजीवन सदस्य बनाने के नाम पर लिया गया 25 से 30 लाख रुपया सालो दबाये रका गया, अब सदस्यता शुल्क लौटा कर शेखी बघार रहे हैं. सदस्यता शुल्क और डोनेशन तो हमने यों ही नहीं दिया था, आजीवन सदस्य बनाने के लिए ही दिया था. इसके बादले सदस्यता प्रमाण पत्र भी गोशाला की ओर से 135 लोगों को दिया गया है. पैसा लौटाना तो साफ प्रमाणित करता है कि मनमानी कर हमें जबरन हटाया जा रहा है. हमने सदस्यता बनाये जाने के लिए सारी प्रक्रिया पूरी की है. फिर अपने फायदे के लिए तरह-तरह की बातें बनाते हुए मान्यता नहीं देना किसी भी तरह से सही नहीं है.

12 लोगों ने दबाये दो के विरोध के स्वर : ललित

गोशाला न्यास समिति के पूर्व उपाध्यक्ष ललित पोद्दार कार्यकारिणी समिति की बैठक से आहत हैं. बताते हैं कि बैठक में उन्होंने 110 वैसे सदस्यों का मामला उठाया, जिन्हें चार साल बाद भी मान्यता नहीं दी गयी, तो ज्योति बजाज को छोड़ सभी ने एतराज जताया. दो टूक कहा कि इसपर निर्णय कोर्ट का फैसला आने के बाद लेंगे. मैंने बार-बार कहा कि जबतक कोर्ट में मामला चल रहा, तब तक चुनाव की घोषणा न करें, लेकिन किसी ने नहीं सुनी. चार ट्रस्टी, दो पदाधिकारी और छह सदस्य कुल 12 लोगों ने मेरे विरोध के स्वर को दबा दिया. जब 110 सदस्यों की सदस्यता के मामले को यह कह कर टाल दिया गया कि मामला कोर्ट में है, तो फिर बिना सदस्यता पर कोई फैसला आये चुनाव भला कैसे कराया जा सकता है. ये तो पूरी तरह से मनमानी है. हिटलरशाही है.

राहे: सर्च अभियान में मिला भारी विस्फोटक

राहे। एसएसबी और पुलिस ने संयुक्त अभियान में इडीसेरेंग और कोकरोडीह के बीच विस्फोटक बरामद किया है. बटालियन के कमांडेंट एसडी शेरखाने के निर्देश पर बटालियन के जवान और पुलिस क्षेत्र में अभियान चला रही थी. इसी दौरान उनकी नजर पीले रंग की थैली पर पड़ी. डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया. थैली की सावधानी से जांच हुई. जांच में छह पीस डेटोनेटर, विस्फोटक, 10 मीटर सेफ्टी फ्यूज तार मिला. इसे लेकर राहे थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई है. अभियान में कमांडर शशि कुमार, दीपक सिंह, के विमल सिंह, राहे थाना के उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार टुडू समेत अन्य जवान मौजूद थे.

एचईसी मामलों को लेकर राजद महासचिव ने मंत्री सत्यानंद भोक्ता से की मुलाकात

मिला आश्वासन, कर्मियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

संवाददाता। रांची

रविवार को राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी एवं एचईसी शहीद विश्वनाथ शाहदेव नागरिक संघ के अध्यक्ष कैलाश यादव ने एचईसी कर्मचारियों के 22 माह का बकाया वेतन भुगतान, नियमित वेतन एवं ठेका सप्लाई कर्मियों को प्लांट में प्रवेश कर पूर्व की तरह कार्य करने संबंधित अन्य ज्वलंत मामले को लेकर झारखंड सरकार में श्रम एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता से उनके आवास पर मुलाकात की.

उन्हें बताया गया कि एचईसी प्रबंधन श्रम कानून का निरंतर उल्लंघन कर विगत 22 वर्षों से मजदूरों के साथ सौतेला व्यवहार कर शोषण के साथ अनदेखी कर रहा है. रिटायरकर्मियों का तमाम भुगतान, विस्थापित सहित आवासीय क्षेत्रों की कई गंभीर समस्या लंबित है. एचईसी प्रबंधन बीजेपी के इशारों पर हमेशा नजरअंदाज कर रहा है.

यहां का स्थानीय सांसद संजय सेठ, विधायक नवीन जायसवाल ने संघर्ष कर रहे मजदूरों को झूठा आश्वासन देकर वर्षों बेवकूफ बनाने का काम किया है. इसलिए अब पहल करने में जरा भी देर हुई तो मजदूरों की हालत ज्यादा दयनीय हो जायेगी. इस संदर्भ में श्रम नियोजन उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कैलाश यादव से कहा कि एचईसी के श्रमिकों का मामला अत्यंत गंभीर है. राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव मजदूरों, किसानों के सदैव हितैषी रहे हैं. इस विषय को हम गहराई से देखेंगे, मजदूरों का शोषण बर्दास्त नहीं किया जाएगा और किसी भी हाल में एचईसी को श्रम कानून का पालन करना होगा. वही मंत्री ने राजद प्रतिनिधि को सोमवार को प्रबंधन से मिलकर कर रिपोर्ट देने की बात कही. मुलाकात के दौरान राजद महासचिव कैलाश यादव के साथ रामकुमार यादव मौजूद थे.

शहर में ब्राउन शुगर के कारोबार का खुलासा

कुख्यात जुबेर समेत चार गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव मद्देनजर विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है. इसी कड़ी में अवैध शराब, आग्नेयास्त्र और मादक पदार्थ की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है. एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की. इस दौरान ब्राउन शुगर के कारोबार से जुड़ा कुख्यात जुबेर समेत चार अपराधियों की गिरफ्तार हुई. सभी को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के न्यू मार्केट स्थित ऑटो बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है. जिनमें मो. जुबेर, रोहित ठाकुर, सुजीत गुप्ता और तरुण कुमार पांडेय शामिल हैं. इनके पास से पुलिस ने 11.5 ग्राम ब्राउन शुगर और कई मोबाइल फोन बरामद किये हैं. ये सभी ब्राउन शुगर को अवैध खरीद बिक्री के लिए बिहार से लेकर आ रहे थे. गिरफ्तार लोगों में जुबेर के खिलाफ 16, रोहित के खिलाफ छह और सुजीत के खिलाफ पांच मामले पूर्व से दर्ज हैं. एसएसपी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी.

खास बातें

- न्यू मार्केट स्थित ऑटो स्टैंड से हुई चारों की गिरफ्तारी
- आरोपियों के खिलाफ पहले से दर्ज हैं कई मामले

मौसम अगले दो-तीन दिन के लिए मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, गिरेगा पारा

फिर बिगड़ गया मौसम, राजधानी में हुई बारिश

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में रविवार की देररात दिन भर छाए रहे बादलों ने बरसात भी की. हल्की बारिश के साथ पारा भी गिर गया. गर्मी से लोगों को राहत मिली. इसी के साथ पूरे राज्य के मौसम में बदलाव हो गया है. मौसम विज्ञान केंद्र रांची के पूर्वानुमान के अनुसार रांची समेत राज्य के कई हिस्सों में रविवार से छाए आंशिक बादल अगले तीन दिन में बारिश भी ला सकते हैं. बारिश की शुरुआत रांची में हो गयी है. मेघगर्जन के साथ रांची में बारिश हुई. इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल रही हैं. इसे लेकर मौसम विभाग ने पूरे राज्य में यलो अलर्ट भी जारी किया है. मंगलवार को राज्य के दक्षिणी हिस्से सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ वज्रपात भी हो सकता है. वहीं रांची में बुधवार तक आंशिक बादल छाए रहने मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा होने का अलर्ट जारी किया गया है, जिससे तापमान में 3 से 4 डिग्री तक कमी होगी.

खास बातें

- 10 अप्रैल तक राजधानी में आंशिक बादल छाए रहेंगे
- कई स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ ही साथ बारिश भी होगी

कई जिलों का तापमान गिरा

बता दें कि शनिवार तक कई जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक था. लेकिन रविवार को गोड्डा को छोड़ कर कहीं भी पारा 40 के ऊपर नहीं गया. गोड्डा में अधिकतम तापमान 40 .2 डिग्री दर्ज किया गया. मौसम में बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली है. मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद की मानें तो आगामी दिनों रांची व आसपास के जिलों में आंशिक बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने के बाद तापमान में और गिरावट होगी. मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को सलाह दी है कि अगले तीन दिनों तक तेज हवा और वर्षा होने की संभावना है. इस कारण घर से बाहर निकलते समय छाता या रेनकोट अवश्य साथ रखें. वहीं, किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम का पूर्वानुमान देख कर ही अपनी फसलों की कटाई करें.

ऐसा रहा मौसम : पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य का मौसम शुष्क बना रहा. राजधानी रांची में दिन भर आसमान में बादल छाए रहे. तापमान में भी गिरावट दर्ज की गयी. रांची का अधिकतम तापमान 33 .8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 .2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. अचानक मौसम बिगड़ने से गर्मी से आम लोगों को भारी राहत मिली है. पश्चिमी विच्छोभ के चलते मौसम में अचानक यह बदलाव देखने को मिल रहा है. हालांकि किसानों के लिए यह बारिश आफत लेकर आयी है. खेत में तैयार फसल की कटाई में दिक्कत आ सकती है.

बेड़ो और लापुंग प्रखंड में हिंदू नववर्ष को लेकर व्यापक तैयारियां

संवाददाता। बेड़ो

हिंदू नव वर्ष को लेकर बेड़ो प्रखंड में निकाली जाएगी पथ संचलन, शोभा यात्रा भी निकाली जाएगी. इसकी व्यापक तैयारियां की गई हैं. सूत्रों के अनुसार बेड़ो प्रखंड के प्रखंड मुख्यालय सहित करांजी, खत्री खटंगा, पुरियो, मुरतो, महुगांव, पाकलमेडी, फादिलमरचा, हरिहरपुर जामटोली, हरहंजी, जमनी, पंडरा, जहानाबाज सहित विभिन्न गांवों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, एकल विद्यालय परिवार सहित विभिन्न संगठनों के द्वारा नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

उधर हिंदू नववर्ष को मनाने को लेकर विहिप व बजरंग दल लापुंग के बैनर तले विश्व हिंदू परिषद कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रसाद साहु की अध्यक्षता में लापुंग में नंदलाल साहू के घर में बैठक हुईं. इस बैठक में लापुंग प्रखंड के 11 पंचायत के दर्जनों गांव में 9 अप्रैल को घर घर व चौक चौराहा में भगवा व बजरंग बली का झंडा फहराने के साथ मंदिर में प्रसाद , हलवा, खिचड़ी का भोगने का निर्णय लिया गया. साथ ही मंदिर में सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा उक्त बातें लापुंग प्रखंड विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रसाद साहु ने कही. बैठक के दौरान इसके अलावे 14 अप्रैल को बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जयंती मनाने का निर्णय लिया गया. रामनवमी पूजा के बाद संगठन का विस्तार किया जाएगा. सर्व सम्मति से लापुंग प्रखंड विहिप सह मंत्री सुभाष बाउरी को बनाया गया. मौके पर संरक्षक नंदलाल साहू, सचिन कुमार राय, उपाध्यक्ष किश्वर साहू, बजरंग दल संयोजक बिरेंद्र साहू, अरविंद कुमार सिंह, अनिल कुमार साहू, कमल नाग, कंचन कुमार साहू, शिवशंकर साहू, सत्यनारायण महतो ,प्रमोद साहू, दिनेश्वर साहू व्योवृद्ध दशरथ साहू के अलावे अन्य विहिप कार्यकर्ता मौजूद थे.

खास बातें

- **बेड़ो में पथ संचलन व शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा**
- **लापुंग में सरना सनातन के घरों में भगवा लहराएगा : राम प्रसाद**

ब्रीफ खबरें

सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम में शामिल हों लोग: अजय

इटकी। सरहुल पूजा समिति कुन्दी के तत्वाधान में नौ अप्रैल को प्रखंड के कुन्दी मैदान में सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. कार्यक्रम में इटकी प्रखंड के अलावा बेड़ों, नगड़ी, लापुंग, मंडार, चान्हो सहित अन्य प्रखंड के दर्जनों खोड़हा टीम पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे. कुन्दी पूजा समिति के अध्यक्ष अजय मिंज ने बताया की कार्यक्रम की पूरी तैयारी कर ली गई है. कार्यक्रम में नृत्य प्रतियोगिता भी होगी. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है.

भाजपा नेता स्वामी देवेंद्र ने किया कई गांवों का दौरा

बुढ़मू। भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने रविवार को क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया. इस क्रम में उन्होंने अडरा, पतराटोली, बेड़वारी, खिजुरटोला आदि गांवों में ग्रामीणों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में मतदान करने की अपील की. स्वामी ने कहा कि विगत दस वर्षों में भाजपा सरकार ने देश का सर्वांगीण विकास किया है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं समेत सभी वर्गों के विकास के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं बनाई है. मौके पर उदय कुमार, मंडल अध्यक्ष लाल अमृत महतो, जयकुमार साहु, मनबहाल साहु समेत अन्य मौजूद थे.

सिल्ली में जय श्रीराम कमेटी ने की बैठक

सिल्ली/मुरी। जय श्री राम कमेटी मुरी सिल्ली की ओर से एक बैठक का आयोजन मुरी टुंगरी पार्क में रविवार को किया गया. जिसकी अध्यक्षता दिनेश साहू एवं संचालन प्रेम प्रजापति ने किया. बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जय श्री राम कमेटी की ओर से श्री राम शोभा यात्रा झांकी निकाला जाएगा. यह झांकी सिल्ली ग्राम विकास स्कूल से होते हुए झारखंड मोड़,बड़ा मुरी, छोटा मुरी ए टाइप दुर्गा पंडाल के समीप संपन्न किया जाएगा. कमेटी के सदस्यों से आग्रह किया गया है कि गांव गांव जाकर झांकी के बारे में बताएं तथा ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर सफल बनाएं. इस मौके पर चंद्र मोहन महतो, साधु महतो, विनोद साहू, कमलेश दुबे, प्रवीण पांडेय आदि लोग उपस्थित थे.

झारखंड-बंगाल सीमा पर पुलिस ने की वाहनों की जांच

सिल्ली। रांची-पुरुलिया मार्ग पर मुरी में बंगाल सीमा के समीप पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया. इस दौरान दो और चारपहिया वाहनों की जांच की गयी. पुलिस ने बताया कि लोकसभा चुनावों को लेकर सीमा पर कड़ाई से वाहनों की जांच हो रही है. रविवार को पुरुलिया में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कार्यक्रम था. इस कारण बंगाल सीमा पर वाहनों की जांच की गयी.

ट्रक की चपेट में आने से दो बाइक सवार घायल

चान्हो। बीजुपाड़ा-खलारी मार्ग पर बलथरवा के निकट रविवार को टर्बो ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार तौसिफ कुरैशी (21) व समीर कुरैशी (22) घायल हो गये. दोनों कुड़ू के लापुर गांव के रहनेवाले हैं. घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया. घटना रविवार की सुबह करीब नौ बजे घटी. बताया जाता है कि दोनों युवक बाइक से खलारी जा रहे थे. इसी क्रम में सामने से आ रहे ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया.

धनबाद रेल मंडल के 107 स्टेशनों पर एक भी नल नहीं

ए-वन, ए और बी श्रेणी के स्टेशनों पर है नल, सी श्रेणी के स्टेशन पर कोई ध्यान नहीं, 24 साल से है जल संकट

74 रेल मंडल के स्टेशन पर वाटर बूथ की व्यवस्था की जाए

- धनबाद रेल मंडल के अधिकारी पिछले कई वर्षों से माल ढुलाई में सबसे अधिक कमाई कर नंबर वन बने हैं

राजा गुप्ता। धनबाद

धनबाद रेल मंडल के 189 स्टेशनों में 107 स्टेशनों पर एक भी नल नहीं यानी वाटर बूथ तक नहीं हैं. जबकि रेलवे बोर्ड का सख्त निर्देश है कि भारतीय रेलवे के धनबाद समेत 74 रेल मंडल के सभी स्टेशन पर वाटर बूथ की व्यवस्था की जाए. इतना ही नहीं शीतल पेयजल नल का भी अलग से वाटर बूथ होना चाहिए, लेकिन रेलवे के अधिकारियों को यात्रियों की सुविधा से कोई लेना देना नहीं रह गया है. यात्री सुविधा के नाम पर नेता हो या फिर अधिकारी, सिर्फ बड़े-बड़े दावे करते हैं. रेलवे में कई बार यात्री सुविधा व स्वच्छता अभियान को लेकर अधिकारियों की टीम धनबाद समेत कई स्टेशनों का दौरा करती है. यात्रियों से फिडबैक भी लेती है, लेकिन सबकुछ ढाक के तीन पात ही साबित होते हैं. रेलवे सूत्रों के अनुसार धनबाद हो या फिर अन्य रेल मंडल, सभी जगहों के अधिकारी ठेका कार्यों व अपनी सुविधा के साथ-साथ माल ढुलाई पर ध्यान देते हैं, ताकि खुद को रेलवे मुख्यालय की नजर में अव्वल साबित हो सके. यही हाल धनबाद रेल मंडल के अधिकारियों का है.

कई जगहों पर लगे चापानल हो गए बेकार

डोकरा हाल्ट
DOKRA HALT
भूली बी.एच.
BHULI B.H

धनबाद मुख्यालय, लेकिन भूली व डोकरा में नल नहीं

यात्रियों का कहना है कि धनबाद रेल मंडल का मुख्यालय धनबाद है, लेकिन यहां के स्टेशन के बगल में पूर्व की ओर डोकरा और पश्चिम दिशा में भूली है. धनबाद स्टेशन के पड़ोसी स्टेशन होने के बावजूद दोनों जगहों पर एक भी नल तक नहीं है. शीतल पेयजल वाटर बूथ की व्यवस्था तो दूर की बात है. यात्री कहते हैं कि भीषण गर्मी में धूप में खड़े होकर ट्रेन पकड़ना पड़ता है. हाइ लेबल प्लेटफॉर्म तक नहीं है. शेड, शौचालय और बैठने के लिए लोहे या सीमेंटेड चेयर तक नहीं दी गई है. रेलवे के अधिकारी धनबाद रेल मंडल पूर्वी रेलवे कोलकाता से हाजीपुर जोनल मुख्यालय से जुड़ने के बाद आजतक झांकने तक नहीं आए हैं. मंडल या जोनल मुख्यालय के अधिकारी सिर्फ बड़े स्टेशनों का ही निरीक्षण करने आते हैं. छोटे स्टेशनों पर तभी आते हैं, जब कोई हादसा होता है. यात्री बताते हैं कि धनबाद स्टेशन पर आठ प्लेटफॉर्म है, जबकि सभी प्लेटफॉर्म पर लगे नलों में अधिकतर से पानी नहीं निकलता है. वाटर एटीएम भी लगभग बंद रहता है, जहां पांच रुपये लीटर पानी मिलता है. लोग दुकानों से ही मिनरल वाटर खरीद कर प्यास बुझाते हैं.

ट्रेन रुकते ही बोतल में पानी भरने के लिए दौड़ते रहते हैं यात्री

लोगों का कहना है कि जब छोटे स्टेशनों पर ट्रेनें रुकती है, तो यात्री खाली बोतल में पानी भरने के लिए प्लेटफॉर्म पर दौड़ते रहते हैं, लेकिन नल नहीं मिलता है. कहीं चापानल दिख गया तो वह भी खराब रहता है. इसी बीच ट्रेन खुल जाती है और यात्री दौड़कर कोच में चढ़ जाते हैं. फिर कुछ यात्री आपस में बात करते हैं कि यही हाल धनबाद रेल मंडल का, जो खुद को भारतीय रेलवे में नंबर वन का खिताब हासिल करती है. इस रेल मंडल में यात्रियों को बुनियादी सुविधा भी नसीब नहीं होती है. अगर देखा जाए तो सिर्फ ए-वन, ए और बी श्रेणी के स्टेशनों पर ही गिने-चुने नल है. बाकी सी श्रेणी के स्टेशनों पर नल या वाटर बूथ नहीं है. 24 साल से दर्जनों स्टेशनों पर जल संकट है, लेकिन अधिकारी जल संकट दूर करने नहीं आते हैं. रेलवे बोर्ड का आदेश फाइलों में कैद है. कई जगहों पर लगे चापानल भी बेकार हो गए है. धनबाद रेल मंडल के प्रधानखंता से मानपुर, धनबाद से चंद्रपुरा, गोमो से बरकाकाना, बरकाकाना से सिंगरौली, बरकाकाना से हजारीबाग टाउन, कोडरमा से महेशपुर के बीच छोटे-छोटे स्टेशनों पर भीषण गर्मी में जल संकट होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है.

बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाखों की दवाएं हुईं एक्सपायर

संवाददाता। साहिबगंज

एक ओर साहिबगंज में सरकारी अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को दवाई नहीं मिलती तो दूसरी ओर बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाखों की जीवन रक्षक दवाईयां एक्सपायर कर गई. अस्पताल में उपलब्ध आयरन एंड फॉलिक एसिड सीरप, आयरन एंड फॉलिक एसिड के टैबलेट, फोरस सल्फेड एंड फोलिक एसिड टैबलेट आईपी, फोरस सल्फेड एंड फोलिक एसिड सिरप के अलावे हरतिका चूर्ण, ग्लूकोज, निरोध सहित लाखों रुपये की अन्य दवाएं एक्सपायर हो गई है. उन दवाओं को अस्पताल परिसर अंतर्गत एक निर्माणाधीन भवन के कमरे में रखा गया है. जानकारी के अनुसार ये दवाएं 2019 में ही एक्सपायर हो गयी है.

सरकार के दावों पर पानी फेर रहे लापरवाह कर्मी : सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने का लगातार दावा कर रही है. मगर सरकार के दावों पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों की लापरवाही से पानी फिर रहा है. एक ओर सरकारी अस्पताल आने वाले मरीजों को जरूरी दवाएं नहीं मिलती तो दूसरी ओर लाखों रुपये की दवाएं एक्सपायर कर जा रही है. दवाओं के एक्सपायर होने की खबर सुनकर साहिबगंज के लोग गुस्से में हैं. लोगों का कहना है कि अगर जरूरत नहीं थी तो इतनी दवाएं क्यों मंगवाई गई. उन दवाओं को दूसरे स्वास्थ्य केंद्र में क्यों नहीं भेजा गया. जब हमलोग अस्पतला आते हैं तो डॉक्टर दवा लिख देते हैं, मगर अस्पताल में दवाई मिलती ही नहीं है. बाहर से लेने बोल दिया जाता है. वहीं अस्पताल में रखे-रखे लाखों की दवा एक्सपायर कर जा रही है. इसके जिम्मेवारों पर कार्रवाई होनी चाहिए. बरहरवा सीएचसी में इससे पहले भी एक्सपायर दवाएं मिल चुकी है. वर्ष 2020 के नवंबर माह में बरहरवा सीएचसी के निर्माणाधीन क्वार्टर बिल्डिंग के एक कमरे में सैकड़ों की संख्या में एक्सपायर हो चुके आयरन एंड फोलिक एसिड के सिरप बरामद हुए थे.

जब्त वाहनों को कृषि बाजार में रखा जाता है, इन वाहनों में ही लगी आग

कृषि बाजार में आग, 15 वाहन राख

संवाददाता। धनबाद

बरवाअड्डा कृषि बाजार प्रांगण में रविवार की दोपहर आग लगने की घटना से अफरा-तफरी मच गई. आग की चपेट में आकर वहां रखे हुए 10-15 वाहन जलकर राख हो गए. बरवाअड्डा पुलिस कृषि बाजार में ही जब्त किए गए वाहनों को कई सालों से रखती आ रही है. आग इन्हीं वाहनों में लगी थी. आग की घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में पुलिस के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है.व्यापारियों का कहना है कि यदि आग का दायरा बढ़ जाता तो फिर यहां खड़े सैंकड़ों ट्रक और दुकानों में रखा तेल, अनाज-फल आदि भी जलकर राख हो जाते.

बताते चलें कि धनबाद कृषि बाजार के कैंपस में ही बरवाअड्डा पुलिस जब्त वाहनों को रखती है. यहां पर दर्जनों वाहन खड़े रखे गए हैं. इन वाहनों के चारों तरफ झाड़ियां भी उग चुकी है. इन झाड़ियों में ही किसी तरह आग लग गई और फिर आग ने वाहनों को चपेट में ले लिया. आग और धुआं का अंबार देखकर व्यापारियों में हड़कंप मच गया. सभी लोग दुकानदारी छोड़ कर आग बुझाने में जुट गए. मामले की खबर लोकल पुलिस को अग्निशमन विभाग को दी गई. बिना विलंब किए ही अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को काबू करने में जुट गई. इसी स्थल पर जहां वाहन रखे हुए थे, वहां पर झाड़ियां उग आई थी, किसी कारण इन झाड़ियों में आग लग गई और वाहन जलने लगे. मामले खबर अग्निशमन विभाग की दी गई. विभाग की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत की, खबर लिखे जाने तक आग पर लगभग काबू पा लिया गया है. हालांकि 10 से 15 वाहनों के जलने की बात कही जा रही है.

तैयारी

पाहन, पुजार, महतो व पड़हा राजा सहित ग्राम प्रधान शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे

लापुंग में कल निकलेगी सरहुल की भव्य शोभायात्रा

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड में प्रखंड स्तरीय सरहुल मिलन सह शोभायात्रा की व्यापक तैयारियां की गई है. सापुकेरा पंचायत के पूर्व मुखिया सह कमिटी के उपाध्यक्ष जयंत बरला ने बताया कि ढोल नगाड़ा के साथ प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर नौ अप्रैल को विशाल सरहुल शोभा यात्रा निकाली जाएगी. शोभा यात्रा का शुभारंभ सापुकेरा बाजार टांड़ से किया जाएगा. सरहुल शोभा यात्रा को लेकर जयंत बरला, विश्वनाथ मुंडा, समीर मुंडा, संजय उरांव, सविता उरांव, धनिया मुंडा, पुनई उरांव, सुखु मुंडा, विजय बरला, मनिन्द्र मुंडा, सुखु लोहरा, बिरसा मुंडा, गमलेन कुजूर, दुर्गा उरांव जतरू मुंडा, लखना मुंडा, विमल मुंडा, पुना मुंडा रंजीत मुंडा एतवा होरो रंथु उरांव, रंजीत उरांव, खदिया उरांव, पवन मुंडा, बुधुवा पाहन,अजय बरला बंधना भेंगरा, पंकज खाखा, बंधु उरांव, मनसा मुंडा, सुभाष मुंडा, लाधु मुंडा सहित बिलकन मुंडा को लेकर आयोजन समिति गठित की गई है. लापुंग प्रखंड के दर्जनों गांवों के खोड़ड़ा नृत्य दल शोभायात्रा में शामिल होंगे. इसे लेकर अलग-अलग गांव से आने वाली सरहुल शोभायात्रा की टीमें संयुक्त रूप से एकजुट होकर लापुंग के मुख्य मार्ग में नृत्य और संगीत से लोगों को खूब आकर्षित करेंगे. पाहन पुजार एवं महतो सहित पड़हा राजा, पईनभरा, कोटवार, दीवान सहित गांव के ग्राम प्रधान जुलूस की अगुवाई करेंगे. इस दौरान दानेकेरा, सारंगलोया, कोयनारा, सापुकेरा, गटेया टोली, भागलपुर, गरई, फतेहपुर ककरिया दोलैचा लालगंज सुकुरहुटू दानेकेरा महुगांव सहित दर्जनों गांवों से लोग सरहुल शोभायात्रा में शामिल होंगे .

न्यूज अपडेट

बुढ़मू में रात के अंधेरे में हो रही बालू की ढुलाई

बुढ़मू। करेडारी थाना क्षेत्र के चूरू गाढ़ा, बिंजा, पाताल सहित अन्य घाटों से अवैध बालू का उठाव जारी है.रोजाना 500 ट्रैक्टर व ट्रबो वाहनों से अवैध बालू का ढुलाई जारी है.रात के अंधेरे में अवैध बालू का उठाव जारी है. अवैध बालू रांची व आसपास के क्षेत्रों में बेचा जाता है. जबकि अभी तक बालू घाटों से उठाव के लिए सरकार से किसी तरह का आदेश जारी नहीं हुआ है. वहीं हर चौक चौराहे पर पुलिस की चेकिंग के बाद भी कैसे बालू अपने गंतव्य तक जा रहा है .ये सोचने वाली बात है. वहीं सूत्रों की माने तो हर ट्रैक्टर व ट्रबो को पास कराने के लिए पैसा बंधा है. जिससे रोजाना लाखों रूपये का खेल सिर्फ अवैध बालू के कारोबार से होता है.

भाईचारा के साथ मनायें त्योहार : थाना प्रभारी

बुढ़मू। सरहुल व ईद त्योहार को लेकर रविवार को ठाकुर गांव थाना में शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी विनीत कुमार की अध्यक्षता में हुई. बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने गश्ती बढ़ाने की बात कही. मौके पर जिप सदस्य मनोज वाजपेयी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर कारवाई करने की मांग किया. थाना प्रभारी ने कहा कि पर्व के दौरान अशांति फैलाने वालों पर कड़ी कारवाई किया जाएगा. साथ ही उन्होंने कहा कि जुलूस में आपत्तिजनक गाना बजाने पर कारवाई किया जाएगा. मौके पर पंसस गौरव कुमार,सरना समिति के अध्यक्ष शिवशंकर उरांव, कमल मोदी,कयूम अंसारी,लाल पशुपतिनाथ शाहदेव,परिबा साहु समेत अन्य मौजूद थे.

असंतुलित हो बाइक सवार नाले में गिरे, तीन घायल

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र फतेहपुर ककरिया सड़क पर जम्हार बाजार से लौट रहे पल्सर बाइक सवार तीन युवक टर्निंग में बने चोरकाटा पुलिया पर टक्कर मारकर चोरकाटा नाला में रविवार को शाम लगभग 4:30 बजे बाइक समेत गिर गए. गिरने से तीनों बाइक सवार घायल हो गए. सुकरा उरांव सहित आसपास के लोगों ने प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव की मदद से जल्दी से एंबुलेंस बुलवाकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लापुंग भेजा. घायलों में कुरकुरिया के निकट कर्रा थाना क्षेत्र के बुढ़रोमा निवासी 18 वर्षीय सुशील बाडा, पलसा कर्रा निवासी 20 वर्षीय प्रकाश किंडो तथा लापुंग चम्पाडीह निवासी 18 वर्षीय नामजन होरो शामिल हैं.

आपस में खुशियां बांटे, अफवाह ना फैलाएं:डीएसपी

चान्हो। थाना परिसर में रविवार को ईद सरहुल रामनवमी और चैती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई. इसकी अध्यक्षता खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी ने की. थाना प्रभारी अजीम अंसारी ने कहा कि सभी पर्वों को मिलजुल कर मनाए. आपस में खुशियां बांटे. अफवाहें ना फैलाएं. पुलिस को भी सहयोग करें. साथ ही कहीं कोई घटना हो जाए तो पुलिस को सूचित करें. कानून को अपने हाथ में ना ले. जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी ने अपने सुझाव में कहा कि हमें सभी धर्मो का सम्मान करना चाहिए. हमारे भारत की सांस्कृतिक विशेषता है कि यहां पर सभी धर्म के लोग एक दूसरे समुदाय के धर्म को भी विशेष तौर पर सम्मान देते हैं. कहीं अशोभनीय घटनाएं हो जाती है तो थाना को सूचित करें. इसमें मुख्य रूप से समाजसेवी अजित सिंह, जुल्फान अंसारी, मुखिया महादेव उरांव, मोहन ताम्रकार, मोरहा उरांव समेत अन्य लोग मौजूद थे.

मुरी ओपी में शांति समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता। सिल्ली/मुरी। आगामी ईद, सरहुल और रामनवमी पर्व को देखते हुए मुरी ओपी थाना के प्रांगण में रविवार की शाम शांति समिति की बैठक का आयोजन थाना प्रभारी कुंदन सिंह के नेतृत्व में किया गया. बैठक में आए हुए सभी गणमान्य एवं समाजसेवियों ने सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण मनाने के लिए अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए. बैठक का संचालन मोहम्मद फारूक ने किया. बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी कुंदन सिंह ने कहा कि त्योहारों एवं जुलूस या जलसे में भड़काऊ या अश्लील गानों का इस्तेमाल करने से बचे. अफवाहों से दूर रहे. बैठक में उल्लेख किया गया है इन सारी बातों को अपने-अपने क्षेत्र के और भी लोगों को साझा करें ताकि उन्हें सही जानकारियां मिल सके. साथ ही साथ आए हुए लोगों को त्योहारों की अग्रिम शुभकामनाएं एवं बधाइयां भी दी.

झामुमो नेता साकिर अंसारी ने दिया दावत-ए-इफ्तार

ओरमांझी। झामुमो के युवा मोर्चा के अध्यक्ष साकिर अंसारी ने अपने आवास में रविवार को दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया. दावत-ए-इफ्तार के पूर्व देश में अमन चैन की दुआ मांगी गई. वहीं, साकिर अंसारी ने कहा कि दावत-ए-इफ्तार से आपसी भाईचारगी बढ़ता है. लोगों को एक- दूसरे से मिलने का मौका मिलता है. दावत-ए-इफ्तार के आयोजन का उद्देश्य आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाना है.मौलाना सनाउल्लाह सहाब ने बताया कि रमजान में रोजा इफ्तार दावत का विशेष महत्व है. मौके पर मुख्य रूप से जेएमएम पार्टी के उपाध्यक्ष मोहम्मद सज्जाद अंसारी, साजिद कौसर, रिजवान अंसारी, इम्तियाज ओहदार, साबिर अंसारी, नसीम अंसारी, शमीम अंसारी, आदिल अनवर, मुस्तफा अंसारी, एजाज अंसारी, छोटे सरकार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

राय में 14 को सरहुल, तैयारी में जुटी आयोजन समिति

पिपरवार। खलारी प्रखंड अंतर्गत राय के अंबेडकर खेल मैदान में आगामी 14 अप्रैल को सरहूल महोत्सव का भव्य आयोजन करने की तैयारी चल रही है. महोत्सव की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति के सदस्यों की एक बैठक रविवार को राय पंचायत सचिवालय में हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महोत्सव में मेला के आयोजन के साथ नागपुरी आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया जाएगा. सरहूल महोत्सव के दिन सुबह 11 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी . बैठक में शामिल आयोजन समिति के सदस्यों में विजय पहान, दुर्गा प्रसाद महतो, संतोष प्रजापति, लखन लाल महतो, कालेश्वर महतो, दीपक मद्रासी, हब्बू महतो , लोकन महतो, संदीप महतो, प्रेम महतो, नीरज मुंडा, दिलचंद महतो, सीटू महतो शामिल थे.

नवरात्र को लेकर निकली कलश यात्रा, 17 तक रहेगी उत्सव की धूम

- जीवंत झांकी ने सबका मन मोहा
- भक्ति गीतों पर खूब झूमे श्रद्धालु

संवाददाता।रांची

श्रीराधाकृष्ण मंदिर, कृष्णा नगर कॉलोनी में इस बार भी नवरात्र उत्सव की धूम रहेगी. इसको लेकर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी. इसमें मां की जीवंत झांकियों के साथ बड़ी संख्या में कलशधारी महिलाओं और श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. श्रीशिव-दुर्गा मंदिर, रातू रोड से सुबह आठ बजे ढोल-मंजिरा की ताल पर झूमते हुए भक्तगण निकले तो वातावरण में मनोहारी छटा छा गयी. मंदिर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों संग चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति सहित कई धार्मिक संगठनों के अध्यक्ष रमेश सिंह, पूर्व पार्षद अशोक यादव अगुवाई करते बढ़े तो पीछे से भजन मंडली के कलाकारों संग श्रद्धालु भी साथ हो लिए. फिर जीवंत झांकी के वाहन के साथ-साथ माथे पर कलश उठायी महिलाएं जयघोष करते हुए आगे बढ़ती रही. यात्रा जिधर से गुजरती स्थानीय निवासी श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत करते. सभी के बीच पेय जल, शरबत और खाने-पीने का सामान बांटते. यह नजारा दिन के साढ़े 11 बजे तक आम रहा. कॉलोनी की विभिन्न गलियों से गुजरकर भक्तगण कॉलोनी के राधाकृष्ण मंदिर आये. अब राधाकृष्ण मंदिर, कृष्णा नगर कॉलोनी में सोमवार की शाम चार बजे से सुंदरकांड का पाठ किया जायेगा. मंगलवार को नेम-निष्ठा से मंदिर में यहां घट स्थापित किया जायेगा. पूजा-पाठ 17 अप्रैल तक चलेगा. इस बीच व्रतधारी और श्रद्धालु नित्य मां के विविध स्वरूप से ध्यान धर पूजा-अर्चना करेंगे. दुर्गा सप्तशती का पाठ भी होगा.अरुण जसूजा ने बताया कि अंतिम दिन रामनवमी के मौके पर पूर्वाह्न 11 से दोपहर तीन बजे तक भक्ति गीतों के कार्यक्रम का खास आयोजन किया जायेगा.

बहायी भक्ति गीतों की धारा

शोभायात्रा में केसर पपनेजा, मनोज किंगर, पवन, मनुज, चंदन सिडाना, ज्योति अरोड़ा और श्रीदुर्गा जागरण मंडली के अन्य कलाकारों ने यात्रा के दौरान रास्ते भर भक्ति की अविरल धारा बहाते रहे. वहीं ओम मंदिर, शनि मंदिर, भक्ति चौक, बहावलपुरी पंजाबी समाज, शिव बारात आयोजन समिति, झंडा चौक सहित कॉलोनी के लोगों ने अपने-अपने घरों के सामने यात्रा में शामिल भक्तों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया.

इन्होंने निभाई भागीदारी

मंदिर के प्रधान मनोहर लाल जसुजा, मुखी राधेश्याम किंगर, चंद्रभान तलेजा, केसर पपनेजा, नंद किशोर अरोड़ा, हरीश अरोड़ा, गोपाल दास सरदाना, निखिल घेई, हरीश मनुजा, किशोरी पपनेजा, किशोरी मुंजाल, रौनक मिढ्ढा, सुनील कटारिया, विनीत अरोड़ा गौरी शंकर मादन पोत्रा, विकास घई, रोहित तलेजा, गौरव किंगर, हरीश मनुजा, नरेश अरोड़ा, विशाल अरोड़ा, देवराज मनुजा, मुकेश सिडाना, नरेश खत्री, विनीत अरोरा, भरत मुंजाल, पंकज मल्होत्रा, जिम्मी अरोड़ा, गगन अरोड़ा, जगदीश घेई, विशाल मल्होत्रा, शशि किंगर, पूनम तलेजा, किरण अरोड़ा, रीना सिडाना, संगीता मिढ्ढा, रूबी अरोड़ा, रश्मि काठपाल, पलक मिढ्, पूजा जसूजा, कौशल्या देवी, किरण अरोड़ा, जानकी देवी जसूजा, कामना खत्री, चेतना सिडाना, पूजा जसूजा, बबीता पपनेजा, अनु आनंद आदि ने यात्रा में खास तौर से हिस्सा लिया.

न्यूज अपडेट

शोधार्थी को हमेशा संयम रखना चाहिए : प्रो. सिन्हा

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में तीन दिवसीय शोध क्रियाविधि विषय पर आयोजित कार्यशाला का समापन हुआ. अंतिम सत्र में सिद्धो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एचपी शर्मा व रांची विश्वविद्यालय के सलाहकार प्रो. बीके सिन्हा शामिल हुए. प्रो. एचपी शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध विषय को जानना बहुत जरूरी है. ऐसे आयोजनों में प्रत्येक शोधार्थी को भाग लेना चाहिए, ताकि विषय सम्बंधित ज्ञान प्राप्त कर सके. इस तरह की कार्यशाला के आयोजन के लिए महाविद्यालय को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए. वहीं प्रो. बीके सिन्हा ने बताया कि शोध करते समय चुनौतियों को सरल तरीके से समाधान करना चाहिए. शोधार्थी को हमेशा संयम रखने की आवश्यकता है. समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. फादर नाबोर लकड़ा ने प्रतिभागियों को निरंतर मेहनत करते रहने की अपील की. कार्यशाला के समापन के पश्चात प्रतिभागियों को पुस्तक व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया.

जेसीआई के शिविर में 25 युवाओं ने किया रक्तदान

रांची। जेसीआई रांची यूथ रक्तदान शिविर रविवार को अपर बाजार स्थित सेवा सदन परिसर में लगाया गया, जिसमें करीब 25 युवाओं ने रक्तदान किया. संस्था के पूर्व अध्यक्ष प्रतीक भदनी ने रक्तदान कर इसकी शुरुआत की. संस्था अध्यक्ष सोनल अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. शिविर में सेवा सदन के चिकित्सकों की टीम शामिल थी. उन्होंने बताया कि रक्तदान करने से शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा स्वस्थ होती है. रक्तदान शरीर में मौजूद रक्त को पूर्ण जीवित करने में सक्षम होता है. रक्तदान शरीर से अतिरिक्त आयरन निकालने का बेहतरीन तरीका है, रक्तदान से कोलेस्ट्रॉल घटाने में मदद मिलती है और शरीर में नया खून तेजी से बनता है. रक्तदान से शरीर में नयी ऊर्जा का संचार होता है और हमारी त्वचा साफ एवं सुंदर बनती है. सफल बनाने में संयोजक मनीषा सोनथलिया, गुणीत सिंह, मोनिका गोयनका, नितिन सिंह, सज्जन अग्रवाल, प्रवीण कुमार, सुभनिश सोन्थलिया, वरुण आदि शामिल हैं.

पश्चिमी क्षेत्र से निकाला जाएगा भव्य जुलूस

रांची। विश्वनाथ शिव मंदिर, पिस्का मोड़ में रविवार को श्रीमहावीर मंडल पश्चिमी क्षेत्र की बैठक हुई. इसमें भव्य रूप में रामनवमी जुलूस निकालने को लेकर विचार-विशर्म किया गया. साथ ही क्षेत्र के अखाड़ाधारी, झंडाधारी और विभिन्न मंडलों के साथ ताल-मेल कर सब को संगठित करने की रणनीति बनायी गयी. बैठक की अध्यक्षता करते हुए शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि जल्द ही क्षेत्र के रामभक्तों की बैठक बुलायी जायेगी, जिसमें पश्चिमी क्षेत्र श्रीमहावीर मंडल का विस्तार किया जायेगा. उन्होंने बताया कि 17 अप्रैल को महारामनवमी महोत्सव के मौके पर दोपहर बाद बाजरा और पंडरा से श्रद्धालु महावीर पताका के साथ अस्त्र-शस्त्र का परिचालन करते हुए निकलेंगे. पिस्का मोड़ में सभी का मिलन होगा. इसके बाद सभी साथ मिल कर तपोवन की ओर प्रस्थान करेंगे. जैसे-जैसे जुलूस बढ़ता जायेगा. पश्चिमी क्षेत्र के अखाड़ाधारी, झंडाधारी और मंडलों का कारवां भी बढ़ता जायेगा. उन्होंने बताया कि इलाके के सभी मंदिरों से जुड़े लोग भी इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लेंगे. बैठक में खूबलाल कुमार, बिरेंद्र प्रसाद, कुशल सिंह, अरविंद तिवारी, विवेक सिंह, नमित लाल, संतोष सहाय, प्रवीण कुमार ओझा, पंकज कुमार गुप्ता आदि मौजूद थे.

डीआईजी ने जमीयतुल कुरैश पंचायत के कार्यों को सराहा

कांटाटोली जामा मस्जिद में पूरी हुई तरावीह की नमाज

संवाददाता।रांची

शहर की पुरानी तथा ऐतिहासिक मस्जिदों में से एक कांटा टोली के कुरैशी मुहल्ला स्थित जामा मस्जिद में बरसों से चली आ रही परंपरा के तहत इस वर्ष भी माहे रमजान के मुबारक महीने के 27वीं रमजानुल मुबारक के दिन खत्म ए तरावीह हुई. इस मौके पर जलसे का आयोजन किया गया.

जमीयतुल कुरैश पंचायत द्वारा संचालित जामा मस्जिद कुरैशी मुहल्ला में तरावीह के मौके पर डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम भी शामिल हुए. उन्होंने एशा और तरावीह की नमाज यहीं मस्जिद में अदा की. तरावीह की नमाज के बाद जमीयतुल कुरैश पंचायत की ओर से नजराना की राशि इमाम व मुअज्जिन, नाएब मुअज्जिन के बीच तकसीम (बांटा) की गयी. आवाम से करीब एक लाख उन्नासी हजार की राशि एकत्रित हुई, जिसमें तरावीह की नमाज पढ़ाने वाले हाफिज कैसर को एक लाख एकावन सौ रुपए मात्र नजराना डीआईजी नौशाद आलम के हाथों पेश किया गया. जामा मस्जिद के इमाम व खतिब मौलाना मंजूर हसन बरकाती को जमीयतुल कुरैश के प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने छत्तीस हजार रुपए नजराना दिये. मुअज्जिन हाफिज शाहीद रजा को जमीयतुल कुरैश के सदर गुलाम गौस कुरैशी ने छब्बीस हजार, नायब मुअज्जिन महबूब मियां को जमीयतुल कुरैश के पूर्व सदर फिरोज कुरैशी ने अपने हाथों बारह हजार रुपए नजराना पेश किये. मौके पर सभी को कपड़े भी दिये गये.

वहीं मस्जिद में इतेकाफ पर बैठे सभी साथियों को साफा पहना कर सम्मानित किया गया. डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि जमीयतुल कुरैश पंचायत बहुत पुरानी और सामाजिक संस्था है. इसका अपना एक इतिहास है. सामूहिकता में एकता है और इसी में ताकत है. यह काम जमीयतुल कुरैश पंचायत बाखूबी करती चली आ रही है. मैं जहां कहीं भी कार्यक्रम में जाता हूं तो जमीयतुल कुरैश पंचायत की सराहना मिलती है.

उन्होंने कहा कि हम सभी आदम और हव्वा की संतान हैं. कुरआन में इसका जिक्र है, वही आदमी हव्वा का जिक्र बाइबल में एडम और इवी के रूप में हुआ है और मनुस्मृति में स्वायंभुव मनु और प्रथम स्त्री को शतरूपा के रूप में जाना जाता है. कहने का अर्थ यही है कि हम-सबका मालिक एक है और सबको मिल जुलकर रहना चाहिए. किसी के बहकावे में आने से समाज को नुकसान होता है. वहीं हाफिज कैसर व हाफिज आशिक ने नात शरीफ पेश कर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया.

तकरीर से लोगों को बांधे रखा : मंजूर हसन बरकाती ने अपने तकरीर से लोगों का बांधे रखा. मंच संचालन सरपरस्त नौशाद कुरैशी ने किया. सहयोगी सदस्यों में आफताब कुरैशी, सोनू कुरैशी, जमीयतुल कुरैश पंचायत के महासचिव परवेज कुरैशी, उपाध्यक्ष अफरोज लड्डन कुरैशी, बब्लू कुरैशी, मुस्तफा कुरैशी, बारिक, हाजी अजीम कुरैशी, युनूस कुरैशी, हाजी मिन्हाज, साजिद, गुलाम रसूल कुरैशी, नौशाद खान, फिरोज खान, जुल्फी कुरैशी, आमिर कुरैशी, तजमुल कुरैशी, खलील कुरैशी, बशीर कुरैशी, जाबिर कुरैशी, मुनाज कुरैशी, कौशर कुरैशी, हकीम, गफ्फार खान, मुन्ना कुरैशी, फरहाद कुरैशी, आशिक कुरैशी आदि मुहल्लेवासी शामिल थे.

खास बातें

- 27वीं रमजानुल मुबारक के दिन हुआ जलसा का आयोजन
- डीआईजी नौशाद ने पढ़ी एशा और तरावीह की नमाज

माह-ए-रमजान

रमजान में खूब दुआ करनी चाहिए होती है कुबूल : मौलाना माजिद

रांची। मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि रमजान उल मुबारक में दुआ कसरत से कुबूल होती है. इस लिए रमजान के इस मुबारक मौके पर बंदों को खूब दुआ मांगनी चाहिए. सच्चे मन से मांगी गई दुआ कुबूल होती है. जो गलती करते हैं, उस पर अपनी गलती का एहसास कर दुआ मांगते हैं. अपनी गलती मान दुआ मांगने वालों को अल्लाह बेहद पसंद करता है. वहीं जो गलती कर उस पर अड़ जाते हैं कि यही सही है. यह बड़ी गलती होती है. इसे ही घमंड कहते हैं, यह गुरूर है. जो अल्लाह को हरगिज पसंद नहीं है. इसलिए बंदों को अपनी गलतियों की माफी हमेशा मांगनी चाहिए. फिलिस्तीन की हिफाजत की, पूरी कायनात में अमन चैन बहाल की, सभी की खुशहाली की दुआ मांगी.

नन्हे रोजेदार

बारह साल के नबी नवाज ने रखे 27 रोजे

रांची। डोरंडा गुलजार अहमद का 12 वर्षीय पुत्र नबी नवाज ने रविवार को अपने 27 रोजे पूरे किये हैं. नवाज हुदैबिया इंटरनेशनल स्कूल में पांचवीं कक्षा का छात्र है. बच्चा रोजा रखने के साथ स्कूल भी पढ़ने के लिए जाता है. समय पर सेहरी में उठ जाता है. सेहरी कर अपने पिता के साथ नमाज पढ़ने जाता है. घर पर अपने छोटे भाई बहनों को भी दीन के बारे में बताता है. बच्चे के इस जज्बे से घर परिवार के सारे सदस्य काफी खुश हैं. आस पड़ोस एवं रिश्तेदारों को जब नवाज के रोजा रखने के बारे पता चला तो लोग बच्चे के इस हौसले को बढ़ाते हुए मुबारकबाद दे रहे हैं, जिससे नवाज काफी खुश है.

ईश्वर सबपर करुणा करता है : आर्च बिशप

रांची। कोकर स्थित एंजेल चर्च में रविवार को महाधर्माध्यक्ष आर्च बिशप विसेंट आइंद ने सैकड़ों बच्चियों को पहला मिस्सा बलिदान एवं परम प्रसाद संस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर आर्च बिशप ने अपने संदेश में कहा कि ईश्वर सब पर करुणा करता है. उसने हम मनुष्य पर क्रूस पर से ही अपनी करुणा प्रदर्शित की है. इसलिए हमें भी एक दूसरे पर करुणा और दया दिखानी है. मौके पर पल्ली पुरोहित फादर आनंद सुरीन, सहायक पल्ली पुरोहित फादर अभय, सेक्रेटरी फादर असीम मिंज, सैकड़ों विश्वासी समेत अन्य शामिल थे.

केरलि स्कूल में स्वागत गीतों के साथ 'द्रोणाचार्य स्कूल लीग' का आगाज

संवाददाता।रांची

धुर्वा सेक्टर-2 स्थित कैरलि स्कूल में 'द्रोणाचार्य स्कूल लीग' के अंतर्गत इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज हुआ. टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि मलयाली एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएच नाथन ने किया. कार्यक्रम का आरम्भ विद्यार्थियों ने स्वागत गीत के साथ किया. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने खेल पर आधारित समूह नृत्य प्रस्तुत किया. वहीं विद्यालय के बैंड दल ने शानदार बैंड डिस्प्ले का प्रदर्शन किया. इस दौरान शान्ति के प्रतीक के रूप में कबूतर एवं एकता एवं सौहार्द के प्रतीक के तौर पर आसमान में गुब्बारे उड़ाए गए.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एस.एच. नाथन ने कहा कि रांची में इस तरह का आयोजन पहली बार हो रहा है, जो निश्चित रूप से हम सबको एकजूट होने और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने का अवसर प्राप्त प्रदान करेगा. उदघाटन समारोह में विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन फिलिप मैथ्यू, महासचिव प्रभात कुमार उन्नीथान, मलयाली एसोसिएशन, रांची के महासचिव के रमेशन, विद्यालय के प्राचार्य राजेश पिल्लई, उपप्राचार्या के आर स्मृति, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

श्याम भक्त सुरेश चंद्र पोद्दार को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

रांची। नगर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्रीश्याम मंडल के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय अग्रसेन पथ के श्रीश्याम मंदिर के सभागार में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मौजूद गणमान्य लोगों ने श्याम भक्त स्व. सुरेश चंद्र पोद्दार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. उल्लेखनीय है कि सुरेश चंद्र पोद्दार का निधन गत 3 अप्रैल को हो गया था. मण्डल के सदस्यों द्वारा उनकी आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई. सदस्यों ने उनके द्वारा किये गए कार्यों को याद किया और कहा कि श्री श्याम प्रभु की सेवा तथा उनके प्रचार प्रसार में उनका अहम योगदान था. शोक सभा मे मण्डल के गोपी ढांढनिया, मनोज सिंघानिया, श्याम सुंदर गोयल, ज्ञान प्रकाश बागला, प्रमोद बगड़िया, राज कुमार जालान, चंद्र प्रकाश बागला, रमेश धरनिधारका,अशोक लोहिया, सज्जन सराफ, सुदर्शन चितलांगिया, पवन कनोई, ज्योति पोद्दार आदि सदस्य उपस्थित थे.

नागरिकों की बैठक में केंद्रीय मंडा पूजा समिति का हुआ गठन

- बैठक की अध्यक्षता पद्मश्री मुकुंद नायक ने की

संवाददाता।रांची

रविवार को केंद्रीय मंडा पूजा समिति, झारखंड की एक आम बैठक चुटिया स्थित सुशीला पैलेस, प्रगति पथ में पद्मश्री मुकुंद नायक की अध्यक्षता में हुई. इसमें कई विषयों पर चर्चा कर नई कार्यकारिणी का गठन विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए मंडा पूजा समिति का गठन किया गया. मुख्य संरक्षकः पद्मश्री मुकुद नायक, संरक्षकः सर्वश्री स्वामी देवेंद्र प्रकाश, मदन केसरी, बबलू मुंडा, मनपुर नायक, राधेश्याम केसरी, कैलाश केसरी, राम लखन महतो, जैलेंद्र महतो, मनोज पांडे संयोजकः मुनेश्वर साहू सहसंयोजकः प्रमोद गोप, अध्यक्षः राजकुमार महतो, कार्यकारी अध्यक्षः जितेंद्र साहू, रवि गोप, अरविंद स्वांसी, वरीय उपाध्यक्षः अजय साहू, भोला चौधरी, सरवन गोप उपाध्यक्षः राम ओहदार, रामपदो महतो, शंकर सिंह मुंडा, दिवाकर प्रसाद, विगना महतो, दीपक सिंह, दीनू उरांव, सोमा उरांव, कुंदरु उरांव, महेश नारायण, हेमंत लोहार, महावीर साहू, मनोहर सिंह, करुन गोप, राजू लाल, रमेश, शुकल महतो, दिलरंजन साहू, महामंत्रीः उदय कुमार, मंत्रीः उत्तम कुमार गोप, करम सिंह मुंडा, सेंकी सिंह, कृष्ण गोप, राजेंद्र महतो, विक्की कुमार साहू, कुलदीप उरांव, संदीप नायक, आनंद महतो, प्रदीप तिर्की, प्रमोद साहू, सूरत राय, बालू महतो, गोवर्धन बैठा, प्रदीप साहू, कोषाध्यक्षः विश्वजीत गोप (बिहारी) सह कोषाध्यक्षः दिनेश नायक प्रचार मंत्रीः विक्रम साहू, अमित केसरी कार्यालय प्रभारीः मनोज गोप चुन्नू कार्यकारिणी सदस्यः धनंजय सिंह, राजेंद्र केसरी, धर्मेंद्र सोनी, महावीर रजक, रणजीत राम, अमित साहू, तपन महतो, सुमित महतो, आयुष कुमार, विजय गोप, सकलदीप सिंह को चुना गया.

सरहुल

अंतिम चरण में पहुंचीं प्रकृति पर्व की तैयारियां, झंडे की दुकानों पर उमड़ने लगी है लोगों की भीड़

शहर की सड़कों व चौक-चौराहों पर लहराने लगे हैं सरना झंडे

बसंत मुंडा।रांची

सरहुल पर्व को लेकर सरना समितियों की ओर से की जा रही तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, वहीं रांची नगर के चौक-चौराहों पर सरना झंडे लहराने लगे हैं. रातू रोड, मोरहाबादी, मेनरोड, हरमू, चढरी, लालपुर, फिरायालाल स्थित झंडे की दुकानों में लोगों की भीड़ देखी जा रही है. फुटपाथ पर कई दुकानदार सरना झंडे बेच रहे हैं. दुकानदार बिनोद रंजन तिर्की ने बताया कि सरना झंडा के साइज के हिसाब से पैसा लगता है. छोटे साइज के 20 रुपये और बड़े आकार के 100 से 500 रुपये हैं. कांके रोड के सरना समिति के अध्यक्ष डब्लु मुंडा ने बताया कि सरहुल आदिवासियों की संस्कृति व सभ्यता का महापर्व है.

इस त्योहार में आदिवासी समाज 11 अप्रैल को हर्षोउल्लास से सरहुल मनायेगा. आदिवासी दर्शन में सरहुल पर्व आता है. आदिवासी समाज ही मानव सभ्यता की उत्पति किया है. आज आदिवासी समाज के युवा पीढ़ी आधुनिक युग को अपना रहा है. पारंपरिक वाद्य के स्थान पर डीजे साउंड का उपयोग कर रहा है.लोक गीत,नृत्य को युवा पीढ़ी भूल रहा है. अपनी संस्कृति को भूलती जा रही है. बीर बिरसा मुंडा स्मारक समिति के अध्यक्ष अमित मुंडा ने कहा कि सरहुल पर्व आदिवासियों का महापर्व है. जो तीन दिनों का होता है. इसलिए सरकार को दो दिनों का राजकीय की अवकाश घोषित करना चाहिए. इस पर्व में पूर्ण शराबबंदी भी किया जाए. जिला प्रशासन एवं प्रशासक शहर के सभी सरना स्थलों की साफ सफाई करवाएं एवं रांची के चौक चौराहों पर सीसीटीवी लगाया जाए.साथ ही साथ शोभायात्रा के दिन सुलभ शौचालयों को निःशुल्क किया जाए. चिकित्सा शिविर की व्यवस्था की जाए.

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि सरहुल हातमा सरना स्थल से प्रारंभ होगा. सैकड़ों गांवों के लोग सिरमटोली सरना स्थल पहुंचेगी. सभी खोड़हा को सरना अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा.

सरहुल का उपवास 10 अप्रैल को

मिसिर गोंदा सरना समिति के अनिल उरांव ने कहा कि 10 अप्रैल को उपवास, केकड़ा-मछली पकड़ाई एवं संध्या में जल रखा जाएगा. पूजा शाम 7 .30 बजे होगा. 11 अप्रैल को सुबह 10 बजे सरना स्थल में सरहुल पूजा एवं 2 बजे केंद्रीय सरहुल पूजा उद्गम स्थल हातमा सरना स्थल से शोभायात्रा प्रारंभ होगी. 12 अप्रैल को घरों में फूलखोंसी कार्यक्रम किया जाएगा.

गुरुद्वारा साहिब में पंच प्यारों ने 17 धर्मावलंबियों को कराया अमृतपान

संवाददाता।रांची

गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा, मेन रोड गुरुद्वारा साहिब में रविवार को 17 धर्मावलंबियों को अमृतपान कराया गया. धर्म प्रचार कमेटी अकाली दल जमशेदपुर के जत्थेदार भाई जरनैल सिंह की अगुवाई में आये पंच प्यारों ने तरणवीर कौर, बलजीत सिंह, मनप्रीत कौर, अमनदीप सिंह, सरबजीत सिंह, गुंजनप्रीत कौर, दिलीप कौर, अमरजीत सिंह, चरणजीत कौर, नवनीत कौर, हरजिंदर कौर, कुलवंत कौर, राजिंदर सिंह, विशाल सिंह, ममता कौर, दलजीत सिंह, सुखविंदर सिंह आदि को अमृतपान कराया. महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने सभी अमृतपान करनेवालों को बधाई दी. उन्होंने बताया कि खालसा सिरजना दिवस वैसाखी पर्व 13 अप्रैल को मनाया जाएगा. इस मौके पर गुरुनानक स्कूल पीपी कंपाउंड में दिन के दस से ढाई बजे तक विशेष कार्यक्रम होंगे.

सर्वोच्च फैसले का इंतजार

निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए ईवीएम मशीन में लगे वीवीपैट की पूरी पर्चियों की गिनती की मांग लंबे समय से विपक्षी दल और चुनावों पर नजर रखने वाले सिविल सोसाइटी करती रही है. दरअसल चुनावों को ले कर किसी तरह का संदेह नागरिकों के मन में नहीं रहे, इसके लिए यह मांग उठती रही है. मुख्य सवाल भी तो यही है कि नागरिकों का विश्वास चुनावों की प्रक्रिया में बना रहे. चुनाव आयोग को इसके लिए हर तरह के कदम उठाने की जरूरत महसूस की जाती रही है. अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने आश्वासन दिया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज होने वाले वोट और उससे संबंधित वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की अर्जियों पर वह समय रहते अपना निर्णय देगा, लेकिन फिलहाल संकेत यह मिला है कि अदालत ने इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी है. वरना, सुनवाई दो हफ्तों के लिए नहीं टाली जाती. समस्या यह है कि 19 अप्रैल से मतदान शुरू हो जाएगा. यह तारीख जितनी करीब आएगी, निर्वाचन आयोग की यह दलील उतनी ठोस होती जाएगी कि इस मामले में सिस्टम बदलने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा है.

इस मामले में निर्वाचन आयोग के रुख पर पहले से कई सवाल रहे हैं. जबकि ना सिर्फ विपक्ष, बल्कि सिविल सोसायटी के भी बहुत बड़े दायरे में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गहराते शक के साथ वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की मांग जोर पकड़ती गई है. जब वोट डाला जाता है, तो वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल मशीन, जो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की बैलेट यूनिट (बीयू) से जुड़ी होती है, कागज की एक पर्ची प्रिंट करती है. मुद्रित पर्ची सात सेकंड के लिए दिखाई देती है, ताकि मतदाता देख सके कि वोट सही ढंग से दर्ज किया गया है. मुमकिन है कि इन संदेहों में कोई दम न हो, इसके बावजूद यह अनिवार्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर उठने वाले संदेहों का पूरा निवारण किया जाए. लोकतंत्र में यह विश्वास सबसे महत्त्वपूर्ण होता है कि चुनाव के जरिए वास्तविक जनमत की अभिव्यक्ति हुई है. तभी मिला जनादेश सर्व-स्वीकृत बना रहता है. अगर इसके विपरीत धारणाएं बनीं, तो फिर पराजित पक्ष अपनी हार को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जिससे पूरे राजसत्ता की वैधता को चुनौती मिलने की दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं. इसलिए इसे आवश्यक माना जाता है कि मतदाता सूची तैयार करने से लेकर चुनाव परिणाम की घोषणा तक का हर कदम विश्वसनीय ढंग से उठाया जाए. दुर्भाग्य से इनमें से कुछ प्रक्रियाओं पर आज संदेह पैदा हो गया है. इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने जब वीवीपैट संबंधी अर्जियों पर फिर से सुनवाई का फैसला किया, तो उससे समाज के एक बड़े हिस्से में उम्मीद पैदा हुई. वीवीपैट पर्चियों की गिनती के खिलाफ व्यावहारिक दिक्कत संबंधी कई दलीलें दी जाती हैं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया को संदेहों से परे बनाए रखने के लिए तमाम दिक्कतों को बेहिचक स्वीकार किया जाना चाहिए. आशा है, अपना निर्णय देते वक्त सुप्रीम कोर्ट इस आकांक्षा को ध्यान में रखेगा.

> दरअसल चुनावों को ले कर किसी तरह का संदेह नागरिकों के मन में नहीं रहे, इसके लिए यह मांग उठती रही है. मुख्य सवाल भी तो यही है कि नागरिकों का विश्वास चुनावों की प्रक्रिया में बना रहे. चुनाव आयोग को इसके लिए हर तरह के कदम उठाने की जरूरत महसूस की जाती रही है.

सुभाषित

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैवकुटम्बकम् ॥

ये मेरा है, वह उसका है, जैसे विचार केवल संकुचित मस्तिष्क वाले लोगों दिमाग में ही आते हैं. जो उदार चरित्र वाले लोग हैं यानी जिनका मस्तिक विस्तृत है, उनके विचार से तो वसुधा एक कुटुम्ब है. न कोई पराया है और न ही त्यागने योग्य.

गुजरात बीजेपी में ऑल इज वेल नहीं

गुजरात की सियासत में पहली बार ऐसा दिख रहा है कि बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवारों का विरोध हो रहा है. आमतौर पर गुजरात में ऐसा बहुत कम ही देखने को मिलता है. बीजेपी में इस तरह का कल्चर भी नहीं रहा है, लेकिन गुजरात में जिस तरह से कई उम्मीदवारों का विरोध हो रहा है, उसने पार्टी के सामने मुश्किल खड़ी कर दी है. गुजरात बीजेपी में ऑल इज वेल नहीं है. दो ने टिकट किया वापस, दो और नेताओं पर लटकी तलवार...

गुजरात बीजेपी का सबसे मजबूत दुर्ग माना जाता है. बीजेपी की यह सियासी प्रयोगशाला भी है. 2014 और 2019 के चुनाव में बीजेपी ने सभी 26 सीटें जीतने में सफल रही है और लतागार तीसरी बार क्लीन स्वीप का टारगेट सेट किया. गुजरात बीजेपी में इन दिनों सियासी उठापटक चल रही है. बीजेपी अपनों के विरोध के चलते दो उम्मीदवारों का टिकट बदल चुकी है. इसके बावजूद मामला रुक नहीं रही है और तीन सीटों पर जिस तरह से सियासी संग्राम छिड़ा है, उसके चलते टिकट कटने की तलवार लटक रही है. गुजरात बीजेपी में पहली बार इस तरह से हो रहा है, जिसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि पार्टी में ऑल इज वेल नहीं है. गुजरात में सभी 26 लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में सात मई को चुनाव है. बीजेपी ने सभी 26 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर रखा है. गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रही हैं. कांग्रेस 24 सीटों पर तो आम आदमी पार्टी दो सीटों भरूच और भावनगर में चुनाव लड़ रही है. कांग्रेस के पास गुजरात में खोने के लिए कुछ नहीं है, क्योंकि पिछले दो चुनाव से उसका खाता तक नहीं खुला है. ऐसे में बीजेपी के सामने ही सारे चैलेंज है और पार्टी में जिस तरह सियासी घमासान मचा है, उससे टेंशन और भी बढ़ गई है.

गुजरात में बीजेपी अपनों के ही विरोध के चलते दो उम्मीदवार बदल चुकी है. साबरकांठा लोकसभा सीट पर बीजेपी ने भीखाजी ठाकोर को उम्मीदवार घोषित किया था, जिसके बाद विरोध के सुर सुनाई पड़ने लगे. विवाद इतना बढ़ गया कि भीखाजी ठाकोर ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया और पार्टी ने उनकी जगह दूसरा उम्मीदवार घोषित किया. कांग्रेस से बीजेपी में आए पूर्व विधायक महेंद्र सिंह बरैया की पत्नी शोभना बरैया को उम्मीदवार घोषित किया. बीजेपी में वडोदरा सीट पर दो बार की सांसद रंजन बेन भट्ट को उम्मीदवार घोषित करने के बाद जबरदस्त विरोध हुआ. रंजन बेन भट्ट के खिलाफ पोस्टर तक लगा दिए गए, जिसके बाद पार्टी को उनकी उम्मीदवारी बदलनी पड़ी. रंजन बेन भट्ट ने चुनाव लड़ने से ही मना कर दिया और बीजेपी ने उनकी जगह पर हेमांग जोशी को उतारा है. बीजेपी में यह यहीं थम नहीं रहा है, बल्कि तीन और सीटों पर विरोध चल रहा है, जिनके टिकट बदले जाने की मांग उठ रही है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

राजकोट लोकसभा सीट पर बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला को उम्मीदवार बनाया है. रूपाला के एक बयान पर इतना विवाद हो रहा है कि उसे थामने के लिए उन्हें माफी तक मांगी पड़ी. इसके बावजूद मामला रुक नहीं रहा है. रूपाला ने बयान दिया था कि अलग-अलग राजपूत शासकों और अंग्रेजों के बीच सांठगांठ थी, जिसके बाद विवाद हुआ और बढ़ता ही गया. क्षत्रिय समाज अब इस पर अड़ा है कि पुरुषोत्तम रूपाला का टिकट काटा जाए. रूपाला और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने दिल्ली में बीजेपी हाईकमान से मुलाकात की है. भूपेंद्र पटेल ने पीएम मोदी से भी मुलाकात की और माना जा रहा है कि बीजेपी में हो रहे सियासी संग्राम की जानकारी दी है. इसके अलावा साबरकांठा लोकसभा सीट पर भी टिकट को लेकर सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है. बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने अब गुजरात में मचे सियासी संग्राम को खत्म करने के लिए कसरत शुरू कर दी है. गुजरात के सियासी जानकार कहते हैं कि गुजरात की सियासत में पहली बार ऐसा दिख रहा है कि बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवारों का विरोध हो रहा है. अभी तक इस तरह का कल्चर कांग्रेस में रहा है, जहां टिकटों पर विरोध होते रहे हैं, जबकि बीजेपी तो अनुशासन वाली पार्टी रही है. बीजेपी में शीर्ष नेतृत्व के फैसले को सभी स्वीकार करते थे, लेकिन गुजरात बीजेपी में जो विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं वह काफी ज्यादा है. इसीलिए बीजेपी की चिंता बढ़ गई है. 90 के दशक में इस तरह का वाकया शंकर सिंह वाघेला के समय देखा गया था, लेकिन उसके बाद अब हो रहा है.

गोपी कहती हैं कि राजकोट से उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला का विरोध हो रहा है. रूपाला का विरोध चिंता की बात है, क्योंकि राजकोट बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है. नरेंद्र मोदी जब 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने अपनी जिंदगी का पहला चुनाव राजकोट से लड़ा था. गुजरात में क्षत्रिय खुलकर विरोध में उतर गए हैं, जो बड़ी संख्या में हैं. गुजरात के ग्रामीण इलाकों में क्षत्रिय वोटर अहम रोल में हैं, जिसे बीजेपी किसी भी सूरत में नाराज नहीं करना चाहती है. इसीलिए सीएम भूपेंद्र पटेल ने क्षत्रिय नेताओं के साथ बैठक की है और उन्हें समझाने की कवायद है.

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह गुजरात से आते हैं. ऐसे में बीजेपी किसी भी सूरत में गुजरात में जोखिम भरा कदम नहीं उठाना चाहेगी. इसीलिए बीजेपी ने वडोदरा और साबरकांठा में उम्मीदवारों का विरोध हुआ तो पार्टी ने उनका फौरन टिकट काट दिया. साबरकांठा सीट पर बीजेपी ने भीखाजी भाई ठाकोर का टिकट काट कर कांग्रेस से बीजेपी में आए पूर्व विधायक महेंद्र सिंह की पत्नी शोभना को उम्मीदवार घोषित किया गया था. इसके बाद साबरकांठा में काफी विरोध सामने आया था. यह विवाद भीखाजी ठाकोर की टिकट बहाल करने की मांग को लेकर था. साबरकांठा सीट पर विवाद बढ़ने पर दो दिन पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साबरकांठा से जुड़े तमाम नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की थी. ऐसा माना जा रहा है कि सीएम ने साबरकांठा और राजकोट के घटनाक्रम से पीएम मोदी को अवगत कराया है. गुजरात पहुंच कर सीएम भूपेंद्र पटेल ने क्षत्रिय नेताओं के साथ बैठक कर रूपाला के खिलाफ उनकी नाराजगी को खत्म करने की कवायद की है. ऐसे में देखा है कि बीजेपी किस तरह से गुजरात में ऑल इज वेल का माहौल स्थापित कर पाती है?

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

हिंसा का बीज़

कस्बे में एक महात्मा थे. सत्संग करते और लोगों को धैर्य, अहिंसा, सहनशीलता, सन्तोष आदि के सदुपदेश देते. उनके पास सत्संग में बहुत बड़ी संख्या में भक्त आने लगे. एक बार भक्तों ने कहा महात्मा जी आप कस्बे में अस्पताल, स्कूल आदि भी बनवाने की प्रेरणा दीजिए. महात्मा जी ने ऐसा ही किया. भक्तों के अवदान और परिश्रम से योजनाएं भी बन गई. भक्तों ने कस्बे के नेता को सत्संग में बुलाने का निर्णय किया. नेताजी सत्संग में पधारे और जनसुविधा के कार्यों की जी भरकर सराहना की, किन्तु महात्मा जी की विशाल जनप्रियता देखकर, अन्दर ही अन्दर जल-भुन गए. महात्मा जी के संतोष और सहनशीलता के उपदेशों के कारण कस्बे में समस्याएं भी बहुत कम थीं. परिणाम स्वरूप नेता जी के पास भीड कम ही लगती थी. घर आकर नेताजी सोच में डूब गए. अगर यह महात्मा अहिंसा आदि सदाचारों का प्रसार करता रहा. अचानक उसके दिमाग में एक जोरदार विचार कौंधा और निश्चिंत होकर आराम से सो गए. प्रातः काल ही नेता जी पहुंच गए महात्मा जी के पास. थोडी ज्ञान ध्यान की बात करके नेताजी नें महात्मा जी से कहा-आप एक रिवाल्वर का लायसेंस ले लीजिए. एक हथियार आपके पास हमेशा रहना चाहिए. इतनी पब्लिक आती है पता नहीं कौन आपका शत्रु हो? महात्मा जी ने कहा, 'बंधु! मेरा कौन शत्रु? शान्ति और सदाचार की शिक्षा देते हुए भला मेरा कौन अहित करना चाहेगा.' नेता जी ने कहा, 'इसमें कहां आपको कोई हिंसा करनी है. इसे तो आत्मरक्षा के लिए अपने पास रखना भर है. हथियार पास हो तो शत्रु को भय रहता है.नेताजी ने छूटते ही कहा, ₹महात्मा जी, मैं आपकी अब एक नहीं सुनूंगा. कल ही मैं आपको लायसंस शुदा हथियार भेंट करता हूं.₹ दूसरे ही दिन महात्मा जी के लिए चमकदार हथियार आ गया. महात्मा जी भी अब उसे सदैव अपने पास रखने लगे. सत्संग सभा में भी वह हथियार, महात्मा जी के दायी तरफ रखे ग्रंथ पर शान से सजा रहता. किन्तु अब पता नहीं, महाराज जब भी अहिंसा पर प्रवचन देते, शब्द तो वही थे, किन्तु श्रोताओं पर प्रभाव नहीं छोडते थे. एक दिन एक विक्षिप्त सा युवक सभा में हो-हल्ला करने लगा. महाराज ने उसे शान्त रहने के लिए कहा. किन्तु टोकने पर उस युवक का आवेश और भी बढ़ गया और वह चीखा, "चुप तो तू रह पाखण्डी" इतना सुनना था कि महात्मा जी घोर अपमान से क्षुब्ध हो उठे. तत्क्षण क्रोधावेश में निकट रखा हथियार उठाया और हवाई फायर कर दी. लोगों की जान हलक में अटक कर रह गई. उसके बाद कस्बे में महात्मा जी का सत्संग वीरान हो गया और नेताजी की जनप्रियता दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी.

चुनावी मौसम में कच्चाथिवु द्वीप का सवाल

• चुनाव

पुष्परंजन

रामेश्वरम से कच्चाथिवु द्वीप की दूरी मात्र 25.9 किलोमीटर है. श्रीलंका के बहुचर्चित ज़ाफना ज़िले का हिस्सा है यह द्वीप. 1.6 किलोमीटर लंबे और 300 मीटर चौड़े इस द्वीप पर दस साल बाद अचानक से प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान गया है, वह भी सूचना के अधिकार की वजह से. तमिलनाडु के बीजेपी प्रेसिडेंट के. अन्नामलाई ने आरटीआई के ज़रिये यह जानकारी नहीं ली होती तो क्या 'द्वीपहरण' का यह सनसनीखेज़ मामला दबा रह जाता? डीएमके ने जब केंद्र पर दोषारोपण शुरू किया, जवाब में विदेशमंत्री एस. जयशंकर बोले, 'मैंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को 21 बार कच्चाथिवु द्वीप के बारे में जानकारी दी थी.' मगर, सवाल यह है कि पीएम मोदी को यह जानकारी आरटीआई से मिलती है, संबंधित मंत्रालय से क्यों नहीं मिली? इस प्रश्न का बेहतर उत्तर विदेशमंत्री एस जयशंकर ही दे सकते हैं. कच्चाथिवु पर विवाद का नवीनतम दौर 31 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के एक ट्वीट के साथ शुरू हुआ, जिसमें तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को मिली आरटीआई रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चाथिवु द्वीप को जून, 1974 में 'बेवकूफी से श्रीलंका को दे दिया.' इसके प्रकारांतर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली! नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चाथिवु द्वीप को छोड़ दिया. इससे हर भारतीय नाराज है.' सबसे दिलचस्प इस राजनीतिक युद्ध में तथ्यों का छिपाना और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना भी रहा है. अशोक के. कंठ 2009 से 2013 के बीच कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त तैनात थे. उनका मानना है कि भारत ने जितना श्रीलंका को दिया, उससे कहीं अधिक बड़ा और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इलाक़ा 1976 में हासिल कर लिया था. 23 मार्च, 1976 को भारत-श्रीलंका समझौते ने वाड्ज बैंक को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र के हिस्से के रूप में मान्यता दी, जिससे भारत को वहां के विपुल प्राकृतिक संसाधनों पर सार्वभौम अधिकार मिल गया था. अब सोचा जा सकता है कि यह डील मूर्खतापूर्ण थी, या कि दूरगामी रणनीतिक समझदारी वाली. भारत ने 2024 की शुरुआत में ही वाड्ज बैंक इलाके में तेल की खोज के वास्ते टेंडर निकाला था, उस वजह से श्रीलंका ने स्वयं अपने मछुआरों को वहां जाने पर रोक लगा दी. दरअसल, बीजेपी के लक्ष्य में तमिलनाडु का मछुआरा वोट बैंक है, उन्हें अपने आईने में उतारने को लेकर यह सारी कहानी बुनी गई है. गुजरात के बाद तमिलनाडु वह राज्य है, जहां समुद्री तटरेखा 1076 किलोमीटर लंबी है. तमिलनाडु के 38 में से 15 ज़िले तटीय हैं, जो पुदुचेरी समेत 40 लोकसभा सीटों में से आधे को प्रभावित करते हैं. मछुआरा समुदाय आये दिन श्रीलंकाई तटरक्षकों के हत्थे चढ़ता है. इनकी गिरफ्तारियां बीच समंदर होती हैं. इनके बोट जब्त होते हैं. कुछ हफ्तों बाद ये छूटते हैं, लेकिन इस बीच जमकर राजनीति होती है. तमिलनाडु फिशिंग रेगुलेशन एक्ट-1983 के अनुसार, 'राज्य के मछुआरे केवल तीन नॉटिकल माइल्स तक जाकर मछली का शिकार कर सकते हैं.' यों अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा नौ नॉटिकल माइल्स तक है, मगर बाज़ दफ़ा मछुआरे उसे भी पार कर जाते हैं, परिणामस्वरूप वे पकड़े जाते हैं, फिर एक बड़ा इश्यू बनता है. जून, 2011 में, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर 1974 और 1976 के समझौतों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की थी. हालांकि, केंद्र सरकार ने जयललिता के तर्कों पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था, 'भारत से संबंधित कोई भी क्षेत्र नहीं दिया गया था, न ही संप्रभुता छोड़ी गई थी, क्योंकि इसका कभी सीमांकन नहीं किया गया था.' दोनों समझौतों की वैधता की पुष्टि अगस्त, 2014 में भारतीय अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने की थी. उन्होंने भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढा के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ से कहा था, 'यदि आप कच्चाथिवु की वापसी चाहते हैं, तो आपको इसे पाने के लिए युद्ध में जाना होगा.' तीन हज़ार वर्गमील के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन 'वाड्ज बैंक' को भारत ने हासिल करने के बदले यदि 1.9 वर्ग किलोमीटर का कच्चाथिवु श्रीलंका को दे भी दिया, तो इसे मूर्खतापूर्ण कैसे कह सकते हैं? फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया का कहना है कि वाड्ज बैंक में 4,000 वर्ग मील का क्षेत्र शामिल है.

> कच्चाथिवु पर विवाद का नवीनतम दौर 31 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के एक ट्वीट के साथ शुरू हुआ, जिसमें तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को मिली आरटीआई रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चाथिवु द्वीप को जून, 1974 में 'बेवकूफी से श्रीलंका को दे दिया.' इसके प्रकारांतर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली!

भारत की आत्मा को बचाने का संघर्ष

• संघर्ष

जगदीश रत्तनानी

जवाहरलाल नेहरू ने कहा था-'जब दुनिया सोएगी, भारत प्रकाश और स्वतंत्रता के लिए जागेगा'. 15 अगस्त, 1947 के उस महत्वपूर्ण अवसर के 75 से अधिक वर्षों में जब हमें इस बात का जश्न मनाना चाहिए कि कैसे उस प्रकाश और स्वतंत्रता ने हमें पोषित किया तथा हमें एक ऐसे राष्ट्र का गौरवशाली नागरिक बनाया, जो उन मूल्यों पर खड़ा है, जिन्हें हम संजोना चाहते हैं, तब भारत एक बहुत ही अलग दौर में चला गया है. यह पीड़ादायक है और वर्तमान समय में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि उस सपने पर अंधेरा उतर रहा है, क्योंकि स्वतंत्रता को लूटा जा रहा है, लोकतंत्र को कुचला जा रहा है और भारत एक पतन के मार्ग पर जा रहा है. यह पतन अचानक नहीं हो रहा है. यह कुछ समय से संस्थानों, प्रमुख व्यक्तियों और एजेंसियों पर बढ़ते कब्जे के रूप में सामने आ रहा है जिसमें सभी को एक तरह से या किसी अन्य रूप में एक सोच, एक पार्टी और एक विचारधारा के सामने झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है. अधिक स्थानों पर कब्जा करने की तलाश जारी है. यह एक पार्टी द्वारा निर्मित एक बड़ी और अच्छी तरह से पोषित-प्रशिक्षित प्रचार मशीन द्वारा संचालित है जो हर विपक्ष को नजर और दिमाग से बाहर चाहता है. इसमें आक्रमण के सभी संकेत हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी एक ऐसी एजेंसी द्वारा की गई है, जिसका विश्वसनीयता मूल्य शून्य है और जो सरकार की दासी की तरह काम करती है. जो सभी संभावनाओं और अर्थों में सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक एजेंडे पर बिकी हुई होती है. यह केवल एक उदाहरण है कि उस एक पार्टी को सत्ता में रखने और अन्य सभी को बदनाम करने के लिए कितना दबाव डाला जा रहा है. वर्तमान स्थितियों में यह देखना मुश्किल है कि 2024 में निष्पक्ष चुनाव कैसे लड़ा जा सकता है. राष्ट्रीय मनोदशा को एक कार्टून द्वारा अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया गया था, जिसमें मैदान में दौड़ के समय सिर्फ सरकार का पदाधिकारी दौड़ रहा है और दौड़ में शामिल अन्य सभी को बंधा हुआ दिखाया गया था और फिर मजाक में एक सवाल पूछा गया है कि 'कौन जीत रहा है?' इस स्तर पर सभी बाजियां बंद हैं. हम बर्फीले पानी में हैं. हम अभी भी सुरक्षित रूप से तट पर पहुंच सकते हैं, लेकिन हाइपोथर्मिया होने का खतरा अधिक है. नेहरू ने हमें बताया था- 'लेकिन इतिहास में कभी न कभी एक पल आता है, जरूर आता है, जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब लंबे समय से दमित राष्ट्र की आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है.' आज हम वह पंक्ति इस प्रकार पढ़ सकते हैं- 'लेकिन इतिहास में शायद ही कभी एक क्षण आता है, जो आता है, जब हम नए से पीछे हटते हैं और अंधेरे युग में डूब जाते हैं और जब एक राष्ट्र की आत्मा, जिसे अंततः अभिव्यक्ति मिली होती है, एक बार फिर से दब जाती है.' हम नहीं जानते कि यह आत्मा जिसे यातना दी गई है, पीड़ित है, कुचली हुई है, उस एक दिन के लिए कैसे रुकी रहेगी, जब भारत फिर से फल-फूल सकता है और संविधान के मूल्यों और भावना को पुनः प्राप्त कर सकता है. वह संविधान जो कि कितना भी अच्छा दस्तावेज हो, लेकिन अंततः उन लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है जो इसकी रक्षा के लिए हैं. आज पूर्वाग्रहों का प्रयोग, नीति और उसका निष्पादन करने के लिए ही हो रहा है. इसके खिलाफ कुछ संस्थान खड़े हो रहे हैं जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा उल्लेखनीय उस फैसले के मामले में है, जिसने 2018 की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया और आदेश दिया था कि इस बात का विवरण सार्वजनिक किया जाए कि बॉन्ड किसने खरीदे और किसने पैसे लिये. फिर भी, इस फैसले से मायूस होकर इसे रोकने की हताशा इतनी अधिक थी कि संविधान पीठ से अपने आदेश में संशोधन करने के लिए कहने हेतु भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीयकृत बैंक, भारतीय स्टेट बैंक को डेटा जारी करने के लिए कम से कम 3 महीने का समय मांगने के लिए एक जूनियर अधिकारी का हलफनामा दायर करने का दुस्साहस करना पड़ा. यह समय डेटा जारी करने के लिए पर्याप्त से अधिक था. जैसा कि बाद में पाया गया कि डेटा आसानी से उपलब्ध है.

> वर्तमान स्थितियों में यह देखना मुश्किल है कि 2024 में निष्पक्ष चुनाव कैसे लड़ा जा सकता है. राष्ट्रीय मनोदशा को एक कार्टून द्वारा अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया गया था, जिसमें मैदान में दौड़ के समय सिर्फ सरकार का पदाधिकारी दौड़ रहा है और दौड़ में शामिल अन्य सभी को बंधा हुआ दिखाया गया था और फिर मजाक में एक सवाल पूछा गया है कि 'कौन जीत रहा है?'

मीडिया में अन्यत्र

विविधतापूर्ण और प्रभावशाली करियर

इस सप्ताह राज्य सभा से सेवानिवृत्त होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का लंबा सार्वजनिक करियर समाप्त हो गया. डॉ. सिंह ने कई तरह से देश की सेवा की- अर्थशास्त्री, अफसरशाह, नियामक, सांसद, कैबिनेट मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में भी. आजाद भारत में कम ही लोग होंगे, जिनका करियर उनके समान लंबा, विविधतापूर्ण और प्रभावशाली रहा हो. जैसे-जैसे समय व्यतीत हो रहा है, इस बात की संभावना है कि केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल (जब उन्होंने 1991 के आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत की) को इतिहासकार अलग से चिह्नित करेंगे. यह उस दृष्टि से अलग होगा जिससे कि सात रेसकोर्स में बतौर प्रधानमंत्री उनके एक दशक के कार्यकाल से अलग होगा. उस दौर में कोई अन्य अर्थशास्त्री या राजनेता भी वित्त मंत्री हो सकता था और उस समय जिस सुधार की तत्काल आवश्यकता थी उनके मानक भी व्यापक तौर पर ज्ञात ही थे और उसके लिए डॉ. सिंह की विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं थी. इसके बावजूद वित्त मंत्री ने जिस गंभीरता के साथ सुधारों के शुरुआती चरणों का प्रबंधन किया और बचाव किया, उसने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य और उसके विकास की कहानी में विश्वास बहाल करने में बहुत अधिक सहायता की. डॉ. सिंह के करियर की सबसे बड़ी कमजोरी को भी इस बात से महसूस किया जा सकता है कि वह राज्य सभा से सेवानिवृत्त हुए. भारत में जहां चुनावी लोकतंत्र हमेशा तकनीकी लोकतंत्र पर भारी पड़ता है और पड़ना ही चाहिए, वहां इस बात ने डॉ. सिंह के राजनीतिक प्रभाव को सीमित किया कि वह कभी जनता का सीधा समर्थन हासिल नहीं कर सके. कई लोग इसे ही 2004 से 2014 तक बतौर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री उनकी कमजोरी की वजह बताते हैं. सरकार के संवैधानिक मुखिया डॉ. सिंह, पार्टी और राजनीतिक संगठन जो सोनिया गांधी को रिपोर्ट करता था, के बीच शक्ति विभाजन साफ था. यह तथ्य है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साझेदार चाहते थे कि सोनिया गांधी देश की प्रधानमंत्री बनें, लेकिन उन्होंने इससे इनकार करके मनमोहन सिंह को चुना. इसका मतलब यही था कि वह हमेशा उनकी राजनीतिक छाया में रहेंगे. परंतु यह भी कहना होगा कि इनकी असहमतियां कभी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आईं. जब सोनिया गांधी के बेटे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के बनाए कुछ कानूनों को कैमरे के सामने फाड़ दिया तो यह अपने आप में एक स्तब्ध करने वाली घटना थी, क्योंकि ऐसे विवादों का सामने आना एक दुर्लभ अवसर था. **(बिजनेस सटैंडर्ड)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नजर/नजारे/नजरिया

तुझसे मिली नजर तो मेरे होश उड़ गये.नजर लागी राजा तोरे बंगले पे ..तेरे चेहरे से नजर नहीं हटती नजारे हम क्या देखें. हिंदी फिल्मों से लिये गये ये तीनों मजेदार और फड़कते गाने युवा दिलों में हलचल मचाने के लिए काफी रहे हैं. यह नजर भी अजीब है कभी मिल जाती है तो कभी लग जाती है तो कभी हटती ही नहीं. यानी तीनों गाने में नजर शब्द का प्रयोग तीन रूपों में हो रहा है. तीसरे गाने में तो चेहरे से नजर नहीं हटने के कारण नजारे देखना मुश्किल हो गया है. मतलब यह कि जिंदगी में नजर की अहम भूमिका होती है. जिसके पास नजर नहीं है, उसके लिए कहीं कोई नजारा नहीं है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार नजर अरबी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है दृष्टि, निगाह, किसी विशेष अवसर पर दिया गया उपहार, भेंट, चढ़ावा, कृपा, अनुग्रह, कृदृष्टि, भले-बुरे की परख, देखभाल. नजर से बननेवाले मुहावरे भी बहुत मजेदार होते हैं. ऊपर के तीनों गानों में नजर से बने मुहावरों का ही प्रयोग किया गया है. उदाहरण के लिए नजर आना या नजर पड़ना यानी दिखाई देना, नजर लगना यानी बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना, नजर बचना यानी देखने में चूक होना, नजर बांधना यानी ऐसा जादू करना कि किसी को कुछ दिखाई न दे. नजर उतारना यानी किसी उपचार से बुरी दृष्टि का प्रभाव नष्ट करना. अगर कोई पसंद आ जाये तो कहते हैं वह नजर पर चढ़ गया है. अगर आप किसी पर ध्यान नहीं देते, उसका तिरस्कार करते हैं तो इसका मतलब है कि आप उसको नजरअंदाज कर रहे हैं. नजर से ही बनता है नजारा. जाहिर है कि यह अरबी मूल का ही शब्द है, लेकिन यह संज्ञा पुल्लिंग है. इसका मतलब है दृश्य, नजर, दृष्टि, तमाशा, किसी पुरुष या स्त्री का एक दूसरे को अनुरागपूर्ण दृष्टि से देखना. इसी प्रकार नजरिया का मतलब है दृष्टिकोण, सोच, मानसिकता, मनोवृत्ति.

पल भर के लिए कोई हमें 'लाइक' कर ले

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

यह सेल्फी का दौर है. जिसे देखिए हाथ में मोबाइल लिए सेल्फी खींच रहा है. पहाड़ की चोटी पर, नदी के किनारे, ऊंची ऊंची अट्टालिकाओं की छत पर, सड़क पर, बाज़ार में, दफ्तरों में, ट्रेन में, बस में, झूलों पर, पुलों पर लोग सेल्फी लेते दिख जावेंगे. कभी एकाकी, कभी मित्रों के साथ, अजनबियों के साथ, पड़ोसियों के साथ, नेताओं के साथ, रिश्तेदारों के साथ, पालतू जानवरों के साथ, जंगली पशुओं के साथ लोग सेल्फी लेते नज़र आ जाएंगे. सेल्फी चस्का है, चाहत है, दीवानगी है, नशा है, जुनून है. सेल्फी की धूम है. ज़िंदगी का अहं हिस्सा बन गई है सेल्फी. बच्चों से लेकर बूढों तक कोई इससे अछूता नहीं रहा है. कहते हैं, हर दिन करीब नौ करोड़ साठ लाख लोग सेल्फी लेते हैं. दुनिया को अपना आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, और अपनी अदा दर्शाने का एक आनंददायक ज़रिया बन गया है, सेल्फी. भारत में तो हमारे प्रधानमंत्री तक सेल्फी के दीवाने हैं. बाहर से यहां कोई भी गणमान्य व्यक्ति आता है, मोदी जी उसके साथ सेल्फी लेने से चूकते नहीं. ऐसे में एक सेल्फी लेना तो बनता ही है. यहां आम आदमी भी अपनी किसी ख़ास मुद्रा की किसी विशेष कोण से सेल्फी लेता है और उसे फेस-बुक, ट्विटर, या वाट्स-एप जैसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है. कितनों ने 'लाइक' की, देखता है और खुश हो लेता है. सेल्फी एक ऐसी कला है, जिसके ज़रिए व्यक्ति आकर्षक रूप से अपने दोस्तों का ध्यान आकर्षित करता है. आप और आपके मित्र इसे बार बार देखना पसंद करते हैं. पल भर के लिए कोई हमें 'लाइक' कर ले, झूठा ही सही! डार्विन ने बताया था, आदमी मोटे तौर पर बन्दर की औलाद कहा जा सकता है. वैसे हमारा भारतीय मत तो यही कहता है कि हम देवताओं की संतान हैं. जो भी हो, मनुष्य और वानर जाति का सम्बन्ध बड़ा पुराना है. राम की सहायता वानर-सेना ने ही की थी. उनके सेनाध्यक्ष हनुमान को हम आज भी पूजते हैं. सही सेल्फी तो अब शुरू हुआ है – स्मार्ट फोन के आ जाने के बाद से. स्मार्ट फोन के कैमरे से अपना चित्र व्यक्ति स्वयं ही ले. सेल्फी का असली रूप तो यही है. कुछ लोग सेल्फी के चक्कर में कभी कभी अपनी जान तक गवां बैठते हैं. एक सज्जन, सामने आती रेल की पटरी पर खड़े होकर, सेल्फी लेने लगे और कट गए. एक अन्य व्यक्ति ने भालू के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की और वह उसका ग्रास बन गया. बेशक, सेल्फी लें, लेकिन इसका रोग न पालें. 'सेल्फाइटिस' से बचें. 'सेल्फ-लवेरिया' इतना न बढ़ने दें कि वह 'सेल्फाइटिस' का रूप धर ले.

सुकून

रमता जोगी :

नुपूर अशोक

अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य की यात्रा के दौरान एक और जगह जो हमने देखी उसका नाम था – एवरग्लेड्स. घास के मैदानों को पहले ग्लेड्स कहा जाता था और दूर-दूर तक फैले इन मैदानों को इसी नाम से पुकारा जाने लगा. पर ये मैदान नहीं हैं. ये दरअसल छिछले पानी से भरे दलदलनुमा विस्तार हैं. पानी के साथ ही इनमें घास और अन्य वनस्पतियों की बहुतायत है. कई मैनग्रोव्स भी यहां भरे हुए हैं. और इन सबके बीच मगरमच्छों का आश्रय स्थल है.

मगरमच्छों के बीच एक दिन

मगरमच्छ के दर्शन तो हमें उस एलीगेटर पार्क तक पहुंचने के पहले ही हो गए. पार्क तक जाने वाली सड़क में बीच-बीच में कई ऐसे स्थल बने हुए हैं जहां आप गाड़ी से उतर कर ऐसे जलाशय देख सकते हैं जिनमें अधिकतर मगरमच्छ दिख जाते हैं. हमें भी दिखे. हालांकि वे इतने स्थिर रहते हैं और आसपास के वातावरण में इस तरह घुलेमिले रहते हैं कि उन्हें पहचान पाना आसान नहीं होता. थोड़े धैर्य के साथ देखते रहने पर उनकी हल्की सी हरकत होते ही उन्हें पहचाना जा सकता है. लेकिन पार्क में जाकर उन्हें देखने का अनुभव अनोखा ही था.

चूंकि वहां पानी बहुत छिछला है, लगभग दो-ढाई फीट जितना, इसलिए वहां साधारण नाव का चलना मुश्किल है. इसलिए वहां एयरबोट्स चलती हैं. इस नाव में नाव के ऊपर ही, उसके पिछले हिस्से में एक बड़ी चरखी लगी रहती है. उसके तेज़ गति से घूमने के कारण हवा के वेग से नाव पानी के ऊपर तैरती हुई आगे बढ़ती है. टिकट काउंटर से टिकट लेकर हम ऐसी ही एक नाव पर सवार हुए. सवार होने के बाद पता चला कि वह चरखी नाव को आगे तो बढ़ाती है, साथ ही इतना शोर उत्पन्न करती है कि नाव में कान बंद करने के लिए हेडफोन रखे रहते हैं. नाव चलाने वाला चरखी के पास पीछे बैठा रहता है. नाव पर सवार होते ही हमें उसने बताया कि हम अपनी टोपियां कस कर बांध लें या पकड़े रहें या उतार लें क्योंकि हवा के वेग में उनका उड़ जाना पक्का है. नाव के चलते ही उसने जो गति पकड़ी और जो कलाबाज़ियां दिखाईं कि हमें तुरंत ये समझ में आ गया कि हमें टोपी के उड़ने से ज़्यादा खुद को गिरने से बचाना ज़रूरी है. लिहाजा हमने टोपियां उतारीं और अपने दोनों हाथों का इस्तेमाल खुद को नाव पर टिकाए रखने के लिए किया. पानी इतना गहरा नहीं था कि गिरते ही हम डूब जाते लेकिन उन मगरमच्छों के बीच गिरने की कल्पना मात्र ने हमारी पकड़ मजबूत बना रखी थी. फिर भी एक टोपी उड़ कर पानी में गिर ही गई. हम तो उसे मगरमच्छ को भेंट स्वरूप दे देने के लिए तैयार थे लेकिन हमारे स्टंटबाज़ नाविक को यह मंजूर नहीं था. उसने कलाबाज़ियां खाते हुए उस टोपी को पानी से उठा ही लिया और हमारी नाव पानी पर तेज़ गति से दाएं-बाएं झूमती हुई आगे चल पड़ी.

बड़े अच्छे लगते हैं

फ्लोरिडा के एवरग्लेड्स के एलीगेटर पार्क में हम गए तो थे मगरमच्छ देखने लेकिन वहां की एयरबोट में सवार होने के बाद पता चला कि वह एयरबोट और उसे चलाने वाला नाविक खुद में ही देखने लायक चीज़ हैं. नाव की वह सैर किसी एडवेंचर राइड से कम नहीं थी. तेज़ गति से भागती नाव कभी बाईं ओर झुकती हुई भागती तो कभी दाईं ओर लग रहा था मानो हम किसी थीम पार्क में थ्रिल राइड पर सवार हैं. बैकग्राउंड में चलती हुई चरखी की तेज़ आवाज़ इस राइड को और भी रोमांचक बना रही थी. इसके साथ ही हमारे स्टंटबाज़ नाविक की बातें लगातार चालू थीं. हेडफोन के बावजूद उसकी कमेंट्री हमें सुनाई दे रही थी. वह बता रहा था कि वह बचपन से इसी जगह पला-बढ़ा है. इस पानी के बीच वह बिना किसी नाव के पैदल ही घूम-फिर सकता है. पर नाव चलाने में उसे मज़ा आता है. आज तो वह थोड़ा धीरे चला रहा है, वरना वह इससे भी बहुत तेज़ चलाता है. हालांकि दूर-दूर तक फैले उस दलदली जंगल में न हमें दिशा का कोई ज्ञान रह गया था न दूरी का लेकिन वह बता रहा था कि वह यहां का हर कोना, हर मोड़ अच्छी तरह पहचानता है. पेड़ों के एक झुरमुट के पास पहुंच कर उसने नाव रोकी और वहां सुस्ताते हुए मगरमच्छ की ओर इशारा किया. नाव धीरे धीरे बढ़ती हुई उसके करीब जा रही थी. उसने कहा कि इनसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं क्योंकि वे पूरी नाव को एक बड़ा जीव ही समझते हैं. उन्हें नहीं समझ आता कि इस पर अलग अलग व्यक्ति बैठे हुए हैं जो आकार में कहीं छोटे हैं. खैर, किसी मगरमच्छ ने हम पर हमला नहीं किया और उस दिन हमें अच्छी तरह समझ में आ गया कि 'जल में रह कर मगर से वैर करने का सोचना भी नहीं चाहिए. नाव की अपनी यात्रा समाप्त कर हम जल से बाहर आकर थल पर फिर मगरमच्छ से मिले. पर्यटकों के लिए वहां एक एलीगेटर एक्ज़ीबिशन गैलरी बनी हुई थी जिसमें उनके बारे में काफी जानकारी दी हुई थी. इसके ही एक हिस्से में एक लाइव शो था जिसमें वे एक छोटे मगरमच्छ को हाथ में लिए हुए उससे संबन्धित बातें बताते हैं. शो के अंत में आप भी उस मगरमच्छ को हाथ में ले सकते हैं. कई लोगों ने उसे हाथ में लिया पर मैंने जल और थल – दोनों में उससे दूरी बनाए रखी. सचमुच कई ऐसी चीज़ें हैं दुनिया में जिन्हें दूर से देखने का आकर्षण तो होता है लेकिन बस दूरी ही उस आकर्षण को बनाए रखती है. ज़्यादा नजदीक आते ही उसकी खामियों के नुकीले दांत उस आकर्षक छवि को तार-तार कर देते हैं. कई लेखक, कवि, कलाकार और अधिकतर इंसान बस दूर से ही अच्छे लगते हैं.

शिखर चंद जैन

आजकल जिसे देखिए वह जल्दबाजी में नजर आता है. व्यस्तता का आलम यह है कि लोगों को सांस लेने तक की या यूं कहें कि जहर खाने तक की फुर्सत नहीं. रफ्तार ऐसी मानो जिंदगी को जीना ना हो बल्कि जल्दी से जल्दी बिताना हो. हालात ऐसे हैं कि ज्यादातर लोग व्यस्त कम अस्त-व्यस्त ज्यादा नजर आते हैं. तेज रफ्तार के कारण सेहत का संतुलन इस कदर बिगड़ चुका है कि जनसंख्या का बड़ा भाग हार्ट डिजीज, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा जैसी लाइफस्टाइल बीमारियों की चपेट में है और मानसिक बीमारियों जैसे डिप्रेशन, एंग्जायटी और स्ट्रेस से ग्रस्त हो चुका है. इन दिनों दुनियाभर के लाइफ कोच, समाजशास्त्री, मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए रफ्तार की बजाय संतुलन साधने की सलाह दे रहे हैं.

जरूरी है स्पीड पर कंट्रोल

अच्छी है धीमी गति

धीमी गति से बेपरवाह होकर एवं आराम से पसंदीदा एक्टिविटीज में समय व्यतीत करना अच्छा है. दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार अमेजॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव जेफ बेजोस ने अपनी ताजा पुस्तक "इन्वेंट एंड वांडर : द कलेक्टेड राइटिंग ऑफ जेफ बेजोस" में लिखा है कि वह अपने दिन की शुरुआत आराम से करते हैं. सुबह रिलैक्स मूड में रहते हैं. कोई जल्दी नहीं, कोई हड़बड़ी नहीं. वे लिखते हैं, "मैं अखबार पढ़ना पसंद करता हूं. कॉफी पीता हूं. आराम से बच्चों के साथ ब्रेकफास्ट करता हूं. रात को 8 घंटे की नींद मेरा रूटीन है. इससे मुझे सही ढंग से सोचने, मूड अच्छा रखने और एनर्जी लेवल ऊंचा रखने में मदद मिलती है. मेरी वर्किंग सुबह 10 :00 बजे से शुरू होती है. जल्दी सोना और जल्दी जागना मेरी आदत है. आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि रात को सोने से पहले जैफ बेजॉस और बिल गेट्स जैसे अमीर लोग अपने खाने के बर्तन खुद धोकर रखते हैं.

क्रिएटिविटी बूस्ट करे धीमी रफ्तार

अब तक ऐसे कई अध्ययन हो चुके हैं जिनमें पाया गया कि कम रफ्तार और रिलैक्सिंग मोड में दिन का कुछ समय बिताया जाए तो क्रिएटिविटी बूस्ट होती है और सही तरीके से महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद मिलती है. फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए गए एक अध्ययन में पाया गया कि गुनगुने पानी और साबुन की सुगंध ब्रेन को स्टीमुलेट करती है जिससे स्ट्रेस लेवल कम होता है. डिश वाशिंग के दौरान भी यह फायदा मिलता है. लेकिन फायदा तभी मिलता है जब आप इस काम में ही अपना ध्यान रखें ना कि कहीं दूसरी जगह. दुनिया के कई सफलतम लोगों पर किए गए अध्ययनों से मिले नतीजे बताते हैं कि नियमित रूटीन और पसंदीदा एक्टिविटीज में इन्वॉल्व होना, रिलैक्स मूड में होना उनकी सफलता का मंत्र है. ज्यादातर सफल और खुशहाल लोगों ने अपना समय परिवार के साथ बिताने, अच्छी तरह नींद लेने, एक्सरसाइज, मेडिटेशन, अवेयरनेस और पटरिंग से खुशी और सुकून मिलने की बात की. उनका कहना था कि संतुलित और ग्राउंडेड जिंदगी बहुत जरूरी है.

धीमी शुरुआत से बढ़े प्रोडक्टिविटी

एरियल करियर्स के मारे मार्केटिंग डायरेक्टर स्टीवन मैक कोनेल का कहना है कि इंसानी दिमाग किसी कंप्यूटर जैसा है जिसे समय-समय पर रिबूट करना जरूरी है. यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में रॉबर्ट ड्यूक की अगुवाई में शोधकर्ताओं के एक समूह ने अपने अध्ययन में पाया कि स्लोडाउन एक स्ट्रेटजी है जो ब्रेन को रिफ्रेश करती है. ब्रेन को ब्रेक देने या स्लो मूवमेंट के दौरान ताजगी मिलती है, सोचने का ज्यादा वक्त मिलता है और डिसीजन मेकिंग ज्यादा अच्छी होती है जिससे गलतियां होने की संभावना कम रहती है. इससे पहले यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सहित अन्य शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन की धीमी शुरुआत से प्रोडक्टिविटी और एनर्जी लेवल बढ़ता है. जब आप रिलैक्स मूड में रहते हैं तो महत्वपूर्ण कामों पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं. एक काम से दूसरे काम की तरफ आसानी से शिफ्ट कर सकते हैं.

कुदरत से सीखें संतुलन

हम हमेशा सब कुछ जल्दी हासिल करने में लगे रहते हैं. कभी अतीत को लेकर तो कभी भविष्य को लेकर हमेशा परेशान रहते हैं. हम ज्यादा सफलता, ज्यादा धन, ज्यादा आराम, ज्यादा शोहरत और ज्यादा खुशी जल्दी से जल्दी पाने के फेर में हमेशा असंतुष्ट रहते हैं. यह असंतुष्टि और हड़बड़ी हमारे दिमाग, पाचन प्रणाली, इम्यूनिटी सिस्टम और ओवरऑल हेल्थ पर नकारात्मक प्रभाव डालती है. लेकिन क्या आपने कभी कुदरत को ऐसा करते देखा है? कुदरत हमेशा वर्तमान में रहती है. धीमी रफ्तार के बावजूद उसे सब कुछ हासिल होता है. बीज जमीन में दबा रहकर अपने अंकुरित होने का इंतजार करता है. बाहर आकर सूरज की रोशनी और बादलों के पानी का इंतजार करता है. उनसे खुराक हासिल करते हुए वह धीरे धीरे बड़ा होता है. फूल और फल आने का इंतजार करता है और वक्त आने पर सब कुछ हासिल कर लेता है. इसी प्रकार हमें ज्यादातर समय अपनी बेहतरी की स्ट्रेटेजी बनाने में, अपना बौद्धिक कौशल बढ़ाने में और सेहत को दुरुस्त रखने में बिताना चाहिए ताकि हम खुद को सफलता हासिल करने के काबिल बना सकें. सफलता सिर्फ चाहने या जल्दबाजी से नहीं बल्कि कुछ करने से मिलेगी.

नई सुबह का आगाज़ अभी बाकी है

गुड़िया झा

"ये मत कहो खुदा से मेरी मुश्किलें बड़ी हैं, मुश्किलों से कह दो मेरा खुदा बड़ा है."

आमतौर पर देखा जाता है कि हम अपने जीवन में बहुत कुछ करना चाहते हैं, अपने सपनों को मन में संजोए रखते हैं. कई परिस्थितियों के कारण जब ये पूरे नहीं हो पाते हैं तो हमारे मन में एक अजीब सी निराशा उत्पन्न होती है. क्यों न इस निराशा को आशा में बदल कर फिर से जुट जाएं एक नई शुरूआत के लिए. बस जरूरत है हमें जागरूक होने की जो बहुत मुश्किल भी नहीं है.

1. **जब जागो तभी सबेरा :** जब भी अवसर मिले पूरी तत्परता से अपने सपनों को पूरा करने के लिए कदम आगे बढ़ाएं. कभी भी अपने में ये भ्रम ना पालें कि इतने दिनों तक कुछ नहीं किया तो अब करके क्या फायदा. बस हमारे हौसले बुलंद होने चाहिए. मेहनत से किया गया कोई भी काम छोटा नहीं होता. घर की छत तक पहुंचने के लिए एक एक सीढ़ियों पर ही पहले चढ़ना होता है. ठीक उसी प्रकार बड़ी सफलता हासिल करने के लिए छोटी छोटी बाधाओं को पार करना ही होगा. खट्टे मीठे उतार चढ़ाव का भी अपना एक अलग ही मजा है.

2. **अपनी योग्यता और क्षमता को पहचानें :** हर किसी की अपनी विशेष क्षमता होती है. अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए सबसे पहले अपनी योग्यता और क्षमता को पहचानें. इससे हमें आगे बढ़ने के लिए रास्ते भी अपने आप ही मिल जायेंगे. भीड़ के पीछे अनावश्यक दौड़ने से अच्छा है कि अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें क्योंकि भीड़ में अक्सर हम अपनें वजूद को खो देते हैं. अगर वहां भी कुछ सीखने को मिले तो उससे पीछे नहीं हटें.
3. **आलोचनाओं से घबराना कैसा :** अक्सर आलोचनाओं से हम घबरा जाते हैं. खुश रहें यह सोच कर कि कहीं तो हमारी चर्चा होती है. सबकी बातों को गंभीरता से सुने और अनावश्यक प्रतिक्रिया देने से बचें. इससे मन शांत रहता है. आलोचनाओं से भी अपनी कुछ कमियों को दूर कर नया सीखा जा सकता है. जो साधन हमारे पास मौजूद नहीं है उसके बारे में ज्यादा सोच कर समय बर्बाद करने से अच्छा है कि वर्तमान में जो हमारे पास है उसके दम पर आगे बढ़ें.

तीस प्लस के हैं तो अब संभलिए

बेशक जिंदगी दुबारा नहीं मिलती, इसलिए हमें खुल कर जीना चाहिए. लेकिन जिंदगी को जीने और बर्बाद करने में फर्क भी यह भी हमें ही समझना होगा. खासकर तब जब हम उम्र के तीसरे दशक को पार कर लेते हैं. आज चर्चा कुछ ऐसी बातों पर जिनसे 30 प्लस की उम्र में हमें बचना चाहिए. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको अलर्ट होने की जरूरत है ताकि आप समय पर अपनी लाइफ को सेट कर सकें.

1. **लाइफ प्लान में देरी :** लाइफ में आगे बढ़ने के लिए प्लानिंग सबसे जरूरी है. एक परफेक्ट लाइफ बनाने के लिए उसके बारे में सोचना जरूरी होता है. हमें कब क्या करना है किस समय पर करना है ये लाइफ का हिस्सा होता है. जॉब, शादी, बच्चे और सेविंग हर चीज के लिए प्लानिंग जरूरी होती है ताकी समय पर सब कुछ हासिल होने से आप रिटायरमेंट पर खुश रहें.
2. **बैचलर एज की आदतों पर खर्च :** जब जो जहां कहे चल दिए, साथियों के साथ रेस्त्रां, घूमने, फिल्म देखने में बेशुमार खर्च करना सब पसंद है. अगर आप भी अपनी इन आदतों को तीस पार की उम्र में भी बरकरार रखे हैं तो तत्काल इस आदत पर लगाम लगाएं. करियर और सेविंग के बारे में सोचिए. अभी नहीं संभले तो देर हो सकती है.
3. **फैमिली पर ध्यान नहीं देना :** तीस से कम की उम्र में दोस्तों के साथ या करियर पर ध्यान की वजह से फैमिली पर कम ध्यान देते हैं तो भी फैमिली समझ जाती है. लेकिन बाद में वही आदत रहता है तो पारिवारिक रिश्ता बिगड़ने लगता है. अब समय आ गया है कि प्राथमिकता में अपने परिवार को समय दें. इसके बाद का समय ही दोस्तों के नाम हो.

4. **खुद की उपेक्षा करना :** अपनों के लिए जीना, अपने काम पर ध्यान देना और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना सही है लेकिन अपने लिए टाइम निकालना और अपने आपको पहली प्राथमिकता बनाना उससे भी ज्यादा जरूरी है. महिला हों या पुरुष मी टाइम निकालिए और अपनी हॉबीज को एक्सप्लोर करें.

मोटिवेशन

पुरस्कार और सम्मान समारोह

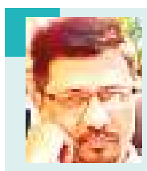
डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

इन दिनों पुरस्कार और सम्मान समारोह काफी हो रहे हैं. आयोजक सजावट और चमक-दमक पर काफी पैसा खर्च कर रहे हैं. रिफ्रेशमेंट, बुके, पौधों पर कोई कमी न रह जाए, इसपर पूरा ध्यान देते हैं. सभी मंचासिन विशिष्ट अतिथियों को मेमेंटो देने का रिवाज भी काफी जोरों पर है. बावजूद इसके ज्यादातर सम्मान समारोह कुछ बेसिक कमियों की वज़ह से सही प्रभाव छोड़ने में असमर्थ रहते हैं. आज पुरस्कार या सम्मान समारोह से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों का जिक्र करने जा रहा हूं. अगर इन बातों पर ध्यान दिया जाए, तो कार्यक्रम निश्चित रूप से ज्यादा प्रभावी, आकर्षक और सफल होंगे.

1. **समय :** ज्यादातर कार्यक्रम समय पर शुरू नहीं होते. साधारण तौर पर कार्यक्रम दो-तीन कारणों से देर से शुरू होते हैं. मुख्य अतिथि या विशिष्ट अतिथि का समय पर न आना, आमंत्रित मेहमानों के इंतजार में आंखें बिछाए रहना और अंतिम क्षण में किसी समस्या का खड़ा हो जाना जैसे बिजली का चला जाना, माइक का काम न करना वगैरह. बहुत जरूरी है कि कार्यक्रम सही समय पर शुरू किया जाए. 15 मिनट की देरी क्षम्य है. मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि आएं या न आएं, दर्शक कम हों तब भी कार्यक्रम को सही समय पर शुरू करना चाहिए. इससे लोग कार्यक्रम व समय के प्रति गंभीर होंगे, समारोह की गरिमा कायम होगी.
2. **संचालन :** संचालक को पूरी तैयारी से मंच पर आना चाहिए. उद्घोषक या संचालक का दमदार संचालन कार्यक्रम में चार चांद लगा देता है. अक्सर एंकर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, पुरस्कृत विजेता का नाम गलत बोलते हैं, उनका परिचय गलत दे देते हैं, और फिर सफाई देते हैं कि उन्हें ठीक से बताया नहीं गया था, उन्हें जानकारी नहीं थी. इसके लिए जरूरी है कि आयोजन और एंकर मिलकर पहले से सभी डाउट्स क्लियर कर लें.
3. **पुष्प गुच्छ, सम्मान पत्र, शॉल :** आयोजक को पहले से इन्हें प्लेट में सजा कर रखना चाहिए. संस्था के सदस्यों को पहले से नियुक्त करके रखना चाहिए कि कौन किसको पुष्प गुच्छ भेंट करेगा, कौन किसे सम्मानित करेगा, शॉल-सम्मान पत्र-मेमेंटो वगैरह लेकर मंच पर कौन आएगा. यहां ऑन द स्पॉट बुलाने की परंपरा है, जो नजर आ जाए उसे बुला लो. इससे कार्यक्रम का प्रभाव कम होता है.

मूल मंत्र : मैनेजमेंट का अर्थ है सही ढंग से काम करना, लीडरशिप का अर्थ है सही ढंग से काम करवाना. किसी भी कार्यक्रम की सफलता में दोनों का सही अनुपात जरूरी है. आप कुछ भी कीजिए, प्रॉपर प्लानिंग के साथ कीजिए. हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान देकर. बिना टीम वर्क के कोई बड़ा कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता. जितना बड़ा कार्यक्रम, उतनी बारीक प्लानिंग, उतनी दमदार टीम.

4. **शॉल या पगड़ी :** साधारण तौर पर विजेताओं को शॉल ओढ़ाया जाता है, या पगड़ी पहनाई जाती है. वह जैसे ही अपनी जगह पर लौटते हैं, इन्हें उतार देते हैं. यह सही नहीं है. शॉल-पगड़ी पहने रहने से आपकी खुद की गरिमा बढ़ती है, और कार्यक्रम की भी. आप शॉल ओढ़ कर या पगड़ी पहन कर उद्गार व्यक्त करते हैं, तो आप भीड़ से अलग दिखते हैं. आपके फोटो भी आकर्षक आते हैं.
5. **परिचय :** हर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का संक्षिप्त परिचय देकर ही उन्हें मंच पर बुलाना चाहिए, भले लोग उन्हें जानते हों. यही बात पुरस्कृत होने वाले विजेताओं पर भी लागू होती है. विजेताओं को पुरस्कृत करने के पहले उनका संक्षिप्त परिचय जरुर देना चाहिए. तथ्यपूर्ण परिचय, उनकी उपलब्धियों, प्रकाशित पुस्तकों के बारे में संक्षिप्त जानकारी होनी चाहिए.
6. **संभाषण :** संचालक, वक्ताओं, पुरस्कृत विजेताओं, मुख्य अतिथि सभी के बोलने का समय निश्चित होना चाहिए. दो- चार मिनट आगे पीछे हो सकता है. सबसे विनम्रता पूर्वक अनुरोध करना चाहिए कि वे अपना वक्तव्य निर्धारित समय पर समाप्त करें और सभी का फर्ज बनता है कि समय सीमा को ध्यान में रखकर ही बोलें.
7. **कार्यक्रम की रूपरेखा :** आयोजक को चाहिए कि दर्शकों को ध्यान में रखकर पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करें. लगातार संभाषण नहीं होना चाहिए. लगभग हर कार्यक्रम में कुछ दर्शक ऐसे होते हैं, जिन्हें साहित्य में दिलचस्पी नहीं होती. बीच में सांस्कृतिक कार्यक्रम या कुछ हल्का बदलाव जरूर होना चाहिए, जिससे कार्यक्रम की नीरसता दूर हो.
8. **धन्यवाद ज्ञापन :** धन्यवाद ज्ञापन बहुत मायने रखता है. अगर दर्शक कम हों, तो कोशिश करनी चाहिए कि सभी का नाम लेकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की जाए. अक्सर लोग बैक स्टेज काम करने वाले जैसे साउंड एवं लाइट वाले, मंच सजाने वाले, मेहमानों का स्वागत करने वाले, रिफ्रेशमेंट देने वाले का नाम लेना भूल जाते हैं. इन लोगों का भी नाम लेना चाहिए.
9. **ग्रुप फोटोग्राफ :** कोशिश करनी चाहिए कि अंत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विजेताओं के साथ आमंत्रित मेहमानों का ग्रुप फोटो लिया जाए. इस तरह से यह इवेंट सबके लिए यादगार बन जाता है. सोशल मीडिया पर सभी शेयर करते हैं, इससे लोगों को कार्यक्रम की जानकारी होती है.

ये बातें लिखी तो गई हैं सम्मान समारोह को ध्यान में रखकर, लेकिन लागू होती हैं हर कार्यक्रम के ऊपर.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल : चेन्नई सुपरकिंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला आज

लगातार दो हार के बाद केकेआर के खिलाफ घरेलू हालात का फायदा उठाना चाहेंगे सुपरकिंग्स

भाषा। चेन्नई

गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम लगातार दो शिकस्त के बाद सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत के साथ वापसी करने के इरादे से उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी. लगातार दो हार के बावजूद सुपरकिंग्स की टीम पर दबाव नहीं होगा लेकिन प्रबंधन टीम की कमजोरियों का हल निकालने की कोशिश करेगा. कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और प्रतिभावान रचिन रविंद्र को अपने खेल में सुधार करते हुए सुपरकिंग्स को पावर प्ले में अच्छी शुरुआत दिलानी होगी. गायकवाड़ 118.91 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि रविंद्र पिछले दो मैचों में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं. मौजूदा टूर्नामेंट में सुपरकिंग्स के सबसे सफल बल्लेबाज शिवम दुबे हैं जिन्होंने 160.86 के स्ट्राइक रेट से 148 रन बनाए हैं. यह देखना होगा कि युवा समीर रिज्वी की टीम में वापसी होती है या नहीं. बीस साल के इस युवा बल्लेबाज ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ छह गेंद में 14 रन बनाए थे, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से बाहर कर दिया गया. तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और मथीसा पथिराना विभिन्न कारणों से टीम के पिछले मैच में नहीं खेल पाए, जिससे सुपरकिंग्स के गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां उजागर हुईं.

अगर ये नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से भी बाहर रहते हैं तो सुपरकिंग्स को उनकी भरपाई करने के लिए कुछ अलग सोचना होगा. अगर ये दोनों बाहर रहते हैं तो तेज गेंदबाजी विभाग में दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुकेश चौधरी जबकि स्पिन विभाग में मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्षणा के कंधों पर जिम्मेदारी होगी.

मुकाबला आज

- चेन्नई को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से होगी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद
- चेपक की पिच पर एक बार फिर ढेरों रन बनने की उम्मीद है

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय रही है कोलकाता की टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स अब तक टूर्नामेंट में अजेय रहे हैं और दोनों टीमों को बल्ले से निडर प्रदर्शन का फायदा मिला है. सुनील नारायण से पारी का आगाज कराना केकेआर के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है. मौजूदा सत्र में केकेआर के सबसे सफल बल्लेबाज नारायण को जल्दी पवेलियन भेजना सुपरकिंग्स के गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती होगी. फिल सॉल्ट ने भी पारी का आगाज करते हुए नारायण का अच्छा साथ दिया है. मध्य क्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर और रमनदीप सिंह को अधिक निरंतरता दिखानी होगी जबकि आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह ने अब तक प्रभावित किया है. हर्षित राणा, रसेल और वैभव अरोड़ा ने गेंदबाजी में केकेआर की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि शुरुआती दो मैच में नाकाम रहने के बाद मिचेल स्टार्क और वरूण चक्रवर्ती भी धीरे-धीरे लय हासिल कर रहे हैं. कुल मिलाकर केकेआर ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया है और वे अपनी एकादश में बदलाव करने से बचना चाहेंगे. चेपक की पिच पर एक बार फिर ढेरों रन बनने की उम्मीद है.

टीमें

- **चेन्नई सुपरकिंग्स**: महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी.
- **कोलकाता नाइट राइडर्स**: श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान.

ब्रीफ खबरें

त्वेसा संयुक्त 16वें व रिद्धिमा 30वें स्थान पर

केम्पटन पार्क। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक यहां सनशाइन लेडीज टूर पर एब्सा लेडीज आमंत्रण टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर रहीं. उनकी हमवतन रिद्धिमा दिलावरी ने संयुक्त रूप से 30वां स्थान हासिल किया. पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली त्वेसा ने 72, 72 व 74 के स्कोर से कुल दो ओवर 218 का स्कोर बनाया. उन्होंने अंतिम दौर में तीन बर्डी की लेकिन तीन बोगी व एक डबल बोगी भी कर गईं. रिद्धिमा ने 74, 73 व 75 से छह ओवर का कुल स्कोर बनाया. कसांद्रा ने छह अंडर 66 के शानदार प्रदर्शन से कुल 12 अंडर के स्कोर से चार शॉट के अंतर से खिताब जीता.

पाकिस्तान के कोच होंगे यूसुफ व रज्जाक

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 श्रृंखला के लिए चयन समिति के सदस्यों मोहम्मद यूसुफ और अब्दुल रज्जाक को क्रमशः अंतरिम मुख्य कोच व सहायक कोच नियुक्त करने का फैसला किया है. यह फैसला तब किया गया जब विदेशी कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी के साथ बातचीत जारी है. बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि गिलेस्पी के साथ बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है क्योंकि वह लाल गेंद के प्रारूप के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने के लिए सहमत हो गए हैं.

चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में कोलिन्स

चार्ल्सटन। मियामी ओपन चैंपियन डेनियले कोलिन्स ने चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मारिया सकारी को सीधे सेट में हराकर लगातार दूसरे फाइनल में जगह बनाई. कोलिन्स ने सकारी को 6-3, 6-3 से हराया जो उनकी लगातार 12वीं जीत है. कोलिन्स रविवार को होने वाले फाइनल में दारिया कसात्किना से भिड़ेंगी जिन्होंने शीर्ष वरीय जेसिका पेगुला को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया. कसात्किना ने टाईब्रेक में अंतिम आठ में से छह अंक जीतकर पेगुला को 6-4, 4-6, 7-6 (5) से शिकस्त दी.

आईपीएल : मुंबई ने दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया

मुंबई इंडियंस का खाता खुला

भाषा। मुंबई

रोमारियो शेफर्ड की 10 गेंद पर नाबाद 39 रन की पारी और अन्य बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से मुंबई इंडियंस ने रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला. मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 234 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया. दिल्ली की टीम इसके जवाब में आठ विकेट पर 205 रन ही बना पाई. मुंबई की तीन हार के बाद यह पहली जीत है जबकि दिल्ली को पांच मैच में चौथी हार का सामना करना पड़ा. इस हार से दिल्ली की टीम अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है. रोहित शर्मा (27 गेंद पर 49 रन) और ईशान किशन (23 गेंद पर 42 रन) ने पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़कर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई. उनके आउट होने के बाद टिम डेविड (21 गेंद पर नाबाद 45 रन), कप्तान हार्दिक पंड्या (33 गेंद पर 39 रन) और शेफर्ड ने अच्छी तरह से जिम्मेदारी संभाली. पृथ्वी साव (40 गेंद पर 66 रन) और अभिषेक पोरेल (31 गेंद पर 41 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी करके दिल्ली को शुरुआती झटके से उबारा. ट्रिस्टन स्टब्स ने 27 गेंद पर तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन बड़े लक्ष्य के दबाव में अन्य बल्लेबाज नहीं चल पाए. मुंबई की तरफ से गेराल्ड कोएत्जी ने 34 रन देकर चार और जसप्रीत बुमराह ने 22 रन देकर दो विकेट लिए. कोएत्जी ने मैच के आखिरी ओवर में तीन विकेट हासिल किए. शेफर्ड ने एनरिक नोर्किया (65 रन देकर दो विकेट) के पारी के आखिरी ओवर में चार छक्कों और दो चौकों की मदद से 32 रन बटोरे. अक्षर पटेल दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 35 रन देकर दो विकेट लिए. शेफर्ड ने बाद में डेविड वार्नर (10) को मिड ऑन पर हार्दिक के हाथों कैच कराकर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई.

- दिल्ली को पांच मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा
- तीन हार के बाद मुंबई ने दर्ज की पहली जीत
- हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंची दिल्ली की टीम

मैच में नहीं हुई हार्दिक पंड्या की हूटिंग

हार्दिक पंड्या ने आखिरकार कुछ राहत की सांस ली क्योंकि इस मैच में वानखेडे स्टेडियम के दर्शकों ने किसी तरह की हूटिंग नहीं की. यह मुकाबला रिलायंस फाउंडेशन के लिए ईएसए (सभी के लिए शिक्षा और खेल) दिवस पर खेला जा रहा है, जिससे स्टैंड पर कई गैर सरकारी संगठनों के लगभग 18,000 बच्चे मौजूद थे और स्टैंड पर सिर्फ घरेलू टीम को 'चीयर' करने के लिए शोर सुनाई दे रहा था. पंड्या को पिछले तीन मैच में दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा था. भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने रविवार के मैच से एक दिन पहले कहा था कि दर्शकों को पंड्या की हूटिंग नहीं करनी चाहिए क्योंकि अगर उन्हें कप्तान के तौर पर टीम में शामिल किया गया है तो यह उनकी गलती नहीं है. गांगुली ने शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें हार्दिक पंड्या की हूटिंग करनी चाहिए. यह सही नहीं है. उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तान नियुक्त किया है. खेल में ऐसा ही होता है. आप भारत की कप्तानी करें या किसी राज्य की कप्तानी करें या आप अपनी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करें, आपको कप्तान नियुक्त किया जाता है.

एसीयू के पूर्व प्रमुख ने की विराट की तारीफ

कोहली की काम के प्रति ईमानदारी अतुलनीय : नीरज

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) के पूर्व प्रमुख नीरज कुमार ने इस शक्तिशाली क्रिकेट बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान सुपरस्टार विराट कोहली की काम के प्रति ईमानदारी को 'अतुलनीय' पाया. दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज ने 2015 से 2018 के बीच बीसीसीआई के साथ काम किया. बीसीसीआई एसीयू में उनकी भूमिका के लिए उन्हें क्रिकेटरों के साथ नियमित रूप से बातचीत करने की आवश्यकता थी और उन्होंने उनमें से अधिकांश को अच्छा और मिलनसार पाया. नीरज ने यहां कहा कि उनमें से बहुत सारे (अच्छे) थे. किसी को भी उन पर गर्व होना चाहिए. उन सभी ने मुझे बहुत सम्मान दिया. लेकिन दो लोग जिनके बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती है, वे हैं भुवनेश्वर कुमार और अजिंक्य रहाणे, उत्कृष्ट लोग, सज्जन व्यक्ति. खेल के प्रति कोहली की प्रतिबद्धता किसी से कम नहीं है और नीरज ने भी इसे महसूस किया.

कानूनी कमियों के कारण बच गए श्रीसंत

नीरज कुमार ने कहा है कि हितधारकों ने भारतीय खेलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लाने में गंभीरता की स्पष्ट कमी दिखाई है. यही कारण है कि दागी पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत जैसा व्यक्ति आईपीएल 2013 में उनके खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के पुख्ता सबूत होने के बावजूद बच गया. नीरज दिल्ली पुलिस के प्रभारी थे जब उनके मार्गदर्शन में स्पेशल सेल ने श्रीसंत और राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी क्रिकेटरों अजीत चंदीला और अंकित चव्हाण को स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था. उच्चतम न्यायालय ने हालांकि 2019 में यह फैसला देने के बावजूद कि भारत के पूर्व खिलाड़ी के खिलाफ सबूत थे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उन पर आजीवन प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने के लिए कहा.

कैंडिडेट्स शतरंज

प्रज्ञानानंदा ने विदित को हराया

भाषा। टोरंटो

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हमवतन विदित गुजराती को हराया. टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही भाई-बहन की पहली जोड़ी के लिए यह अच्छा दिन रहा जब प्रज्ञानानंदा की बड़ी बहन आर वैशाली ने भी बुल्गारिया की नुर्गयुल सेलिमोवा को हराकर पहली जीत दर्ज की. महिला वर्ग में सिर्फ इसी मुकाबले का नतीजा निकला. पुरुष वर्ग में डी गुकेश रूस के इयान नेपोमनियाची के मजबूत डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे जबकि फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शीर्ष वरीय अमेरिका के फाबियानो करूआना से ड्रॉ खेला. टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे एक अन्य अमेरिकी हिकारू नाकामूरा को अजरबेजान के निजात अबासोव से ड्रॉ खेलने के दौरान अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी. महिला वर्ग में भारत की कोनेरू हंपी ने सफेद मोहरों से खेलते हुए चीन की टैन झोंगयी को बराबरी पर रोका. चीन की ही टिंगजी लेइ ने रूस की एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना से अंक बांटे. रूस की कैटरीना लेगनो और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक की बाजी भी बराबरी पर छूटी. पुरुष और महिला वर्ग दोनों में आठ-आठ खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अभी 11 दौर का खेल बाकी है. पुरुष वर्ग में करुआना, गुकेश और नेपोमनियाची दो अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं. इनके बाद विदित और प्रज्ञानानंदा को नंबर आता है. इन दोनों के समान डेढ़ अंक हैं. इन दोनों से आधा अंक पीछे नाकामूरा, अलीरेजा और अबासोव हैं. महिला वर्ग में झोंगयी ढाई अंक के साथ सबसे आगे चल रही हैं. उन्होंने गोरयाचकिना पर आधे अंक की बढ़त बना रखी है. हंपी, वैशाली और लेगनो समान डेढ़ अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं.

अंतर जिला अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता

रांची की टीम ने पश्चिमी सिंहभूम को हराया

संवाददाता। चाईबासा

क्रिकेट टूर्नामेंट

- रांची ने पश्चिमी सिंहभूम को छह विकेट से हराया
- पश्चिमी सिंहभूम को टूर्नामेंट में मिली पहली हार

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में रांची में खेले जा रहे अंतर जिला अंडर-19 (एलिट ग्रुप) क्रिकेट प्रतियोगिता के सुपर डिवीजन मुकाबले में रविवार को मेजबान रांची ने पश्चिमी सिंहभूम को छह विकेट से हराया. पश्चिमी सिंहभूम की इस प्रतियोगिता में ये पहली हार है. रांची के जेएससीए ओवल मैदान खेले गए सुपर डिवीजन के मुकाबले में टॉस पश्चिमी सिंहभूम के कप्तान ने जीता तथा पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. पश्चिमी सिंहभूम की शुरुआत ही अच्छी नहीं रही. पारी की पहले ही ओवर में आठ रन के स्कोर पर कप्तान डेविड सागर मुंडा बिना कोई रन बनाए पैविलियन लौट गए. टीम का स्कोर अभी 32 रन ही हुआ था कि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए आमर्त्य चौधरी मात्र तीन रन बनाकर रन आउट का शिकार हो गए. आमर्त्य के आउट होने के बाद पारी की शुरुआत करने आए साकेत कुमार सिंह एवं विकेटकीपर बल्लेबाज मोईब अब्बास ने तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाकर टीम को संकट से उबारा. 33वें ओवर में साकेत कुमार के रूप में पश्चिमी सिंहभूम का तीसरा विकेट गिरा. साकेत ने सात चौकों की मदद से 58 रनों की शानदार पारी खेली.मोईब अब्बास ने भी पांच चौकों एवं एक छक्का की सहायता से 53 रनों की बहुमूल्य पारी खेलकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट का शिकार हुए. पश्चिमी सिंहभूम की पूरी पारी 49.5 ओवर में 223 रन पर सिमट गई. रांची की ओर से रायन सपकोता ने 35 रन देकर तीन विकेट तथा आयुष सिंह परमार ने 37 रन देकर तीन विकेट हासिल किए.

टियाफो व शेल्टन क्ले कोर्ट के फाइनल में

ह्यूस्टन। गत चैंपियन फ्रांसिस टियाफो और शीर्ष वरीय बेन शेल्टन ने शनिवार को यहां अपने अपने मुकाबले जीतकर अमेरिकी पुरुष क्ले कोर्ट टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई. दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी टियाफो ने लूसियानो दारदेरी को 6-2, 7-6 से हराया. वह 2017 और 2018 में स्टीव जॉनसन के बाद खिताब का बचाव करने वाला पहला खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे. फाइनल में टियाफो की भिड़ंत अमेरिका के दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी शेल्टन से होगी. शेल्टन ने जोरदार वापसी करते हुए टॉम मार्टिन एचेवेरी को 6-7, 6-4, 6-4 से हराया.

फुटबॉल

कोपा डेल रे के फाइनल में पेनल्टी शूट आउट में हारी मालोर्का की टीम

एथलेटिक बिलबाओ की टीम ने जीता 23वां खिताब

भाषा। सेविले

एथलेटिक बिलबाओ ने पेनल्टी शूट आउट में मालोर्का को 4-2 से हराकर चार दशक बाद कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता. बिलबाओ को मालोर्का के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन टीम को खिताब जीतने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा. बिलबाओ की ओर से पेनल्टी शूट आउट में राउल गार्सिया, इकेर मूनियन, माइकल वेस्गा और एलेजांद्रो बेरेनगुएर ने पेनल्टी शूट आउट में गोल किए. एथलेटिक बिलबाओ के गोलकीपर जुलेन अगिरेजाबला ने मैनुएल मोर्लानेस के शॉट को रोका जबकि मालोर्का के नेमांजा रादोनजिक ने शॉट बाहर मारा.

CAMPEONES
COPA DEL REY

- पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से जीता एथलेटिक बिलबाओ
- 1984 के बाद बिलबाओ ने पहला कोपा डेल रे जीता

नियमित समय में 1-1 की बराबरी पर था मुकाबला

इससे पहले नियमित और अतिरिक्त समय के बाद फाइनल मुकाबला 1-1 से बराबर रहा. डेनी रोड्रिग्ज ने मालोर्का को 21वें मिनट में आगे किया लेकिन ओइहान सांचे ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया. एथलेटिक बिलबाओ का यह 23वां कोपा डेल रे खिताब है. टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था. टीम को इसके बाद छह बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा.

हॉकी : भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन जारी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

भाषा। पर्थ

- 4-2 से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दर्ज की जीत
- पहले मुकाबले में 5-1 से हारी थी भारतीय टीम

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पिछले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद रविवार को यहां पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 4-2 से पराजित हो गयी. भारत को शनिवार को पहले टेस्ट में 5-1 से हार का सामना करना पड़ा था. मेहमान टीम ने मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ बराबरी का खेल दिखाया. बल्कि पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही थी. लेकिन तीसरे क्वार्टर में खराब रक्षण का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा क्योंकि मेजबान टीम ने तीन गोल कर लगातार दूसरी जीत हासिल की. ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (छठे और 34वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया जबकि जैकब एंडरसन (42वें मिनट) और नाथन एफ्राम्स (45वें मिनट) ने मैदानी गोल दागे. भारत के लिए जुगराज सिंह (नौवें मिनट) और कप्तान हरमनप्रीत सिंह (30वें मिनट) ने पेनल्टी कार्नर पर गोल किये.

भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की. लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने छठे मिनट में अपने पहले ही पेनल्टी कॉर्नर पर हेवर्ड की बदौलत बढ़त हासिल कर ली. भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने अनुभवी पीआर श्रीजेश की जगह शुरूआत की. वह हेवर्ड की ताकतवर ड्रैग फ्लिक को नहीं रोक सके, जिससे मेजबान टीम 1-0 से आगे हो गयी. इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक हो गयी और उन्होंने तुरंत बाद लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये. पर भारतीय रक्षापंक्ति डटी रही.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धार्मिक यात्रा होगी. इस दौरान सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें. खर्चों में अधिक बढ़ोतरी न करें. काम काज सामान्य रहेगा. गाय को हरा चारा दें.

वृषभ सरकरी कार्य में गति आएगी. आपके कार्य और प्रभाव से विरोधी हार मानेंगे. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. निवेशादि लाभ देंगे. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. अन्न का दान करें.

मिथुन पराक्रम और पिता के लिए शाम का समय ठीक है. पर जल्द बाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. लड्डू का भोग लगावें.

कर्क नवम चंद्र है. भाग्य का साथ मिलने से मन खुश होगा. समय लागातार अनुकूल है. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम में वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह किसी से विवाद हो सकता है. भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या समय सामान्य है. कोई कार्य या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. यात्रा शुभ रहेगी. गणेश जी का मंत्र जाप करें.

तुला कोई मौसमी रोग परेशानी का कारण बनेगा. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक भाई के साथ साझेदारी अच्छी होगी. शिक्षा में तरक्की मिलेगी. मन खुश होगा. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा. माता दुर्गा को लाल फूल अर्पण करें.

धनु माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी से कहा-सुनी हो सकती है. बोलने से पूर्व सोच विचार लें. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है.

मकर समय का सदुपयोग करें. लोग आपके कार्य से खुश होंगे. रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. दुर्गामाता को लड्डू का भोग लगावें.

कुंभ धन का आगमन होगा. किसी दूर दराज से कुटुंब भी आएंगे. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नौकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. रुके हुए काम बन सकते हैं. माता को चुनरी चढ़ावें.

मीन समय बहुत ही अनुकूल है. अध्यात्म के प्रति खर्च होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. मानसिक और शारीरिक सुख में वृद्धि होगी.

---

144 लाइसेंसधारी की सूची सार्वजनिक हुई, 100 से ज्यादा वैसे लोगों को लाइसेंस जारी हुआ, जो गोड्डा के निवासी हैं ही नहीं

गोड्डा जिला प्रशासन ने रेवड़ी की तरह बांटे हैं आर्म्स लाइसेंस

संवाददाता। गोड्डा

हथियार का लाइसेंस जारी करने में गोड्डा जिला प्रशासन बड़ा ही उदार रहा है. प्रशासन की ओर से रेवड़ी की तरह आर्म्स के लाइसेंस बांटे गये हैं. इस बात का खुलासा जिला सामान्य शाखा समाहरणालय गोड्डा द्वारा चुनाव के मद्देनजर जारी आदेश संख्या 28/2024 द्वारा सार्वजनिक किया गया है.

आदेश के तहत जिला प्रशासन ने वैसे लाइसेंसधारियों को सूचित किया है, जिन्होंने प्रशासनिक आदेश की समय सीमा बीत जाने के बाद भी अपने हथियार जमा नहीं कराये हैं. चुनाव के मद्देनजर अपना लाइसेंसी हथियार जमा कराना अनिवार्य होता है. जिला प्रशासन द्वारा 144 लाइसेंसधारी की सूची सार्वजनिक की गई है. सूची देखकर स्पष्ट होता है कि एक सौ से अधिक वैसे लोगों को लाइसेंस जारी किया गया है, जो गोड्डा जिला के निवासी ही नहीं है. अधिकांश अधिकारी वर्ग और ऊंची पहुंच वाले हैं. गोड्डा आये थे नौकरी करने, मगर पद का दुरुपयोग कर फर्जी पता और दवाब बनाकर आर्म्स का लाइसेंस लेने में सफल हो गए. जो लोग इस जिला के निवासी ही नहीं हैं, उन्हें नोटिस कैसे मिलेगा. नियम के अनुसार नवीनीकरण के समय इन सब बातों का सत्यापन किया जाना चाहिए था, लेकिन सिर्फ पैसे के खेल पर सब कुछ मैनेज होता रहा है. अब जब चुनाव आयोग ने खबर ली है, तब प्रशासन की नींद खुली है.

LICENSE
समाहरणालय गोड्डा

इस मामले को विधानसभा में उठाया हूं, जांच चल रही है : अमित मंडल

गोड्डा के विधायक अमित मंडल ने इसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि पूर्व में एक डीसी के कार्यकाल में करीब एक सौ पच्चीस आर्म्स लाइसेंस जारी किए गए थे. इसे लेकर उन्होंने विधानसभा में सवाल भी उठाया था. विस में मामला उठाने के बाद जांच कमेटी बनी है . फिलहाल कमेटी जांच कर रही है. जांच के बाद पूरे मामले से पर्दा उठ जाएगा.

आखिर ऐसी कौन सी परिस्थिति थी, जो इतने लाइसेंस जारी हुए : प्रदीप यादव

विधायक प्रदीप यादव ने मामले की जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि आखिर गोड्डा में ऐसी कौन सी परिस्थिति बन गई थी कि इतने इतनी बड़ी संख्या में आर्म्स लाइसेंस जारी कर दिये गये. क्या भय का माहौल बन गया था, क्या उग्रवाद का साया था, जो इतनी बड़ी संख्या में लाइसेंस जारी कर दिये गये. क्या अधिकारी ज्यादा भयभीत हो गए थे. इसकी जांच होनी चाहिए और जिम्मेवारी सुनिश्चित कर कार्रवाई की जानी चाहिए.

बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बोले

मानवता को बचाना है तो सनातन को बचाना होगा

संवाददाता। पलामू

केंद्र सरकार की जन उपयोगी योजनाओं का लाभ लेने वाले ग्रामीण मतदाताओं तक भाजपा कार्यकर्ताओं को अपनी पहुंच बढ़ानी चाहिए. उक्त बातें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को हैदरनगर हाईस्कूल के मैदान में मंडल व बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं सम्मेलन में कही. बाबूलाल ने कहा कि दुनिया में मानवता को बचाना है तो सनातन को बचाना होगा. इसलिए नरेंद्र मोदी को वोट देकर जिताना होगा.बाबूलाल ने झामुमो पर हमला बोला. कहा कि हेमंत सोरेन ईडी के दफ्तर में नहीं पहुंचते हैं. राज्य में उनका अपना कानून चलता है. यहां की जमीन को फर्जी कागजात बनाकर बेचा जा रहा है. जमीन बेचने के बाद युवाओं के भविष्य के साथ खेला जा रहा है. एग्जाम का पेपर लिक हो रहा है. यह चुनाव चुनौती भरा चुनाव है. डेढ़ लाख का संकल्प लेकर यहां से जाएं. यह निवेदन करने आया हूं. कहा कि तीसरी बार पलामू संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम को जिताएं और देश में पुनः नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं.

उन्होंने हर हाल में शत प्रतिशत मतदान कराने के प्रति सजग व सक्रिय रहने के लिए कहा. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रवासी मतदाताओं से संपर्क करने और मतदान के समय घर बुलाने का प्रयास किया जाना चाहिये. उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में झारखंड में बालू फ्री में मिला करते थे. आज स्थिति है कि साइकिल में ढो रहे गरीबों को दो बोरा तक बालू पुलिस पकड़ने में लगी है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस देश में भ्रष्टाचारी, विभिन्न अवैध कारोबार से जुड़े माफिया भूमिगत हो गये या फिर जेल की सलाखों की हवा खा रहे हैं. कभी इसी देश में बारात जाने के लिये सुदूर गांव, अस्पताल तक रोगी पैदल या बैलगाड़ी से जाते थे.

आज नरेंद्र मोदी के शासनकाल में गांवों तक सड़कों का जाल बिछ गया है. नरेंद्र मोदी को अंदरुनी और देश के बाहरी शक्तियां सत्ता में पुनः आने देना नहीं चाहती हैं. क्योंकि वह नहीं चाहते कि भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे. हम सबों को देश को बचाने के लिए वोट करना होगा. प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सड़क, पानी और बिजली की पहुंच गांव तक बनी है. कुछ लोग आज भी लालटेन लेकर घूम रहे हैं. लेकिन आप लोगों को वैसा नहीं करना है. आप बिजली के महत्व को समझते हुए वोट करें.

वहीं निवर्तमान सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है. पलामू में केन्द्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को सामने रखते हुए कहा कि देवरी सोन नदी में पुल, सोन, कोयल, ओरंगा नदी से लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से विभिन्न जलाशयों में जल भंडारण करने व क्षेत्र की सूखी पड़ी खेती योग्य भूमि को सिंचित कराने के लिये योजना तैयार हो चुकी है. चुनाव बाद भाजपा सरकार इसे अवश्य पूरा करेगी. साथ रेल यातायात से संबंधित विभिन्न स्थानों से मिले प्रस्ताव को भी पूरा कराने की कोशिश की जायेगी. वीडी राम ने कहा कि बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को अपनी क्षमता पहचानने की जरूरत है. आप घर-घर जाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को लोगों को जानकारी दें और बूथ तक पहुंचाएं.

स्थानीय विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि जिस तरह से आज मैं अकेले मंच पर खड़ी होकर बोल रही हूं यह क्षमता प्रधानमंत्री की देन है. उन्होंने महिलाओं को लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है. इसलिए हम सब को सरकार की योजनाओं को देखते हुए वोट करने की जरूरत है. कार्यक्रम में छतरपुर विधानसभा के सभी छह मंडल अध्यक्षों के अलावा कई कार्यकर्ता मौजूद थे. मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, भाजपा नेता मनोज कुमार, विनोद सिंह, नरेंद्र पांडे, छतरपुर नगर मंडल अध्यक्ष मोहन जायसवाल, उपाध्यक्ष गुल बाबा, अरविंद सिंह, पूर्व सांसद घुरण राम, अशोक तिवारी, अरुण दुबे, राम नरेश यादव, संजय सिंह, संतोष पांडे, बाबूलाल पाठक और प्रियांशु शर्मा के अलावा कई भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे.

बोले बाबूलाल

- मोदी के कार्यकाल में गांवों तक सड़कों की जाल बिछ गयी है
- जमीन के फर्जी कागजात बनाकर बेचा जा रहा है
- सभी लोगों को देश को बचाने के लिए मतदान करना होगा

पुलिस ने थाने में प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

शराब काउंटर में काम करने वाले सेल्समैन बनाते थे नकली शराब

शंभू कुमार। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर में रविवार सुबह नकली विदेशी शराब को लेकर की गई कार्रवाई के संबंध में रविवार शाम चक्रधरपुर थाना में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य रुप से मौजूद पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा, चक्रधरपुर थाना प्रभारी राजीव रंजन ने छापेमारी के संबंध में जानकारी दी. प्रेस वार्ता में पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर नगर परिषद् कार्यालय के समीप स्थित हरिजन बस्ती के समीप स्व. रघुनाथ साहु के घर में छापेमारी की गई थी.

जहां से यहां पहले तल्ले के तीन कमरों में पांच लोग नकली शराब की बातेल में स्टीकर एवं लोगो लगाकर शराब की बोतलें तैयार करते हुये पाये गये थे. साथ ही उक्त स्थान पर कई कंपनियों के खाली शराब की बोतलें व स्टीकर समेत अन्य सामान मिले थे. पारस ने कहा कि नकली विदेशी शराब का निर्माण का कार्य चक्रधरपुर शहर के तीन शराब काउंटर में काम करने वाले सेल्समैन मिलकर करते थे. साथ ही इन नकली विदेशी शराबों को दुकानों में ही बेच दिया जाता था. वहीं नकली विदेशी शराब बनाने के लिए कबाड़ व अन्य जगहों से खाली बोतलें भी जमा की जाती थीं. विदेशी नकली शराब बनाने वालों के खिलाफ छापेमारी अभियान जारी रहेगी. वहीं नकली शराब बनाने के आरोप में पकड़े जाने वालों में बिहार के भोजपुर जिला के धनपत पाल, औरंगाबाद जिला के कुसुमा गांव निवासी विकास कुमार यादव, औरंगाबाद जिला के ही बदड़ी गांव निवासी रामध्यान यादव, जगदीशपुर गांव निवासी उमेश सिंह और चांदबिग्हा गांव निवासी अशोक यादव हैं.

छापेमारी में विभिन्न ब्रांडों के लगभग एक हजार खाली शराब की बोतलें, विभिन्न् ब्रांडों के 32 बोतल नकली शराब, विभिन्न कंपनियों की बड़ी संख्या में ढक्कन, विभिन्न कंपनियों के शराब के बोतलों के लेबल, स्टीकर, झारखंड सरकार का लोगो एवं क्यूआर कोड लगा लगभग 1300 स्टीकर बरामद किया गया. छापेमारी अभियान में पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा, थाना प्रभारी राजीव रंजन, पुलिस अवर निरीक्षक आकाश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रोहित कुमार, अवर निरीक्षक भुतनाथ सिंह मुंडा, अवर निरीक्षक सुनील कुमार पांडेय के अलावा चक्रधरपुर थाना के जवान शामिल थे.

आंबेडकराइट से रामहरि को टिकट

चाईबासा । रविवार को आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश कार्यालय भुसुर तुपुदाना, रांची में लोकसभा इकाई द्वारा विशेष बैठक हुई. बैठक रांची लोकसभा प्रभारी देवनाथ मुंडा की अध्यक्षता में हुई. जिसमें सर्वसम्मति से लोकसभा चुनाव 2024 में रांची लोकसभा सीट से रामहरि गोप को प्रत्याशी बनाया गया. साथ ही चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई. मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के संयुक्त सचिव सुलेमान होरो, रामहरि गोप जिला अध्यक्ष पंचम स्वांसी, जिला सचिव संदीप मुंडा मौजूद थे.

चार जोड़ों की हुई सामूहिक शादी

सुकेश कुमार । चाईबासा

उरांव समाज बान टोला चाईबासा के चाला मंडप में सामूहिक विवाह रविवार को संपन्न हुआ. मालूम हो कि इस सामूहिक विवाह में कुल चार जोड़ों का सामाजिक रीति रिवाज के साथ विवाह संपन्न कराया गया. इस विवाह समारोह में आदिवासी उरांव समाज के क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष, सचिव, सलाहकार समितियों के बीच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर चाईबासा ने उपस्थित होकर जोड़ों को आशीर्वाद दिया और आगे की उज्जवल भविष्य की कामना की. अतिथियों का स्वागत करते हुए मुखिया लालू कुजूर ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन साबित होगा. क्योंकि हमारे समाज से कुछ ऐसे जोड़ों का विवाह संपन्न हो रहा है, जो आर्थिक रूप से असमर्थ थे. उन लोगों का समाज के बीच हमारे पुण्य स्थल चाला मंडप में विवाह संपन्न हो रहा है. आज हम सभी उनके दांपत्य सुखमय जीवन की कामना करते हुए समाज से जुड़े सभी भाई बंधुओं से निवेदन करूंगा कि इस तरह के कार्य में अपनी-आपनी भूमिका निभाएं. समाज को एक सूत्र में जोड़े रखने में अपनी हर संभव सहयोग दें. अध्यक्ष संचू तिर्की ने कहा कि यह हमारे समाज की ओर से एक पहल किया जा रहा है. इस पहल के माध्यम से ऐसे जोड़े जो रिलेशनशिप में पहले से थे. वर्तमान में उनका विवाह कराया जा रहा है, क्योंकि वे लोग विवाह करने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं थे. उन्हें आज सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हमारे पूज्य स्थल चाला मंडप में पूरी रीती-रिवाज के साथ विवाह संपन्न कराया जा रहा है. मैं विशेष रूप से बान टोला के मुखिया ब्लडमेन लालू कुजूर को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं कि इस तरह का पहल किया. यह हमारे समाज के लिए अनोखा है. यह पहल हमारे चाईबासा के सातों अखाड़ा में भी होना चाहिए. मैं खास करके समाज से जुड़े युवाओं बुजुर्गों से निवेदन करूंगा कि इस तरह का कार्य को संपन्न कराने में आगे भी अपनी-अपनी भूमिका को निभाएं. विवाह के इस कार्यक्रम मेंअनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल देव बड़ाइक ने कहा कि मुझे यहां आकर बहुत ही खुशी महसूस हो रही है कि सामाजिक तौर पर यहां आर्थिक रूप से कमजोर जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा रहा है, जो कि हम सामाजिक प्राणियों का, हम सामाजिक संगठनों का भी दायित्व बनता है कि इस तरह के कार्य को संपन्न कराने में अपनी भूमिका जरूर निभाएं. मैं विशेष रूप से आदिवासी उरांव समाज के सभी पदाधिकारी को धन्यवाद देता हूं कि इस तरह के कार्य को संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका को निभा रहे हैं. आज के इस विवाह समारोह में सचिव अनिल लकड़ा ने कहा कि हमलोग इस तरह के कार्य को संपन्न करने के लिए पिछले कई महीनों से विचार विमर्श कर रहे थे, लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि यह पहल सबसे पहले बान टोला में हुआ है और हमलोग इसको और आगे लेकर चलेंगे.

लोकसभा चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिएः सुखदेव

संवाददाता। लोहरदगा

लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस पार्टी की बैठक जिला अध्यक्ष सुखदेव भगत की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में हुई, जिसमें लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई. बैठक में मुख्य रूप से इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, लोकसभा क्षेत्र कोऑर्डिनेटर प्रदीप तुलस्या,न विधानसभा प्रभारी बेलस तिर्की शामिल हुए. कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने लोकसभा प्रत्याशी सुखदेव भगत को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत कियाच.

बैठक को संबोधित करते हुए सुखदेव भगत ने कहा कि यहां कांग्रेस की जड़ें बहुत गहरी हैं. लोहरदगा की धरती के धीरज प्रसाद साहू तीन बार राज्यसभा सांसद रहे हैं और डॉ रामेश्वर उरांव यहां के मंत्री हैं. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता हमारी पूंजी हैं और कार्यकर्ताओं की बदौलत ही लोकसभा का चुनाव जीतेंगे. यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए है. प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि भाजपा सिर्फ झूठे वादा करती है, परंतु कांग्रेस पार्टी जो वादा करती है, उसे हर हाल में पूरा करती है.कांग्रेस पार्टी का जो घोषणा पत्र है- पांच गारंटी 25 न्याय उसे पार्टी हर हाल में पूरा करेगी. प्रदीप तुलस्यान ने कहा कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की लहर है. सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर तन मन से चुनाव प्रचार में लग गए हैं.

प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

चाईबासा। आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रत्याशी जॉन मीरन मुंडा ने जनसंपर्क अभियान चलाया. इस क्रम में तांतनगर प्रखंड के तुईबाना गांव के ग्रामीणों के साथ बैठक की. जॉन मीरन मुंडा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि तुईबाना गांव ईचा खरकई डैम से प्रभावित गांव है. इस विनाशकारी परियोजना को रद्द करने के लिए पूर्व के सांसदों ने कभी भी सांसद भवन में मजबूती से बातों को नहीं रखा. केवल वोट बैंक के लिए ईचा खरकई डैम के नाम पर लोगों से वोट लिया. जॉन ने कहा की सांसद के रूप में अपना समर्थन मुझे दीजिए, ताकि दिल्ली के संसद भवन में डैम के विरुद्ध मजबूती लड़ाई को लड़ा जा सके. ईचा खरकई डैम जैसे विनाशकारी डैम को न बनाकर कुजू नदी में श्रींकलाबद छोटे छोटे चेक डैम बनाए जाने से खेतों में सिंचाई के लिए पानी का प्रबंध हो सकता है. आदिवासियों के पलायन को भी रोका जा सकता है.

बसंत का 'भाभी' सीता पर राजनीतिक प्रहार

कहा- पार्टी व परिवार ने 15 साल विधायक बनाकर सीता सोरेन को सम्मान दिया

विशेष संवाददाता। रांची/जामताड़ा

शिबू सोरेन के छोटे पुत्र मंत्री बंसत सोरेन ने अपने भाभी सीता सोरेन पर ताबड़तोड़ राजनीतिक प्रहार किए. रविवार को वे जामताड़ा पहुंचे. जहां पर उन्होंने दुमका लोकसभा को लेकर रणनीति बनाया. इस दौरान उन्होंने दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को लेकर कहा कि सीता सोरेन घर पर उनकी भाभी हैं, न कि चुनावी मैदान में. उन्होंने पार्टी और परिवार में सम्मान नहीं मिलने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि पार्टी और परिवार ने 15 साल विधायक बनाकर सीता सोरेन को सम्मान दिया है. उन्होंने कहा कि पार्टी ने तीन बार उन्हें विधायक बनाया और सम्मान देने का काम किया.

दुर्गा सोरेन की मौत की सीबीआई जांच कराने की मांग पर बंसत सोरेन ने उन्हें करारा जवाब दिया. उन्होंने कहा कि सीता सोरेन खुद तीन बार यानि की 15 साल से वे पार्टी की विधायक रहीं हैं. कभी सदन या सदन के बाहर उन्होंने सीबीआई जांच की मांग नहीं की. .अब जबकि वह दूसरे दल में शामिल हो गई हैं तो वह सीबीआई जांच की मांग कर रही हैं. बसंत सोरेन ने कहा कि इसके पीछे कौन लोग हैं यह समझ सकते हैं और उनकी मंशा क्या है यह भी समझा जा सकता है.

बसंत बोले

- दूसरे दल में जाकर सीबीआई जांच की मांग कर रही हैं
- इसके पीछे कौन लोग हैं, इसे भलीभांति समझा जा सकता है

निशिकांत के बयान पर बोलने से बचते रहे बसंत

बसंत सोरेन ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि यह उनका निजी बयान है. पिछले दिनों गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने दुमका में बयान दिया था कि बसंत सोरेन बहुत जल्द झामुमो छोड़ देंगे और झामुमो कई भागों में बंट जाएगा.

हाईस्कूल

विद्यार्थियों को छह किमी दूर दूसरे पंचायत के हाईस्कूल में पढ़ने जाना पड़ता है

डंडई में पढ़ाई के लिए नहीं है सरकारी हाईस्कूल

संवाददाता । डंडई

प्रखंड के मुख्यालय होने के बाद भी इस पंचायत में यहां के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने के लिए एक भी सरकारी हाईस्कूल नहीं है. यहां के विद्यार्थियों को करीब चार से छह किलोमीटर दूर दूसरे पंचायत के हाईस्कूल में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाना पड़ता है. ऐसे में कई विद्यार्थी दूर के स्कूलों में जाने से हिचकते भी हैं. वहीं अभिभावक भी पंचायत में सरकारी हाईस्कूल नहीं होने से अपने बच्चों के शिक्षा के लिए चिंतित हैं.

ग्रामीण विवेकानंद कुशवाहा, अशोक प्रसाद गुप्ता सहित अन्य ने बताया कि डंडई पंचायत में संचालित एक भी मध्य विद्यालय को पिछले कई दशकों में उत्क्रमित कर हाईस्कूल का दर्जा नहीं मिल सका है. जबकि पंचायत में तीन सरकारी मध्य विद्यालय संचालित है. इसमें मध्य विद्यालय डंडई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैरियादामर तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैलाझखड़ा शामिल है. पंचायत में तीन मध्य विद्यालय होने के बावजूद भी इनमें से एक भी स्कूल को उत्क्रमित कर उच्च विद्यालय का दर्जा नहीं मिलना समझ से परे है. यह क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है. इससे यहां के लोग कक्षा नौ, 10, 11 और 12वीं तक के बच्चों के शिक्षा को लेकर काफी परेशान हैं.

बच्चों को निःशुल्क शिक्षण प्राप्त करने के लिए दूर जाना डंडई पंचायत के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है. ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा से ही किसी भी क्षेत्र का विकास संभव है. यहां सरकारी हाईस्कूल की व्यवस्थाएं ही नहीं हैं तो विकास की कल्पना करना भी काफी दूर की बात है. ग्रामीणों ने कहा शिक्षा विभाग के घोर उदासीनता के कारण यहां के मध्य विद्यालय को हाईस्कूल की दर्जा नहीं दिया जा रहा है.

ग्रामीणों ने बताया कि डंडई पंचायत प्रखंड का मुख्यालय भी है. जहां पुलिस थाना, सरकारी अस्पताल, प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, तहसील भवन, आयुर्वेदिक औषधालय, प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय सहित कई सरकारी दफ्तरें हैं. परंतु कक्षा नौ से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करने के लिए एक भी सरकारी उच्च विद्यालय नहीं है.

छात्र चिंतित

- हाईस्कूल नहीं होने से बच्चे शिक्षा के लिए हैं चिंतित
- यहां के मिडिल स्कूल को हाईस्कूल का दर्जा नहीं मिला

बांकी क्षेत्र में नक्सलियों ने लगाये पोस्टर व बैनर

किरीबुरु। पश्चिम सिंहभूम जिला के कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र अत्यंत नक्सल प्रभावित टोंटो एवं गोईलकेरा के सीमावर्ती गांव पोखरीबुरु, बांकी, लुईया एवं सांगाजाटा जाने वाले मार्ग स्थित बोर्ड व लोगों के घरों की दीवार पर भाकपा माओवादी नक्सलियों द्वारा बडे पैमाने पर बैनर व पोस्टर लगाये गये हैं. इन बैनर व पोस्टरों में तमाम पुलिस कैंप को बंद कर पुलिस को वापस करने, जनता पर युद्ध अभियान बंद करने, चुनाव का बहिष्कार करने आदि की बात लिखी गई है. नक्सलियों द्वारा लगाये गये पोस्टर से ग्रामीणों में भय व्याप्त है. सूत्रों अनुसार उक्त क्षेत्र में पुलिस व सीआरपीएफ की भारी तैनाती है. नक्सली कब रात में आकर पोस्टर, लगा दिये, वह पता नहीं चल पाया.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेस ने असम में गारंटी कार्ड बांटना शुरू किया

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई ने रविवार को गुवाहाटी से अपने 'गारंटी कार्ड' को घर-घर जाकर बांटना शुरू किया. असम के प्रभारी कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत की और पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्ड बांटने के लिए शहर के पंजाबाड़ी इलाके में घरों का दौरा किया.

कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

बेंगलुरु। बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएमसीआरआई) के दो छात्र हैजा से संक्रमित पाए गए, जिसके बाद से कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों उन 47 छात्रों में से थे जिन्हें दस्त और पानी की कमी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

इजराइल के बंधक का शव गाजा से बरामद

काहिरा। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने गाजा में बंधक बनाए गए 47 वर्षीय किसान का शव बरामद किया है. हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइल के किसी नागरिक का शव ऐसे वक्त में बरामद किया गया है जब वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच छह माह से जारी युद्ध को रोकने तथा शेष बंधकों को रिहा कराने के लिए रविवार को दूसरे दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं.

मिरज में बने सितार व तानपुरा को जीआई टैग

पुणे। महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक छोटे से कस्बे मिरज में बनाए जाने वाले सितार और तानपुरा को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है. यह क्षेत्र संगीत वाद्ययंत्र बनाने की शिल्प कौशल के लिए जाना जाता है. निर्माताओं ने दावा किया कि ये वाद्ययंत्र मिरज में बनाए जाते हैं और शास्त्रीय संगीत के कलाकारों के साथ-साथ फिल्म उद्योग के प्रसिद्ध कलाकारों के बीच भी इनकी भारी मांग है.

इंडोनेशिया के पापुआ में मारे गए दो विद्रोही

जयापुरा। इंडोनेशिया के अशांत पापुआ क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी सोने की खदानों में से एक के निकट सुरक्षा बलों और विद्रोही समूह के बीच गोलीबारी में दो अलगाववादी मारे गए. पुलिस ने बताया कि मध्य पापुआ प्रांत के खनन शहर तेम्बागापुरा के निकट 'फ्री पापुआ मूवमेंट' से जुड़े विद्रोहियों और पुलिस एवं सैन्य बलों के बीच हुई झड़प में समूह के दो क्षेत्रीय कमांडर अबुबकर कोगोया और डेमियानस मागे मारे गये.

चलती ट्रेन से टकराई कार, चालक की मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में एक कार बंद रेलवे फाटक को तोड़ते हुए चलती ट्रेन से टकरा गई, जिससे कार चालक की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने बताया कि यह हादसा शनिवार आधी रात के आसपास जैथारी इलाके में हुआ. जनसंपर्क अधिकारी अंबिकेश साहू ने फोन पर बताया कि कार बंद रेलवे फाटक को तोड़ते हुए हीराकुंड एक्सप्रेस से टकरा गई.

बिहार के नवादा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया, बोले-

कांग्रेस के जारी घोषणापत्र से तुष्टीकरण की राजनीति की बू आ रही है

भाषा। नवादा (बिहार)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि उसके द्वारा हाल में जारी घोषणापत्र में तुष्टिकरण की राजनीति की बू आ रही है और ये ऐसा है मानो इसे मुस्लिम लीग लेकर आई है. बिहार के नवादा जिले में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी आलोचना की. उन्होंने कहा कि कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष कोई छोटा पद नहीं है. वह कहते हैं कि धारा 370 का राजस्थान से क्या लेना-देना है. यह टुकड़े-टुकड़े गैंग की मानसिकता है. उनके विचार राजस्थान और बिहार के सुरक्षाकर्मियों का अपमान हैं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए प्राण गंवाए और उनके शव तिरंगे में लिपटे हुए वापस आए. प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, बिहार में उसकी सहयोगी राजद और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के अन्य घटक संविधान के बारे में बात करना बहुत पसंद करते हैं.

पीएम उवाच

- हम मिलकर काम करें तो भारत हो सकता है विकसित
- मौका को गवाना नहीं है, 2024 का चुनाव बहुत अहम

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बाबा साहेब आम्बेडकर के संविधान को लागू क्यों नहीं किया. यह केवल मोदी के शासन में ही संभव हो सका.

घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग के विचारों की छाप : प्रधानमंत्री ने तीन तलाक प्रथा के खिलाफ अपनी सरकार के कदम का भी जिक्र किया और कहा कि दो दिन पहले कांग्रेस ने जो अपना घोषणा पत्र जारी किया है, उसमें भी मुस्लिम लीग के विचारों की छाप है. कांग्रेस ने घोषणा पत्र नहीं, तुष्टिकरण पत्र जारी किया है. उन्होंने कहा कि मोदी ने भारत को आंख दिखाने वालों को सबक सिखाने की गारंटी दी थी. जो भारत को आंख दिखाते थे वो अब आटे के लिए भटक रहे हैं.

आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है

मोदी ने कहा कि यह वह समय है जब हम मिलकर काम करें तो भारत विकसित हो सकता है. भारत अपनी गरीबी दूर कर सकता है. हमें इस मौका को गवाना नहीं है और इसलिए 2024 का यह चुनाव बहुत अहम हो गया है. उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में बिहार के लोगों ने देश हित में लिए गए अनेक बड़े निर्णय देखे हैं. आज भारत में बिहार में, आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण किया जा रहा है. आज आधुनिक एक्सप्रेसवे बन रहे हैं. रेलवे स्टेशनों आधुनिकरण हो रहा है. वंदे भारत जैसी ट्रेनें बढ रही हैं. डिजिटल क्रांति ने सरकार की सेवाओं को आपके मोबाइल में पहुंचा दिया है. आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है.

पीएम को चार जून के बाद लंबी छुट्टी पर जाना पड़ेगा : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पार्टी की गारंटियों से घबराए हुए हैं और अपनी कुर्सी बचाने की बौखलाहट में बेबुनियाद बातें कर रहे हैं. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के लोग अब पीएम के झूठ से थक चुके हैं.

गरीब का बेटा मोदी गरीब का सेवक है

मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है बिहार की यह महान धरती विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए अपना भरपूर आशीर्वाद देगी. उन्होंने कहा कि मोदी देश से गरीबी खत्म करने के मिशन में जुटा है. मैं भी आप ही की तरह गरीबी को जीकर यहां आया हूं. मैं कभी भूल नहीं सकता की 2014 से पहले देश में क्या स्थिति थी. करोड़ों देशवासी कच्चे घरों में रहने को को मजबूर थे या बेघर थे. देश गांवों में ज्यादर लोग खुले में शौच जाने के लिए मजबूर थे. गरीबों के पास ना गैस कनेक्शन था ना जल आता था. गरीबों का राशन बिचैलिए खा जाते थे. गरीब का बेटा मोदी गरीब का सेवक है. मैं जब तक देश के हर भाई-बहन की गरीबी दूर नहीं कर लूंगा, चैन से नहीं बैठूंगा.

तीन दशक बाद मेनका गांधी और वरुण गांधी इस सीट के चुनावी रण से बाहर

भाजपा ने पीलीभीत में झोंकी ताकत

भाषा। पीलीभीत (उप्र)

पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र में पिछले तीन दशक से भी ज्यादा वक्त तक अपना दबदबा कायम रखने वाले मां-बेटे यानी मेनका गांधी और वरुण गांधी इस बार इस सीट के चुनावी रण से बाहर हैं. वरुण का टिकट काटने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यहां अपने नए प्रत्याशी जितिन प्रसाद को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रही है. भाजपा इस प्रतिष्ठापूर्ण सीट पर अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए जोरदार तैयारी कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे. मेनका गांधी और वरुण गांधी वर्ष 1996 के बाद से पीलीभीत सीट पर भाजपा का झंडा लहराते रहे हैं, लेकिन इस बार पार्टी ने मौजूदा सांसद वरुण गांधी के बजाय प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद को चुनाव मैदान में उतारा है. वहीं सपा ने इस सीट पर भगवत सरन गंगवार को तथा बसपा

से उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री अनीस अहमद को मैदान में उतारा है.

पीलीभीत में 19 अप्रैल को मतदान होगा : पीलीभीत में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा. जितिन प्रसाद ने साल 2004 और 2009 में क्रमशः शाहजहांपुर और धौरहरा निर्वाचन क्षेत्रों से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता था. वह 2021 में भाजपा में शामिल हो गए. वह इस लोकसभा चुनाव में मैदान में उतरने वाले उत्तर प्रदेश के एकमात्र कैबिनेट मंत्री हैं. हालांकि, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य प्रसाद को पीलीभीत में अपनी राजनीतिक जमीन बनाने के लिये जद्दोजहद करनी पड़ सकती है.

1989 में जनता दल से लोस सीट जीती थीं मेनका

मेनका गांधी ने पहली बार वर्ष 1989 में जनता दल के टिकट पर पीलीभीत लोकसभा सीट जीती थी, मगर 1991 में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था, लेकिन साल 1996 के चुनाव में उन्होंने फिर से जीत हासिल की. वह साल 1998 और 1999 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में फिर इसी सीट से सांसद चुनी गईं. उन्होंने 2004 और 2014 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में सीट जीती. उनके बेटे वरुण गांधी 2009 और 2019 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में पीलीभीत से सांसद बने.

तराई क्षेत्र में स्थित पीलीभीत में लगभग 18 लाख मतदाता हैं

पार्टी सूत्रों का कहना है कि पूरनपुर में पीएम की रैली मतदाताओं के मन में संदेह दूर करने और जितिन प्रसाद के पक्ष में वोट डालने के लिए आयोजित की गई है. 2014 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीलीभीत में लोकसभा चुनाव रैली की थी. नेपाल की सीमा से लगे तराई क्षेत्र में स्थित पीलीभीत में लगभग 18 लाख मतदाता हैं, जिनमें मुस्लिम और लोधी के बाद कुर्मी तीसरा सबसे बड़ा मतदाता समूह है. मौर्य, पासी और जाटव वोट बैंक हैं, इसके बाद बंगाली, ब्राह्मण और सिख मतदाता भी खासी संख्या में हैं.

राजनेताओं ने लंबे समय से पीलीभीत के मुद्दों की उपेक्षा की

स्थानीय लोगों का कहना है कि राजनेताओं ने लंबे समय से पीलीभीत के मूल मुद्दों की उपेक्षा की है. यहां के लोगों ने हमेशा भावनाओं के आधार पर वोट दिया है और समय के साथ इसमें बदलाव आ सकता है. हालांकि, जिले में पारिस्थितिक रूप से समृद्ध पीलीभीत बाघ अभयारण्य द्वारा संचालित एक बेहतर पर्यटन अर्थव्यवस्था है. मगर, बेहतर सड़क और रेल संपर्क जैसे पर्याप्त बुनियादी ढांचे के अभाव में इस क्षेत्र में विकास सीमित है. निर्वाचन क्षेत्र के अधिकांश हिस्से मानसून में शारदा नदी की बाढ़ से पीड़ित रहते हैं.

टिकट कटने के बाद वरुण ने लिखा था भावनात्मक पत्र

सांसद के रूप में कई बार अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर हुए वरुण गांधी ने टिकट कटने के बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को एक भावनात्मक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके साथ उनका रिश्ता उनकी आखिरी सांस तक बरकरार रहेगा.

बंगाल में गुंडों का काफी इलाकों पर नियंत्रण है

कानून-व्यवस्था पूरे बंगाल में खराब नहीं : राज्यपाल बोस

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं हुई है और राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका कारण अतीत की विरासत भी हो सकता है. बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच कई मुद्दों पर मतभेद रहा है. बोस ने यहां राजभवन में एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि उनकी और बनर्जी की धारणाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन वे एक उचित शिष्टाचार बनाए रखते हैं. उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपने मौजूदा कार्यकाल को 'उनके लिए तथ्यान्वेषण और डेटा-एकत्रित करने का समय' बताया. बोस ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरे राज्य में खराब नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि गुंडों का काफी इलाकों पर नियंत्रण है. उन्होंने कहा कि मैंने संदेशखालि में देखा कि महिलाएं सम्मान के साथ शांति चाहती थीं, लेकिन उनका सम्मान खंडित हो गया था. यह चिंताजनक स्थिति थी जो पश्चिम बंगाल के परिदृश्य को खराब कर रही है. यह (स्थिति) कुछ क्षेत्रों तक सीमित है लेकिन इनकी संख्या बढ़ रही है.

यह समस्या है. इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि कानून-व्यवस्था पूरे पश्चिम बंगाल में ध्वस्त हो गई है, लेकिन ऐसे काफी क्षेत्र हैं जहां गुंडों का नियंत्रण है. बहरहाल, राज्यपाल ने राज्य के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के लिए वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया और कहा कि यह अतीत की विरासत थी.

प्रशांत किशोर का कांग्रेस को सुझाव राहुल गांधी को पीछे हट जाना चाहिए

भाषा। नयी दिल्ली

जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि यदि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं तो राहुल गांधी को अपने कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए. किशोर ने पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि गांधी, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, अपनी पार्टी चला रहे हैं और पिछले 10 वर्ष में अपेक्षित परिणाम नहीं देने के बावजूद वह न तो रास्ते से हट रहे हैं और न ही किसी और को आगे आने दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि 'मेरे अनुसार यह भी अलोकतांत्रिक है. उन्होंने विपक्षी पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए एक योजना तैयार की थी लेकिन उनकी रणनीति के क्रियान्वयन पर उनके और कांग्रेस नेतृत्व के बीच मतभेदों के चलते वह अलग हो गए थे. तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी के राजनीति से दूर रहने और 1991 में पीवी नरसिंह राव के कार्यभार संभालने को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब आप एक ही काम पिछले 10 वर्ष से कर रहे हैं और सफलता नहीं मिल रही है तो एक ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है... आपको चाहिए कि पांच साल तक यह जिम्मेदारी किसी और को सौंप दें.

दी नसीहत

- राहुल गांधी न हट रहे हैं, न किसी को आगे कर रहे हैं
- पिछले 10 वर्ष में कांग्रेस को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमले, 12 आतंकी ढेर

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिन में हुई आतंकवादी घटनाओं और सुरक्षा अभियानों में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित छह सुरक्षाकर्मी और 12 आतंकवादी मारे गए हैं. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने कहा कि बलूचिस्तान प्रांत में दो घटनाओं में चार आतंकवादी मारे गए हैं. आईएसपीआर ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में स्थित डेरा इस्माइल खान जिले में कुलाची तहसील के कोट सुल्तान इलाके में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान आठ आंतकवादी मारे गए.

लोकसभा चुनाव में 'बेरोजगारी' सबसे बड़ा मुद्दा : मल्लिकार्जुन खड़गे

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा द्वारा थोपी गई बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है. उन्होंने दावा किया कि युवा रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और देश जनसांख्यिकीय दुःस्वप्न का सामना कर रहा है.

खड़गे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 'युवा न्याय' के तहत कांग्रेस की 'पहली नौकरी पक्की' गारंटी काम और सीखने को अलग करने वाली बाधाओं को दूर करेगी, जिससे करियर के विकास के नए रास्ते खुलेंगे. भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के मामले का हवाला देते हुए खड़गे ने दावा किया कि 12 आईआईटी में, लगभग 30 प्रतिशत छात्रों को नियमित प्लेसमेंट नहीं मिल रहा है. उन्होंने कहा कि 21 आईआईएम में से केवल 20 प्रतिशत ही अब तक ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट पूरा कर सके हैं. अगर आईआईटी और आईआईएम में यह स्थिति है, तो कोई कल्पना कर सकता है कि भाजपा ने किस तरह से देश भर में हमारे युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है.

किया दावा

- देश जनसांख्यिकीय दु:स्वप्न का सामना कर रहा है
- 30% छात्रों को नियमित प्लेसमेंट नहीं मिल रहा है

कॅरियर-काउंसिलिंग

सोशियोलॉजी से संबद्ध लैंगिक अध्ययन का बैचलर्स व मास्टर्स पाठ्यक्रम कर बना सकते हैं कॅरियर

लैंगिक अध्ययन एक विशाल और अंत:विषय है, जिसे स्त्री-पुरुष और एलजीबीटी पहचान पर केंद्रित सोशियोलॉजी का एक उप-विषय भी माना जाता है. इसका उद्देश्य जातीयता, कामुकता, वर्ग और राष्ट्रीयता में लिंग पहचान और प्रतिनिधित्व का विश्लेषण करना है. इसमें महिलाओं का अध्ययन, नारीवादी दृष्टिकोण, राजनीति जैसे विषय शामिल हैं. इस विषय में डिग्री प्राप्त करने के दौरान आप निम्न विषयों का अध्ययन कर सकते हैं :

- जेंडर एंड टेक्नोलॉजी
- इंट्रोडक्शन टू वूमन एंड जेंडर स्टडीज
- कल्चर, रेस एंड आइडेंटिटी
- वूमन एंड वॉर
- जेंडर, पॉवर, लीडरशिप एंड द वर्कप्लेस
- चेंजिंग लाइफ : रीडिंग द इंटरसेक्शन ऑफ जेंडर, रेस, बायोलॉजी एंड लिटरेचर
- इंटरनेशनल विमेंस वॉइस
- जेंडर एंड मीडिया
- पॉपुलर कल्चर एंड नैरेटिव : लिटरेचर, कॉमिक्स एंड कल्चर
- लैंगिक अध्ययन के प्रमुख विषय
- लिंग अध्ययन का परिचय
- महिला के विरुद्ध क्रूरता
- युवाओं को समझना
- लिंग और समाज
- **लिंग और विकास** : दृष्टिकोण और रणनीति
- अनुसंधान क्रियाविधि
- नारीवादी आंदोलन
- नारीवादी सिद्धांत
- लिंग और अर्थव्यवस्था
- नारीवादी अनुसंधान पद्धति
- युवा विकास के लिए सकारात्मक मनोविज्ञान
- लिंग और स्वास्थ्य
- लिंग, पर्यावरण और आजीविका
- लिंग और गरीबी
- लिंग और मीडिया
- बैचलर्स पाठ्यक्रम
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जेंडर एंड वीमेंस स्टडिज

- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन सोशियोलॉजी – जेंडर, वर्क एंड फेमिली
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जेंडर रेस एंड आईडेंटीटी
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन वीमेन, जेंडर एंड सेक्सुअलिटी स्टडिज
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन हेल्थ एंड सोसाइटिज- रेस, जेंडर एंड हेल्थ
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन सोशियोलॉजी- जेंडर एंड सोसाइटी
- बैंचलर ऑफ साइंस इन साइकोलॉजी- वीमेंस स्टडिज
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जेंडर, वीमेन एंड सेक्सुअलिटी स्टडिज
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन वीमेंस, जेंडर एंड सेक्सुअलिटी
- बैचलर ऑफ ऑटर्स / मास्टर ऑफ ऑटर्स वीमेंस एंड जीएस
- बैचलर ऑफ ऑटर्स इन जीएस
- बैचलर ऑफ ऑटर्स ऑनर्स इन सेक्सुअल डायवर्सिटी स्टडिज (स्पेशलिस्ट)
- **मास्टर्स पाठ्यक्रम**
- एमए इन जीएस
- एमफिल इन जेंडर एंड वीमेंस स्टडिज
- मास्टर ऑफ जेंडर स्टडिज
- एमए वीमेंस एंड जेंडर स्टडिज (जीईएमएमए)
- एमए जेंडर एंड मीडिया
- एमए इन जेंडर एंड वीमेंस स्टडिज एंड सोशियोलॉजी
- एम इन जेंडर, मीडिया एंड कल्चर
- मास्टर ऑफ आटर्स (वीमेंस स्टडिज)
- मास्टर ऑफ फिलॉस्फी-जीएस
- एम लिंट इन जीएस
- मास्टर ऑफ आटर्स इन वीमेंस,जेंडर एंड सेक्सयुलटिज स्टडिज
- मास्टर ऑफ आटर्स इन वीमेंस एंड जेंडर
- मास्टर ऑफ पब्लिक अफेयर्स एंड स्टडिज
- पोस्टग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन वीमेंस स्टडिज
- लैंगिक अध्ययन के लिए भारत के टॉप विश्वविद्यालय
- हिंदू कॉलेज, दिल्ली
- प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता
- गार्गी कॉलेज, दिल्ली
- रामजस कॉलेज, दिल्ली
- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता
- लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कोलकाता
- उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)